शुभम संदेश

झारखंड स्थापना दिवस

एक राज्य - एक अखबार

रांची एवं पटना से प्रकाशित

रांची • बुधवार, 15 नवंबर 2023 • कार्तिक शुक्ल 02, संवत 2080 • पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ • वर्ष : 1, अंक : 208

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

सत्यमेव जयते

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

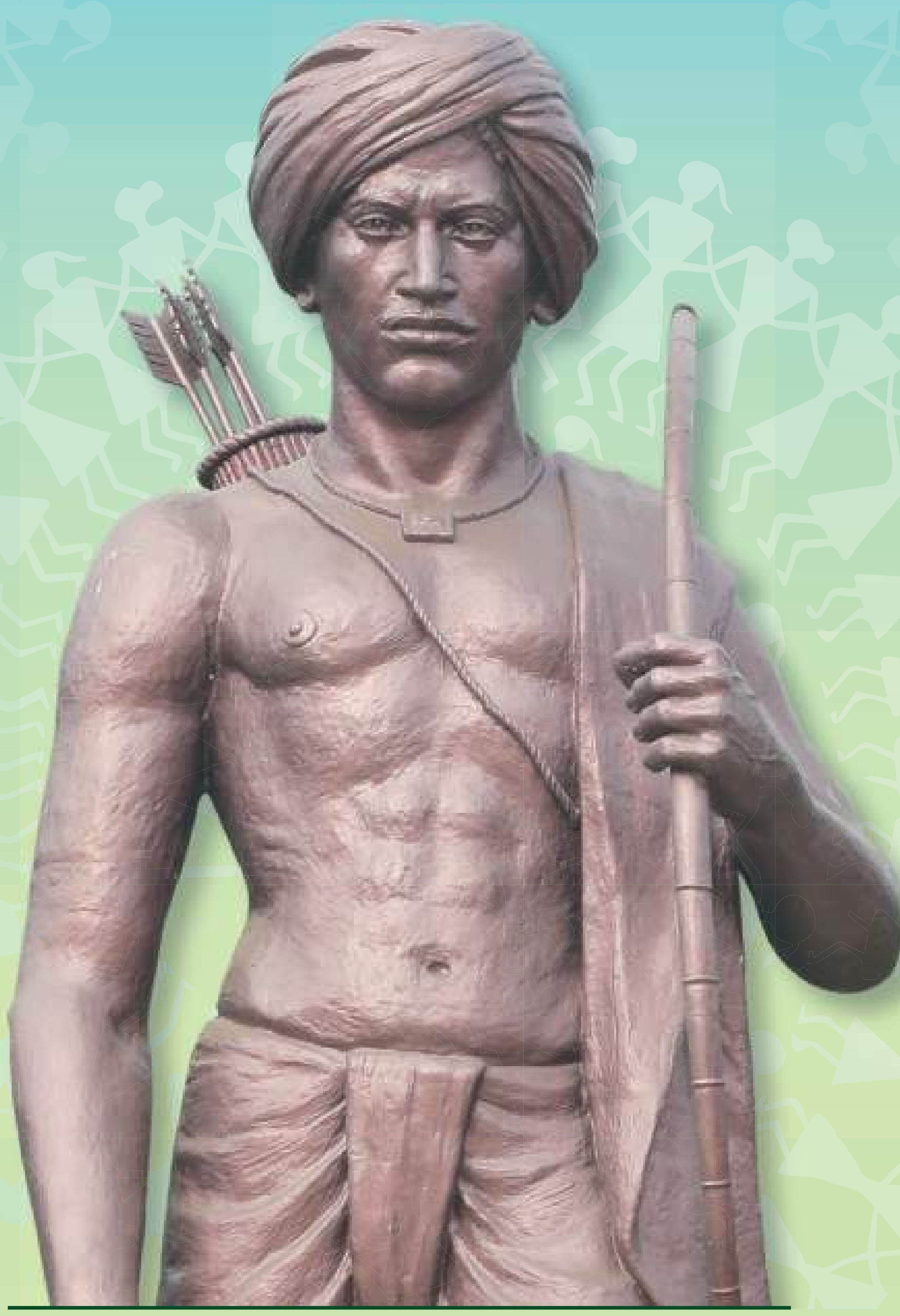

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के शुभ अवसर पर

श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री

का झारखण्ड की पावन धरती पर
हार्दिक अभिनंदन और जोहार

15 नवम्बर, 2023

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

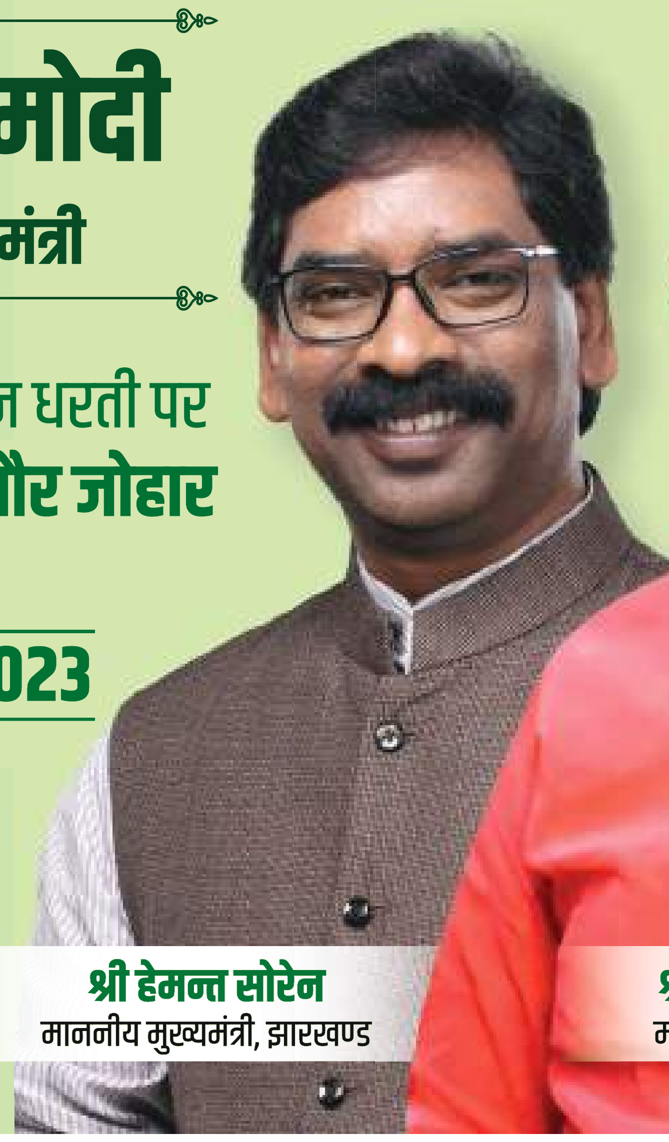

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

श्री सी. पी. राधाकृष्णन
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

पांच अक्टूबर को मतदाता सूची बनी थी, लेकिन 13 अक्टूबर को पूर्व कुलपति के पदमुक्त होने पर बदला समीकरण

घोषणा के डेढ़ महीने बाद भी चुनाव नहीं होने से शिक्षक नाराज

संवाददाता। धनबाद

घोषणा के डेढ़ महीने बीतने के बाद भी बीबीएमकेयू शिक्षक संघ चुनाव नहीं होने की वजह से शिक्षकों के एक वर्ग में नाराजगी है. हालांकि शिक्षक खुल कर बोलने से परहेज कर रहे हैं लेकिन नाराज शिक्षक इसके लिए चुनाव समिति के कसदस्यों को जिम्मेवार ठहरा रहे हैं. आरोप लगाया है कि शिक्षकों के एक वर्ग द्वारा स्वयं के स्वार्थपूर्ति के लिए जानबूझकर देर की जा रही है. आरोप लगाया कि पांच अक्टूबर को मतदाता सूची फाइनल कर ली गई थी. ऐसे में क्या कारण है कि चुनाव में देरी की जा रही है. चुनाव में देरी होने की वजह से शिक्षकों बीच तरह-तरह की चर्चा है. इसके लिए शिक्षक विश्वविद्यालय प्रशासन को

जिम्मेदार ठहरा रहे है.

चुनाव कमेटी में सात सदस्य: बीबीएमकेयू शिक्षक संघ के दोनों धड़ों के सचिव डॉ. बीएन सिंह और डॉ. हिमांशु शेखर चौधरी ने संयुक्त पत्र जारी कर डॉ. एसके सिन्हा, डॉ. केएम सिंह, डॉ. एसकेएल दास, डॉ. आरएस यादव, डॉ. एसके सिंह, डॉ. ओपी सिंह, डॉ. उमा मागेश्वरी, डॉ. डीएन सिंह और डॉ. केएम सिंह सहित सात सदस्यीय चुनाव कमेटी को चुनाव की जिम्मेदारी सौंपी थी.

चुनाव जरूरी क्यों: फेडरेशन ऑफ यूनिवर्सिटीज टीचर एसोसिएशन ऑफ झारखंड (फुटाज) का चुनाव वर्ष 2017 से लंबित है. इसका अध्यक्ष पद मई 2023 से खाली है. बीबीएमकेयू के दोनों शिक्षक संघ का कार्यकाल पूरा हो चुका है. फुटाज के चुनाव की मेजबानी बीबीएमकेयू करने वाला है. ऐसे में यहां के चुनाव पर ही सबकी निगाह टिकी है.

विश्वविद्यालय में प्रतिष्ठित पद पाने की लालसा

नाराज शिक्षकों ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय में नए कुलपति बनने के बाद कई वरिष्ठ शिक्षक चुनाव लड़ने की अपेक्षा विश्वविद्यालय में प्रतिष्ठित पद पाने की लालसा में लग गए हैं. इसकी वजह से जानबूझकर चुनाव में देरी की जा रही है. सभी की लालसा है कि यदि वे प्रतिष्ठित पद पाने में चूक गए तब शिक्षक संघ का चुनाव लड़ेंगे. शिक्षकों का आरोप है कि इस षड़यंत्र में चुनाव समिति भी शामिल है.

21 सितंबर को बनी थी चुनाव समिति

बता दें कि अंगीभूत कॉलेज के दोनों शिक्षक समिति के महासचिव डॉ. हिमांशु शेखर चौधरी और डॉ. बीएन सिंह ने एक मंच पर आकर 21 सितंबर को चुनाव समिति का गठन किया था और एक बैनर तले चुनाव संपन्न कराने की घोषणा की थी. तब एक अक्टूबर तक मतदाता सूची तैयार करने और जल्द-से-जल्द चुनाव संपन्न कराने की घोषणा की थी लेकिन इसी बीच 13 अक्टूबर को कुलपति प्रो (डॉ) शुकदेव भोई को पदमुक्त किये जाने के बाद नए समीकरण बनने लगे.

40-50 किलोमीटर में 10 कॉलेज, फिर देरी क्यों

वर्ष 2008 बैच के एक शिक्षक ने कहा कि बीबीएमकेयू में धनबाद और बोकारो जिले के 40 से 50 किलोमीटर के अंतराल पर केवल 10 अंगीभूत कॉलेज हैं. ऐसे में मतदाता सूची तैयार करने से लेकर अल्प सूचना पर चुनाव कराना कोई बड़ी बात नहीं है. ऐसे में पूजा व त्योहार के नाम पर चुनाव समिति जिम्मेदारी से बच नहीं सकती.

बाल दिवस पर बच्चों ने देखा जादूः गिरिडीह। जीडी बगड़िया मॉडर्न एंड वैदिक स्कूल में बाल दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में निल रतन खेतान, जीडी बगड़िया शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल प्रसाद कुशवाहा, वंदना चौरसिया, आनंद कुमार पांडे, अरनव सामान्ता सोनी कुमारी, अमित कुमार आदि उपस्थित रहे.

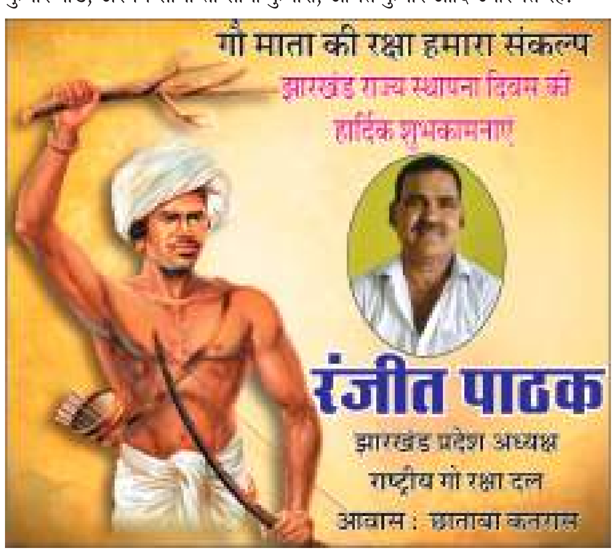

बाल-दिवस पर बच्चों को मिला सफलता का मूलमंत्र

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के डिमना स्थित आरवीएस अकादमी स्कूल में बच्चों के चहेते चाचा नेहरू के नाम से विख्यात आजाद भारत के प्रथम प्रधान मंत्री स्वर्गीय जवाहर लाल नेहरू की जयंती बाल-दिवस के रूप में मनायी गयी. इस अवसर पर स्कूल में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका एकमात्र उद्देश्य देश की परंपरा के साथ ही सफल और विख्यात व्यक्तित्व के जीवन से सीख ग्रहण करने की प्रेरणा देना है. कार्यक्रम के तहत सर्वप्रथम प्रातःकालीन प्रार्थना सभा में प्रतिदिन की तरह प्रार्थना के बाद नेहरू जी के जीवन पर एक संक्षिप्त वक्तव्य, काव्य-पाठ, सुविचार और मनोरंजन से भरपूर एक लघु नाटक प्रस्तुत किया गया. इसमें बड़े ही सहज भाव से छात्र-छात्राओं को यह सीख दी गयी कि समय के साथ अपने काम के प्रति सजग र होना सफलता का मूलमंत्र है.

शिक्षकों के नृत्य-संगीत ने बच्चों को किया अचंभित

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित लोयोला स्कूल बिष्टुपुर के छात्रों के लिए बाल दिवस यादगार रहा. टीचर सुजाता को चाचा नेहरू के तौर पर वाइस प्रिंसिपल विनीता एक्का ने जादुई छड़ी से प्रकट किया. वहीं चाचा नेहरू ने अपने इंटरव्यू में महत्वपूर्ण जानकारियां रिपोर्टर और बच्चों को दी. लोयोला जूनियर की शिक्षिकाओं ने बाल रूप में विज्ञापन, नृत्य, गीत-संगीत प्रस्तुत कर विद्यार्थियों को मंत्रमुग्ध कर दिया. इस दौरान प्रस्तुति दे रहीं शिक्षिकाओं की पहचान कर बच्चे आपस में चर्चा करते दिखे.

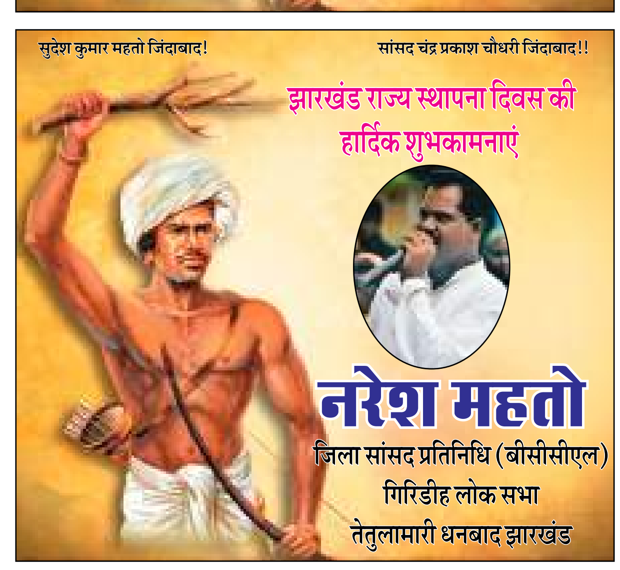

क्लासिफाइड

मोबाइल के युग में अपने बच्चों के लिए समय निकालें : भगत

खूंटी। रविवार को श्योर सक्सेस कोचिंग सेंटर, मुरहू में बाल दिवस मनाया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के शिक्षक सह निदेशक सकलदीप भगत ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं केक काटकर किया. भाषण प्रतियोगिता में तान्या एवं अनीशा ने पंडित जवाहरलाल नेहरू की जीवनी पर प्रकाश डाला तथा दीपावली में बेहतर रंगोली बनाने वाले बाल प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया. निदेशक सकलदीप भगत ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का बच्चों से बहुत स्नेह और लगाव था. इसीलिए उन्हें प्यार से बच्चे चाचा नेहरू कहा करते थे. भगत ने बच्चों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं, वे देश के बेहतर भविष्य निर्माण में अहम भूमिका अदा करते हैं.

धूमधाम के साथ छात्रों ने मनाया बाल दिवस

बेरमो। गोमिया एंव आसपास के सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों में मंगलवार को धूमधाम से बाल दिवस मनाया गया. स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में कई तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया गया. गोमिया के आदर्श विद्यालय में खेलकूद ,क्वीज तथा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन हुआ. इस अवसर पर विद्यालय के फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में कक्षा यूकेजी से द्वितीय कक्षा के छात्र-छात्राओं ने राधा, परी, मां सरस्वती, पुलिस, डॉक्टर, झांसी की रानी, गांव की बाला आदि का किरदार निभाकर सभी का मन मोह लिया. लावण्या कुमारी, आरोही कुमारी, चावला भारती, प्रेरणा देव, शिवांक साव, शिवानी कुमारी, पिहु कुमारी, निधि कुमारी, सोनी कुमारी तथा पीयुष कुमार ने रंगबिरंगे परिधानों में प्रस्तुति दी.

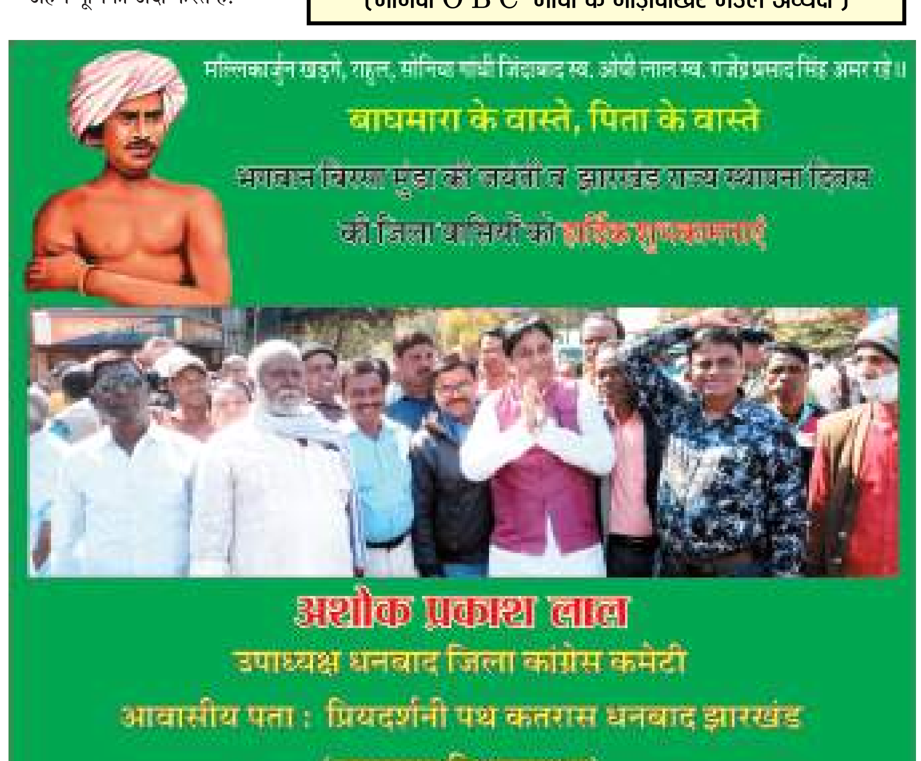

24 साल का
झारखंड

शुभम संदेश

झारखंड स्थापना दिवस

एक राज्य - एक अखबार

रांची एवं पटना से प्रकाशित

रांची ● बुधवार, 15 नवंबर 2023 ● कार्तिक शुक्ल 02, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 208

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

धरती आबा भगवान

बिरसा मुंडा की जयंती पर राज्य स्थापना दिवस समारोह

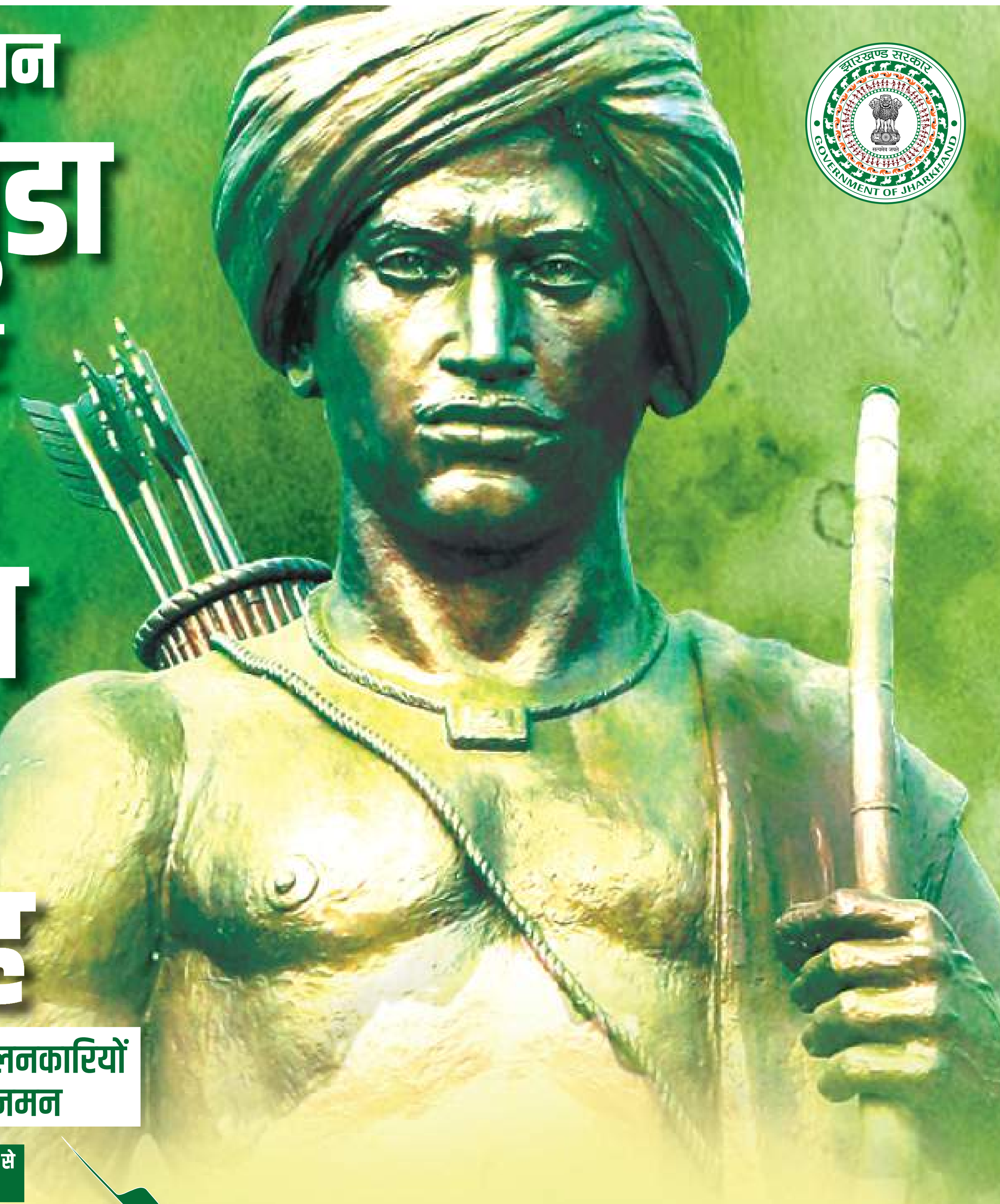

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

झारखण्ड के अमर वीर शहीदों एवं आंदोलनकारियों के संघर्ष और शहादत को शत-शत नमन

दिनांक - 15 नवम्बर, 2023 | समय - अपराह्न 02:00 बजे से
स्थान - मोरहाबादी मैदान, राँची

जोहार

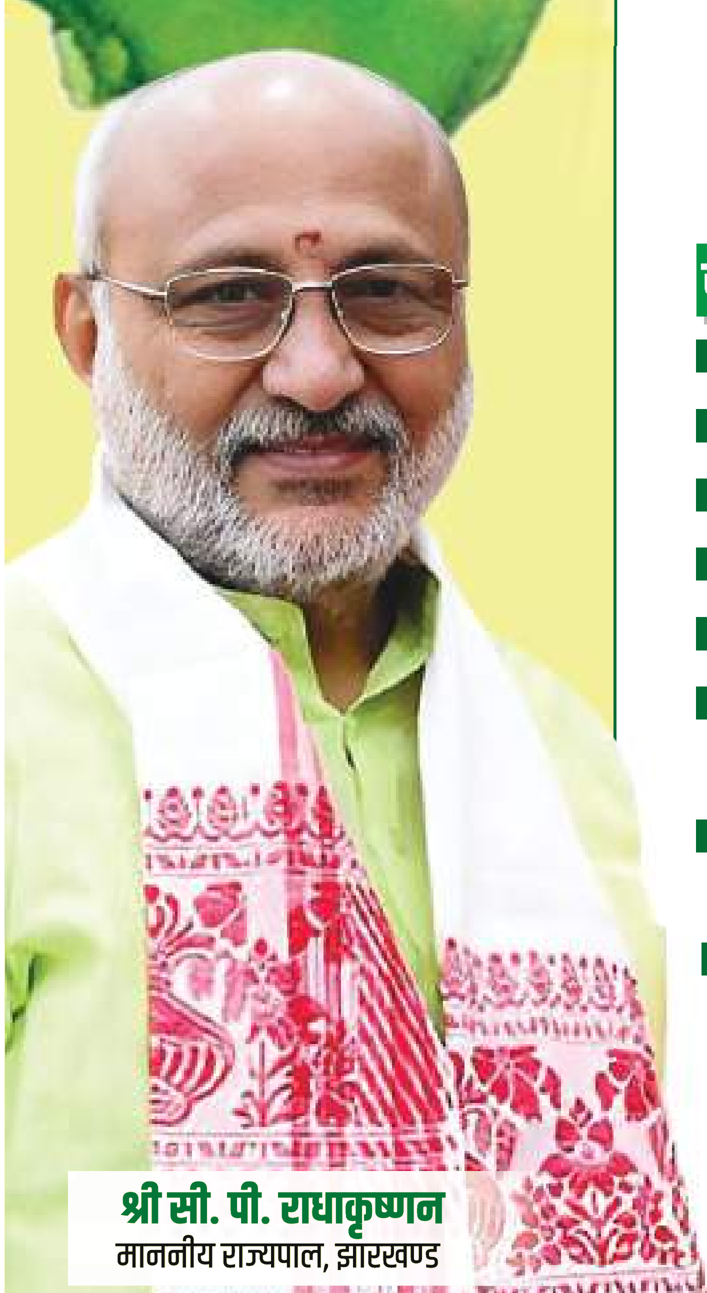

श्री सी. पी. राधाकृष्णन
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

समारोह के मुख्य बिंदु

- **₹1,714 करोड़** के कुल 229 योजनाओं का **उद्घाटन**
- **₹5,328 करोड़** के कुल 677 योजनाओं का **शिलान्यास**
- **आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार** कार्यक्रम का शुभारंभ
- **अबुआ आवास योजना** और **मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना** का शुभारंभ
- **रोजगार मेला** के तहत **18,034 युवाओं** को ऑफर लेटर वितरण
- **सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना** के तहत वर्ष 2023-24 में **5.5 लाख** से अधिक किशोरियों को **₹261 करोड़** की सहायता राशि वितरण
- खेल प्रोत्साहन नीति के तहत 70 खिलाड़ियों को लगभग ₹2 करोड़ का **नकद पुरस्कार** वितरण
- **ये पॉलिसी होंगे लॉन्च**
  - झारखण्ड स्टार्टअप पॉलिसी 2023
  - झारखण्ड एम.एस.एम.ई प्रमोशन पॉलिसी 2023
  - झारखण्ड निर्यात पॉलिसी 2023
  - झारखण्ड आई.टी., डाटा सेंटर एवं बी.पी.ओ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी 2023

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

ब्रीफ खबरें

छठ में चोरी, छिनतई हुई तो नपेंगे थाना प्रभारी

आदित्यपुर । मंगलवार को जिले के एसपी डॉ विमल कुमार ने क्राइम मीटिंग की, जिसमें आने वाले फेस्टिव सीजन में चोरी, छिनतई और अपराधों पर नकेल कसने की नसीहत सभी थाना प्रभारियों को दी. एसपी ने स्पष्ट तौर पर चेतावनी देते हुए कहा कि अपराध हुआ तो थाना प्रभारी को शोकॉज किया जाएगा. बता दें कि एसपी मासिक अपराध गोष्ठी कर रहे थे. इसमें जिले के सभी थाना प्रभारी मौजूद थे. एसपी ने छठ पर्व के अवसर पर विधि-व्यवस्था शांतिपूर्ण रखने के भी आवश्यक निर्देश दिए.

बाघमारा के कई इलाकों में आज गुल रहेगी बिजली

महुदा । गणेशपुर विद्युत शक्ति उपकेंद्र में बिजली मरम्मत कार्य को लेकर से बुधवार दिन 10 बजे से 3 बजे तक 33 केवी लाइन बंद रहेगी. उक्त जानकारी गुरूवार को महुदा बाजार में गणेशपुर के सहायक विद्युत अभियंता सह विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल अनिल कुमार ने बताया. उन्होंने कहा कि गणेशपुर विद्युत शक्ति उपकेंद्र में महुदा फीडर का ब्रेकर लगाया जायेगा. इसके कारण पांच घंटे बिजली बंद रहेगी.

पोस्टमार्टम के बाद शव पहुंचा केंदुआ बाजार, शोक की लहर

शव पहुंचते ही छाया मातम

संवाददाता । धनबाद

केंदुआ बाजार के आजाद चौक के पास सोमवार की देर रात साढ़े नौ बजे एक दुकान और मकान में आग लगने से जहां एक मासूम और दो महिलाओं की जान चली गई, वहीं घायलों की स्थिति में सुधार है. सोमवार की देर रात 12.30 में घायल सुभाष गुप्ता की पत्नी 30 वर्षीय सुमन गुप्ता और 20 माह का बच्चा शिवांश कुमार को मंगलवार की सुबह 4 बजे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया. सुभाष गुप्ता ने अस्पताल प्रबंधन को लिखित में अस्पताल से डिस्चार्ज के लिए आग्रह किया. डॉक्टर ने स्थिति में सुधार देखते हुए सभी को डिस्चार्ज कर दिया. हादसे के दौरान सुभाष गुप्ता और उसके पिता अशोक गुप्ता घर से बाहर थे, जिस कारण दोनों की जान बच गई. इधर, आग बुझाने के दौरान लगभग 20 लोग घायल हो गए थे, जिन्हें प्राथमिक उपचार कर अलग-अलग अस्पतालों से डिस्चार्ज कर दिया गया है. सुभाष गुप्ता के भाई सुमित गुप्ता को भी समय रहते बाहर निकाल लिया गया था.

अगलगी की घटना के बाद जुटी भीड़.

तीन लोगों ने गंवाई जान

दुकान और मकान में हुई अगलगी में जान गवांने में एक चार साल की बच्ची और दो महिलाएं थीं. मृतकों में दुकान मालिक सुभाष गुप्ता की 65 वर्षीय मां उर्मिला देवी, 35 वर्षीय बहन प्रियंका गुप्ता और चार साल की पुत्री सौम्या गुप्ता उर्फ मौली शामिल हैं. मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार, मृतक उर्मिला देवी आग से झुलस गई थीं, वहीं प्रियंका और सौम्या की मौत दम घुटने से हो गई थी. जबकि, प्रियंका ने एसएनएमएमसीएच में दम तोड़ा.

पोस्टमार्टम के बाद किया अंतिम संस्कार

आगजनी में हुए तीन लोगों की मौत के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया. दोपहर पोस्टमार्टम के बाद करीब 1.30 बजे शव केंदुआ बाजार पहुंचा. तीनों के शव पहुंचते ही इलाके में कोहराम मच गया. परिवार वालों की चीख से पूरा बाजार रो पड़ा. दोपहर करीब 2:30 बजे तीनों के शव यात्रा एक साथ केंदुआ बाजार से निकाली गयी, जिसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल थे. तीनों की अंतिम संस्कार तेलमच्चो घाट में किया गया.

खास बातें

- घायल लोगों को अस्पताल से किया गया डिस्चार्ज
- उर्मिला देवी की आग में झुलसने से हुई मौत

लोगों की सूझ-बूझ से बच गई जान

बता दें कि केंदुआ बाजार स्थित जेवर पट्टी के एसके जनरल श्रृंगार स्टोर में आग लगी थी. आग की उठती लपटों पर जैसे ही लोगों की नजर पड़ी. हजारों की संख्या में स्थानीय लोग जुट गए और आग बुझाने की कोशिश करने लगे. भीषण आग के कारण मकान में मौजूद परिवार के सदस्यों की स्थिति बिगड़ते जा रही थी. लोगों ने सड़क से ऊपर बालकनी में सीढ़ी लगाई और घर के अंदर दाखिल हुए. इस दौरान 3 लोगों को निकालने में लोग सफल रहे.

उपद्रवियों ने तोड़े वकीलों के कुर्सी-टेबल

धनबाद। सोमवार कि बीती रात उपद्रवी तत्वों ने धनबाद सिविल कोर्ट के अधिवक्ताओं के सिरिश्ता में घुसकर साठ कुर्सी टेबल को तोड़ दिया. मंगलवार के सुबह जब अधिवक्ता न्यू अंबेडकर हॉल स्थित अपने सिररिश्ता पहुंचे तो अपने कुर्सी टेबल को टूटा हुआ पाया, जिससे वह काफी आक्रोशित हो गए. घटना की सूचना पर धनबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरेंद्र सहाय, महासचिव जितेंद्र कुमार, राधेश्याम गोस्वामी स्टेट बैंक के समीप स्थित न्यू अंबेडकर हॉल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया. उन्होंने अधिवक्ताओं को आश्वासन दिया कि उन्हें बैठने के लिए कुर्सी टेबल का प्रबंध किया जाएगा.

गुंडा टैक्स के खिलाफ जन आक्रोश रैली आज निकलेगी

संवाददाता । कतरास

गुहीबांध में निगम के टोल टैक्स के नाम पर हो रहे गुंडा टैक्स के खिलाफ अधिवक्ता गजेन्द्र कुमार आंदोलनरत हैं. आंदोलन को तेज करते हुए अधिवक्ता गुंडा टैक्स के खिलाफ बुधवार को जन आक्रोश रैली निकालेंगे. रैली कतरास भगत सिंह चौक से निकल कर इलाके का भ्रमण करते हुए धनबाद नगर आयुक्त कार्यालय पहुंचेगी. जहां नगर आयुक्त का घेराव किया जाएगा. जन आक्रोश रैली को लेकर अधिवक्ता ने अनुमंडल पदाधिकारी व धनबाद थाना प्रभारी को लिखित जानकारी दी है. मामले को लेकर अधिवक्ता गजेंद्र कुमार ने कहा कि लगातार गुंडा टैक्स के खिलाफ आंदोलन के बाद नगर आयुक्त ने इसे तत्काल बंद करने का आदेश दिया.बावजूद अभी भी नगर निगम के पर्ची के सहारे मैन रोड पर गुंडा टैक्स की वसूली की जा रही है. जिससे स्पष्ट जाहिर होता है कि इस गुंडा टैक्स में अधिकारियों की संलिप्तता है. लगातार आंदोलन के बाद गुंडा टैक्स वसूला जा रहा है. जिसके खिलाफ हम टोटो टेम्पु वालों के साथ जन आक्रोश रैली निकाल कर नगर आयुक्त का घेराव कर इस गुंडा टैक्स वसूल को बंद करवाने की मांग करेंगे.

बीडीओ ने छठ घाटों का लिया जायजा

संवाददाता । गढ़वा

रंका अनुमंडल मुख्यालय स्थित विभिन्न छठ घाटों का अनुमंडल पदाधिकारी ने जायजा लिया. मौके पर रंका प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल पदाधिकारी, थाना प्रभारी, झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता आशीष कुमार गुप्ता, मुखिया प्रतिनिधि राजेश कुमार मधेशिया समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे. अनुमंडल पदाधिकारी ने छठ घाटों की साफ सफाई, सुरक्षा, साउंड व्यवस्था और घाटों को सजाने का निर्देश दिया. सुनार मुहल्ला, तेतरघाट छठ पूजा समिति के व्यवस्थापक रमेश प्रसाद को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि नालियों के ऊपर ढकने के लिए बांस का टाटी की व्यवस्था करें. ताकि कोई छोटा बच्चा नाली में ना गिर जाए. वहीं, पुल नदी छठ घाट पर सोनू कुमार गुप्ता और रंजीत कुमार सैंडिक को निर्देशित करते हुए कहा कि नदी में जो कचरा हैं उसे मशीन के माध्यम से निकाल कर बाहर फेंकवाएं. ताकि नदी में किसी प्रकार की कोई गंदगी ना रह सके.

छठ घाट गंदे, स्वास्थ्य मंत्री बन्ना का पुतला फूंका

जमशेदपुर। मानगो शंकोसाई श्याम नगर में छठ घाट की अव्यवस्था देखकर मंगलवार को स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा. क्षतिग्रस्त छठ घाट और साफ-सफाई नहीं होने से नाराज लोगों ने स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए श्यामनगर छठ घाट के पास विरोध जताया. लोगों ने बताया कि बन्ना गुप्ता को चुनाव जीते चार वर्ष हो गए. चार वर्ष में एक बार भी मंत्री बन्ना गुप्ता श्याम नगर में नहीं आए. चुनाव पूर्व आकर बड़ी-बड़ी बातें कर चले गए. श्याम नगर मानगो का वह इलाका है जहां रोज कमाने खाने वाले लोग रहते हैं जिनके पास बड़ी वाहन या फिर सवारी गाड़ी नहीं है, जिससे लोग अन्य जगह में जाकर छठ पर्व मना सके. छठ के समय मंत्री कभी-कभी आते हैं और अपना फोटो लगा हुआ फ्लेक्स लगाकर लोगों से मीठी-मीठी बात कर आश्वासन देकर चले जाते है.

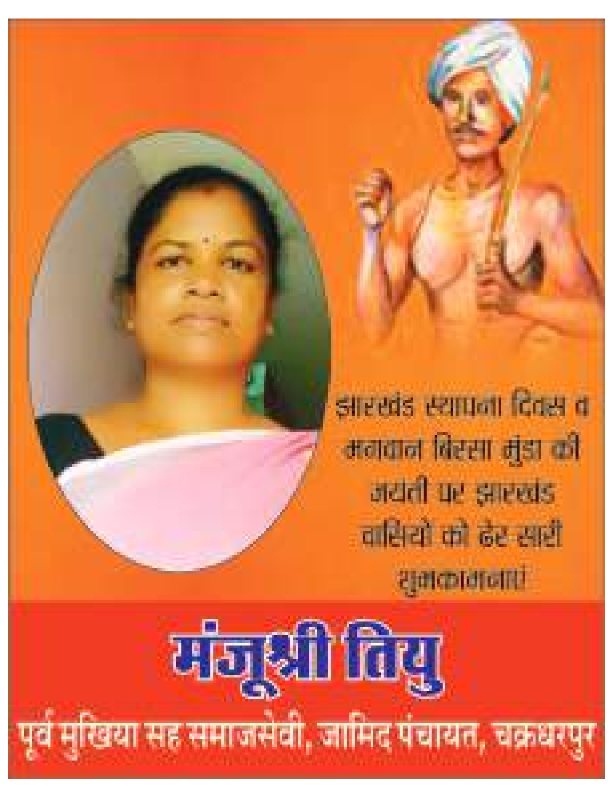

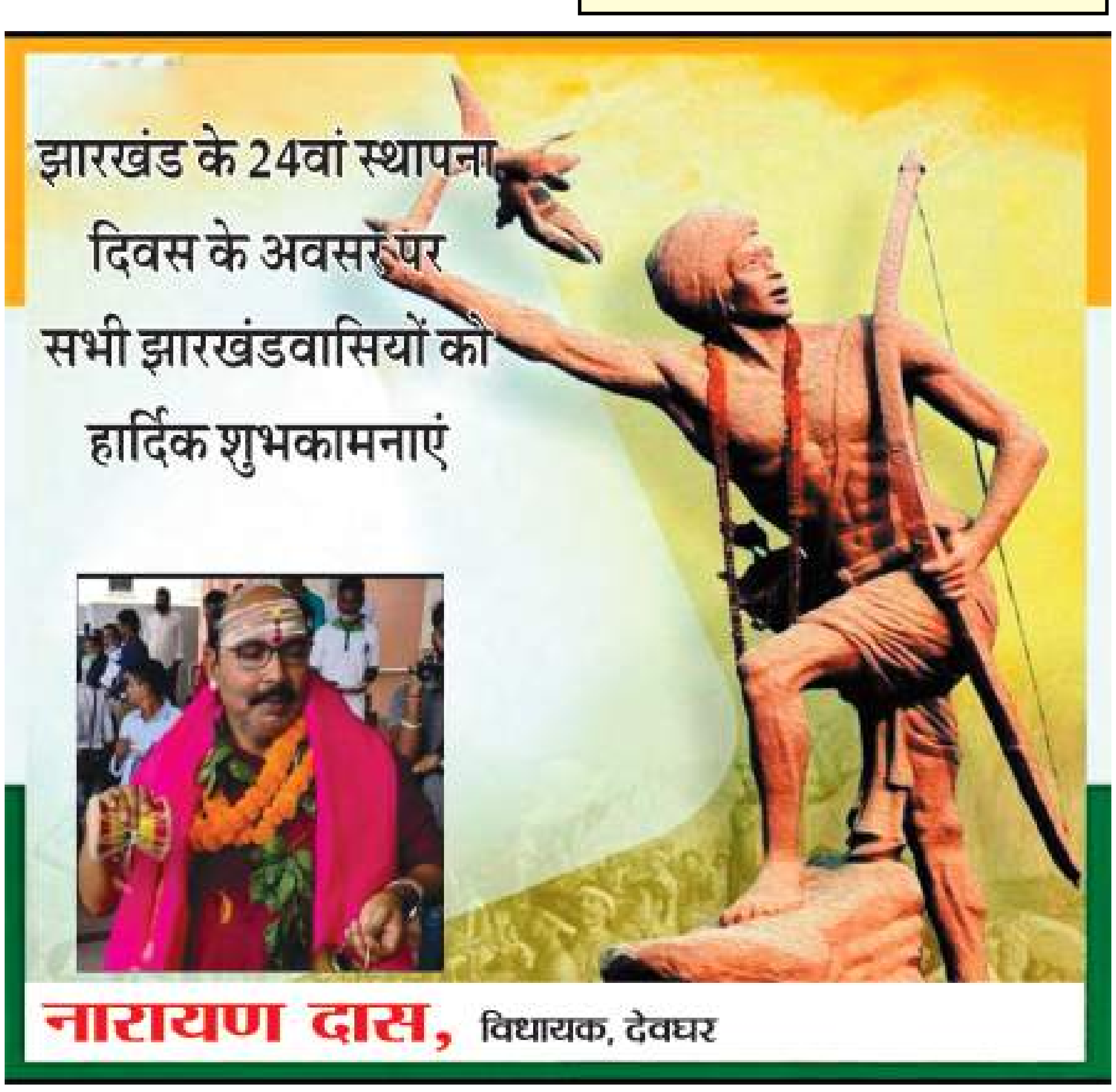

24 साल का झारखंड

शुभम संदेश

झारखंड स्थापना दिवस

एक राज्य - एक अखबार

रांची एवं पटना से प्रकाशित | रांची ● बुधवार, 15 नवंबर 2023 ● कार्तिक शुक्ल 02, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 208 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

पीएम मोदी पहुंचे रांची

- रांची एयरपोर्ट से राजभवन तक उमड़ा जनसैलाब
- आज उलिहातू में भगवान बिरसा को करेंगे नमन

जोहार !

- भव्य रोड शो जैसा दिखा नजारा
- मोदी-मोदी के नारों के साथ हुआ स्वागत

संवाददाता । रांची

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और राज्य स्थापना दिवस को लेकर राजधानी को सजाया संवारा गया है. स्थापना दिवस के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम होने की वजह से लंबे समय के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों में उत्साह है. सड़कों पर होर्डिंग लगाए गए हैं. बिजली के पोल पर कट-आउट लगाए गए हैं. सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक स्थलों को लाईटिंग कर सजाया-संवारा गया है. राजधानी की सड़कों की सफाई की गई है.

रात के नौ बजे प्रधानमंत्री का विशेष प्लेन बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर लैंड किया. राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, गृह सचिव अविनाश कुमार, डीजीपी अजय कुमार समेत कई भाजपा नेताओं ने उनका स्वागत किया. स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री के आगमन की घोषणा के बाद भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश है. मंगलवार की रात करीब नौ बजे प्रधानमंत्री रांची पहुंचे. एयरपोर्ट से लेकर राजभवन तक कुल 10 जगहों पर उनका जोरदार स्वागत किया गया. सभी 10 जगहों पर स्वागत करने की जिम्मेदारी भाजपा के सांसदों, विधायकों और स्थानीय नेताओं को दी गई थी. दिन से ही जगह-जगह पर लाउडस्पीकर के जरिये आम लोगों से अपील की जा रही थी कि लोग घरों से बाहर निकलें और अपने प्रधानमंत्री का स्वागत करें. इस कारण एयरपोर्ट से लेकर राजभवन तक रोड-शो जैसी स्थिति बन गई थी. 15 नवंबर की सुबह प्रधानमंत्री जेल रोड स्थित बिरसा मुंडा स्मृति पार्क पहुंचेंगे. वहां से वह उलिहातू जाएंगे.

स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है. स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) ने 11 नवंबर से ही सुरक्षा व्यवस्था को अपने नियंत्रण में ले लिया था.

प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम

खूंटी बिरसा कॉलेज फुटबॉल मैदान

- सुबह 11.30 से प्रधानमंत्री का कार्यक्रम शुरू होगा

7200 करोड़ रुपये की योजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन करेंगे पीएम

- 24000 करोड़ का पीवीटीजी मिशन लॉन्च करेंगे
- प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत 18,000 करोड़ की 15वीं किस्त जारी करेंगे
- विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ करेंगे
- 11.50 बजे प्रधानमंत्री का संबोधन शुरू होगा

12.30 बजे पीएम मोदी हेलीकॉप्टर से रांची एयरपोर्ट वापस लौटेंगे

- दोपहर 1 बजे विशेष विमान से मध्य प्रदेश के लिए रवाना हो जाएंगे

बिरसा मुंडा स्मृति पार्क

- सुबह 9.30 बजे पीएम मोदी बिरसा मुंडा स्मृति पार्क जाएंगे
- पीएम यहां स्मृति पार्क और म्यूजियम का भ्रमण करेंगे

उलिहातू

- उलिहातू में भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली पहुंचकर नमन करेंगे

विश्व कप : नॉकआउट में फिर न्यूजीलैंड से भिड़ंत

भारत का सेमी 'फाइनल' आज

भारत : 2015 और 2019 के विश्व कप में सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाया था भारत

न्यूजीलैंड : विश्व कप 2015 और 2019 के फाइनल में पहुंची थी न्यूजीलैंड की टीम

2019 विश्व कप के सेमीफाइनल में हार का बदला लेने उतरेगी भारतीय टीम

मुंबई । भारत-न्यूजीलैंड के बीच सेमीफाइनल का मुकाबला बुधवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा. लीग चरण में लगातार नौ मैच जीत चुकी भारतीय टीम आत्मविश्वास से ओतप्रोत है. सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा. मैनचेस्टर में 2019 विश्व कप में इसी टीम से मिली हार अभी भी भारतीय टीम के जेहन में ताजा होगी. न्यूजीलैंड ने 2021 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भी भारत को हराया था. इस बार भारतीय टीम का प्रदर्शन इतना जबर्दस्त रहा है कि खिताब का इंतजार खत्म होने की उम्मीद बंधी है.

-विस्तृत खेल पेज पर

हेड-टू-हेड

वनडे में भारत-न्यूजीलैंड

कुल मैच	117
भारत जीता	59
न्यूजीलैंड जीता	50
टाई	1
नो रिजल्ट	7

वनडे वर्ल्ड में भारत vs न्यूजीलैंड

भारत	कुल मैच : 10	न्यूजीलैंड
4	नो रिजल्ट : 1	5

जब हमारा दिन होता है, तब हम भी अपना बेस्ट क्रिकेट खेलते हैं और सामने वाली टीम को चुनौती देते हैं. हम अपने अच्छे दिन पर कुछ भी कर सकते है. किसी को भी हरा सकते हैं. सेमीफाइनल में खेलने वाली सभी टीमें बराबर हैं.
-केन विलियम्सन, कप्तान, न्यूजीलैंड

समय आ गया है कि भाग्य आपका साथ दे और भाग्य बहादुरों का साथ देता है. सिर्फ सेमीफाइनल मुकाबले में उतरने के कारण मेजबान टीम को अपनी मानसिकता और रवैये को लेकर कोई बड़ा बदलाव करने की जरूरत नहीं है.
-रोहित शर्मा, कप्तान, भारत

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	27.5	15.4
जमशेदपुर	32.2	17.8
डालटनगंज	30.4	16.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	57400
चांदी (किलो)	75000

21 को 3 ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगी राष्ट्रपति

जमशेदपुर. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 21 नवंबर को रायरंगपुर में तीन नयी ट्रेनों का उद्घाटन करेंगी. ये तीन नयी ट्रेनें बादामपहाड़-रायरंगपुर स्टेशन से होकर चलेंगी. इसके लिए रेलवे ने तैयारी कर ली है. बदामपहाड़ और रायरंगपुर रेलवे स्टेशन में चल रहे विकास कार्यों की खुद रेल जीएम एके मिश्रा मॉनिटरिंग कर रहे हैं. मंगलवार को रेल जीएम ने बादाम पहाड़ सेक्शन का निरीक्षण किया.

व्यवसायी को धमकी, 30 लाख दो नहीं तो खोल देंगे खोपड़ी

संवाददाता । धनबाद

हीरापुर पार्क मार्केट के एक व्यवसायी को गैंगस्टर प्रिंस खान ने फोन कर 30 लाख की रंगदारी मांगी है. रंगदारी नहीं देने पर खोपड़ी खोल देने की धमकी दी है. व्यवसायी दहशत में है. एक तरफ धनबाद पुलिस प्रिंस खान गैंग पर नकेल कसने के लिए लगातार कोशिश कर रही है और उसके गुर्गों को पकड़ जेल में डाल रही है. वहीं दूसरी तरफ प्रिंस का आतंक खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है. वह लगातार धनबाद के व्यवसायियों को धमकी दे रहा है. हीरापुर पार्क मार्केट के प्रतिष्ठित साड़ी शोरूम के मालिक को प्रिंस खान ने फोन कर 30 लाख रुपये की रंगदारी मांगी है. पैसा नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दी गयी है. प्रिंस की धमकी की जानकारी मिलने के बाद से पार्क मार्केट के दूसरे व्यवसायी भी सकते में हैं.

धमकी और गोलीबारी की घटनाएं जारी

पिछले करीब दो सालों से धनबाद में प्रिंस खान द्वारा धमकी देने व्यापारियों को धमकाने और गोली मारने का सिलसिला जारी है. पिछले महीने 28 अक्टूबर को बैंक मोड़ के कार सेंटर के मालिक दीपक अग्रवाल द्वारा रंगदारी नहीं दिए जाने के कारण उन्हें गोली मार दी गयी थी. इसमें दीपक गंभीर रूप से घायल हुए थे. जानकारी के अनुसार दीपक को गोली मारने से पहले प्रिंस द्वारा रंगदारी की मांग की गयी थी. इस गोलीबारी मामले में शामिल सभी अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, प्रिंस खान अब तक फरार है.

2.33 लाख कोलकर्मियों को दो साल तक स्टडी लीव मिलेगा

संवाददाता । धनबाद

कोल इंडिया के अधीनस्थ बीसीसीएल समेत 11 अनुषंगी कंपनियों में काम करनेवाले 2.33 लाख कर्मचारियों को दो साल तक स्टडी लीव मिलेगा. दिल्ली में कोल इंडिया भवन में हुई बैठक के दौरान के मानकीकरण समिति के चेयरमैन कोल इंडिया के निदेशक (कार्मिक) विनय रंजन ने यह फैसला सुनाया. कोल इंडिया सूत्रों के अनुसार निदेशक (कार्मिक) ने इस संबंध में निर्देश भी जारी कर दिया है. इसके अलावा अन्य कई मुद्दों पर भी चर्चा की गयी. इसमें परिवहन सब्सिडी 62 रुपये प्रतिदिन, मकान किराया, सामाजिक सुरक्षा देने की बात कही गयी. निदेशक ने कहा कि संयुक्त तकनीकी उप समिति के गठन, एचपीसी व संयुक्त समिति की अनुशंसा के क्रियान्वयन के लिए संयुक्त निगरानी समिति के गठन के संबंध में सभी श्रमिक संगठनों से एक-एक प्रतिनिधि प्रतिनिधित्व करेंगे. 11वें वेतन समझौता का भी लाभ मिलेगा. सीपीआरएमएस एनई के संबंध में भी सभी श्रमिक संगठनों और आश्रित नियोजन में आश्रित की परिभाषा निर्धारित करने के लिए एक संयुक्त समिति का गठन किया जाएगा.

खास बातें

- दिल्ली में कोल इंडिया भवन में मानकीकरण समिति की बैठक
- 11 अनुषंगी कंपनियों के कर्मचारियों को मिलेगा लाभ

चुनाव में जीत जिसकी हो, पर वोटरों के होंगे पौ बारह

पांच राज्यों के हालिया चुनाव में जीत चाहे जिस राजनीतिक पार्टी की हो, पर मतदाताओं के पौ बारह होंगे ही. चुनाव परिणाम आते ही आसमान से सुविधाओं, लाभों और योजनाओं की बरसात होगी, ऐसी पूरी संभावना है. होगी क्यों नहीं, एक से बढ़कर एक घोषणाएं, वादे, प्रतिबद्धताएं हवा में तैर रही हैं ! मतदाता 3 दिसंबर की प्रतीक्षा में तो होंगे ही. चुनाव में राजनीतिक दलों के घोषणा पत्र, वचन पत्रों, वादों, इरादों और संकल्प पत्रों में वादे ही तो हैं. इसे आप वचन कहिए, संकल्प कहिए या किसी अन्य नाम से अभिहित कीजिए. इनमें समाज के अधिकांश घटकों (सभी नहीं) के लिए खुशियों की बौछार पड़ने वाली हैं. घोषणा पत्र चुनाव के महत्वपूर्ण अंग हैं. निश्चित रूप से चुनाव में भागीदार दलों को अपनी लोक प्रतिबद्धताओं के प्रसंग में नीति, सिद्धांतों और तदनुरूप कार्यक्रमों के आलोक में संकल्प मतदाताओं के बीच में रखना होता है. 1952 से शुरू प्रायः सभी चुनावों में भागीदार दल घोषणा पत्र जारी करते रहे हैं. इस महत्वपूर्ण चुनावी दस्तावेज में दल सत्ता में आने पर अपनी योजनाओं, कार्यक्रमों एवं जनहित के प्रश्नों को बढ़-कर कर लागू करने की बात डंके की चोट पर बार-बार दोहराते हैं. लंबे अरसे तक इन दस्तावेजों में जन अपेक्षाओं, भौतिक-आर्थिक स्थिति व संसाधनों की उपलब्धि के आधार पर घोषणाएं की जाती थीं. सत्ता में आने की पुरजोर संभावनाओं वाले दलों द्वारा मौलिकता, जमीनी सच्चाई व संसाधन की उपलब्धता को कहीं न कहीं केंद्र बिंदु माना जाता था. फिर भी बातें बढ़-चढ़कर तो होती ही थीं.

अयोध्या नाथ मिश्र

किसी ने गरीबी हटाने, भ्रष्टाचार मिटाने, बेरोजगारी दूर करने का नारा दिया तो किसी ने राष्ट्रवाद, हर हाथ को काम-हर खेत को पानी जैसी प्रतिबद्धताएं दोहरायी. इसी प्रकार कुछ अन्य दलों ने मजदूर एकता, समता, समानता, जमीनी हकीकत जैसे आकाश कुसुम शब्दों को हवा में छोड़ा, पर आजादी के लगभग सात दशक बाद भी इन बुलंद स्वरों ने आकार नहीं लिया. लोग ऊपर की ओर देखते-देखते निराश हो गए. मतदाता का बड़ा समूह घोषणाओं को लेश मात्र तक भी महत्व देना छोड़ दिया उसे चुनावी घोषणाओं पर हंसी आने लगी. गरीबी हटाओ जैसे सार्वदेशिक हित के संवेदनशील वचनबद्धता का हश्र चुनाव दर चुनाव आमजन ने अन्य घोषणाओं के साथ देखा है और भोगा भी है.

संप्रति चुनाव में दलों की संख्या तो बहुत है, पर प्रमुख राष्ट्रीय दल भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस ही चर्चा के केंद्र में हैं. यदि इनकी घोषणा पत्रों, संकल्प, वचन पत्रों को समाज जीवन में मूर्त रूप मिल जाए तो गरीबी, बेकारी, दैन्य, अभाव तो मिट ही जाएंगे बहुत हद तक असमानता घट जाएगी और लोक जीवन से तमाम समस्याओं का पलायन हो जाएगा. इन दलों के साथ अन्य क्षेत्रीय दलों को पीछे कहना गलत होगा. उनके तरकश में भी घोषणाओं का कोई तीर बचा नहीं है.

-शेष पेज 10 पर

युवा क्रिकेटर ने लगायी फांसी

संवाददाता ।बोकारो

जिले के हरला थाना क्षेत्र स्थित सेक्टर 9ए क्वार्टर नंबर 477 में सोमवार रात युवा क्रिकेटर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. युवक की पहचान बेरमो अनुमंडल के महुआटांड़ निवासी अभय कुमार (उम्र 21 साल, पिता शशि भूषण नाग) के रूप में हुई है. अभय बोकारो में रहकर पढ़ाई के साथ-साथ क्रिकेट की प्रैक्टिस भी कर रहा था.

बताया जाता है कि अभय ने दिन में अपने दोस्तों के साथ क्रिकेट टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था. इस दौरान उसने चास एसडीओ के साथ मैच की प्रैक्टिस भी की थी. इसके बाद वह अपने क्वार्टर गया. उसके क्वार्टर के बगल में रहने वाले एक सहपाठी ने जब उसे खाना बनाने के लिए आवाज दी तो उसे जवाब नहीं दिया. काफी देर तक जब अभय ने दरवाजा खोला. इसके बाद जब उसके दोस्त ने दरवाजा तोड़ा तो देखा कि अभय फांसी के फंदे से झूल रहा है.

पोस्टमॉर्टम के बाद शव को परिजनों को सौंपा : अभय के सहपाठी ने अगल बगल के लोगों और हरला थाना को घटना की जानकारी दी. सूचना पाकर हरला सर्किल इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी प्रभाकर मुंडा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और शव को फंदे से उतारकर पोस्टमॉर्टम के लिए चास अनुमंडल अस्पताल भेज दिया. पुलिस ने घटना की सूचना परिजनों को दी. देर रात ही परिजन बोकारो पहुंचे. पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया. पुलिस ने घटना के बारे में बताया कि कॉल डिटेल व अन्य गतिविधियों की जानकारी एकत्रित की जा रही है. ताकि घटना के बारे पता लगाया जा सके.

बीमारी से त्रस्त युवक ने लगायी फांसी

आदित्यपुर । सरायकेला के राजनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सिजुलता में 16 वर्षीय मृतक किशोर सुंदर भारती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. मृतक का पूरा परिवार बिहार के गया जिले के कोठी का रहनेवाला है और सिजुलता में किराए के मकान में रहता था, उसके पुत्र सुंदर बीमार रहता था जिसके लिए सोमवार देर रात पूरा परिवार बनकाटी गांव के एक ओझा के घर पूजा करने गया था.

तोपचांची में सड़क दुर्घटना में युवक की गई जान

तोपचांची । हरिहरपुर थाना क्षेत्र के खरियो स्थित महुलटांड ब्रेकर के समीप सोमवार देर रात सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गयी. युवक की पहचान सुकुडीह निवासी वीरेंद्र मुर्मू (25 वर्षीय) के रूप में हुई है. वीरेंद्र मुर्मू की मौत की खबर से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. पूरे गांव में मातम पसर गया है. स्थानीय लोगों के अनुसार, वीरेंद्र मुर्मू अपने घर का एकमात्र कमाऊ सदस्य था. उसकी दो बेटी भी है. एक 3 साल की और दूसरी तीन माह की है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि वीरेंद्र मुर्मू बोकारो प्लांट से काम करके बाइक से अपने घर सुकुडीह आ रहा था. इस दौरान खरियो के समीप किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया. सिर पर गंभीर चोट लगने की वजह से उसकी मौत हो गयी. परिजनों को घटना की जानकारी देर रात दो बजे मिली. इसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी. जानकारी पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और कागजी कार्रवाई के बाद शव व बाइक को जब्त कर थाना लायी.

रेलवे लाइन निर्माण स्थल पर अपराधियों ने किया फायरिंग

संवाददाता ।लातेहार

जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र के बुकरू रेल साइट पर बाइक सवार अपराधियों ने गोलीबारी कर दी. यह घटना मंगलवार की शाम हुई है. जहां तीन की संख्या में आए अज्ञात अपराधियों ने शिवपुर टोरी थर्ड रेल लाइन निर्माण कार्य में लगी साईं कृपा कंपनी की हाइवा पर गोलीबारी की. हालांकि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ है. घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है.

- अमन साहू गैंग के मयंक ने ली जिम्मेदारी

अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह ने ली जिम्मेदारी : गोलीबारी की इस घटना की जिम्मेवारी अमन साहू गिरोह के मयंक ने ली है. मयंक ने सिंह सोशल मीडिया पर प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा है कि गोलीबारी की ये घटना बुकरू ओवरब्रिज के पास हुई. ये मेरे द्वारा कराया गया है. ये कान का पर्दा खोलने के लिए किया गया है. आज के बाद भी अगर जल्दी ही हमलोगों से सेटलमेंट नहीं होता है, तो लाशों का अंबार लगा देंगे...इकट्ठा करते रह जाओगे.

हत्या मामले में दामाद सहित 3 ने किया सरेंडर

दुमका । सास की हत्या मामले में दामाद सहित तीन लोगों ने मंगलवार को न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया. आत्मसमर्पण करने वालों में दामाद नईम अंसारी, चाचा ससुर करामत मियां और दूसरी पत्नी चुनकी खातून शामिल हैं. अदालत ने नईम अंसारी और चाचा ससुर करामत मियां को जेल भेज दिया. जबकि आधार कार्ड और प्राथमिकी में नाम में अंतर होने की वजह से महिला को पुलिस के सौंप दिया. बताया जाता है कि जिले के शिकारीपाड़ा के शिवतल्ला गांव में पिछले मंगलवार को दामाद को ससुराल समझाने गए थे.

लाखों की महुलान पत्ती लदी पिकअप वैन जब्त

लातेहार । जिले के गारू पूर्वी वन क्षेत्र के सीमाखास पुलिस पिकेट के पास से वन विभाग ने महुलान पत्ती लदी पिकअप वैन जब्त किया है. जब्त महुलान पत्ती की कीमत करीब एक लाख बतायी जा रही है. हालांकि वाहन चालक व सह चालक अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे. रेंजर उमेश कुमार दुबे ने बताया कि वन विभाग को गुप्त मिली थी कि पिकअप वैन से महुलान पत्ती ले जाया जा रहा है. सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पिकअप वैन को जब्त किया गया है. उन्होंने बताया कि वन विभाग मामले की छानबीन कर रही है.

बहरागोड़ा में कुल्हाड़ी से मार कर युवक की हत्या की

बहरागोड़ा । बरसोल थाना क्षेत्र के पुरुलिया पंचायत अंतर्गत पथरघाटा गांव में लखींद्र मुंडा नामक व्यक्ति ने सबेरे आग सेंक रहे रइदा मुंडा (46 वर्ष) की कुल्हाड़ी से मार कर हत्या कर दी. वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा ले गई. वहां से उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया. उधर, पुलिस हत्या के आरोपी को हिरासत में लेकर जांच-पड़ताल कर रही है. हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी को जब्त कर लिया है.

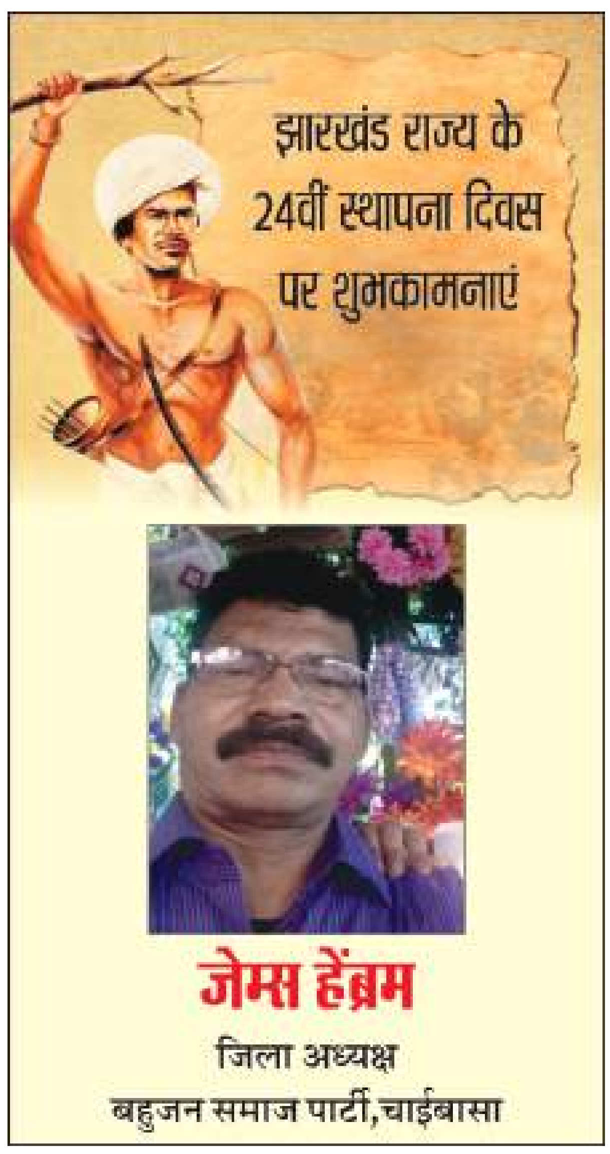

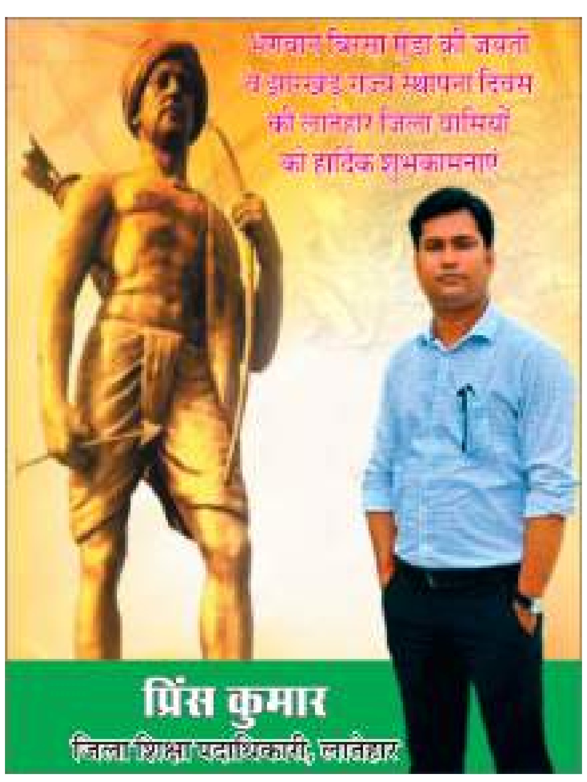

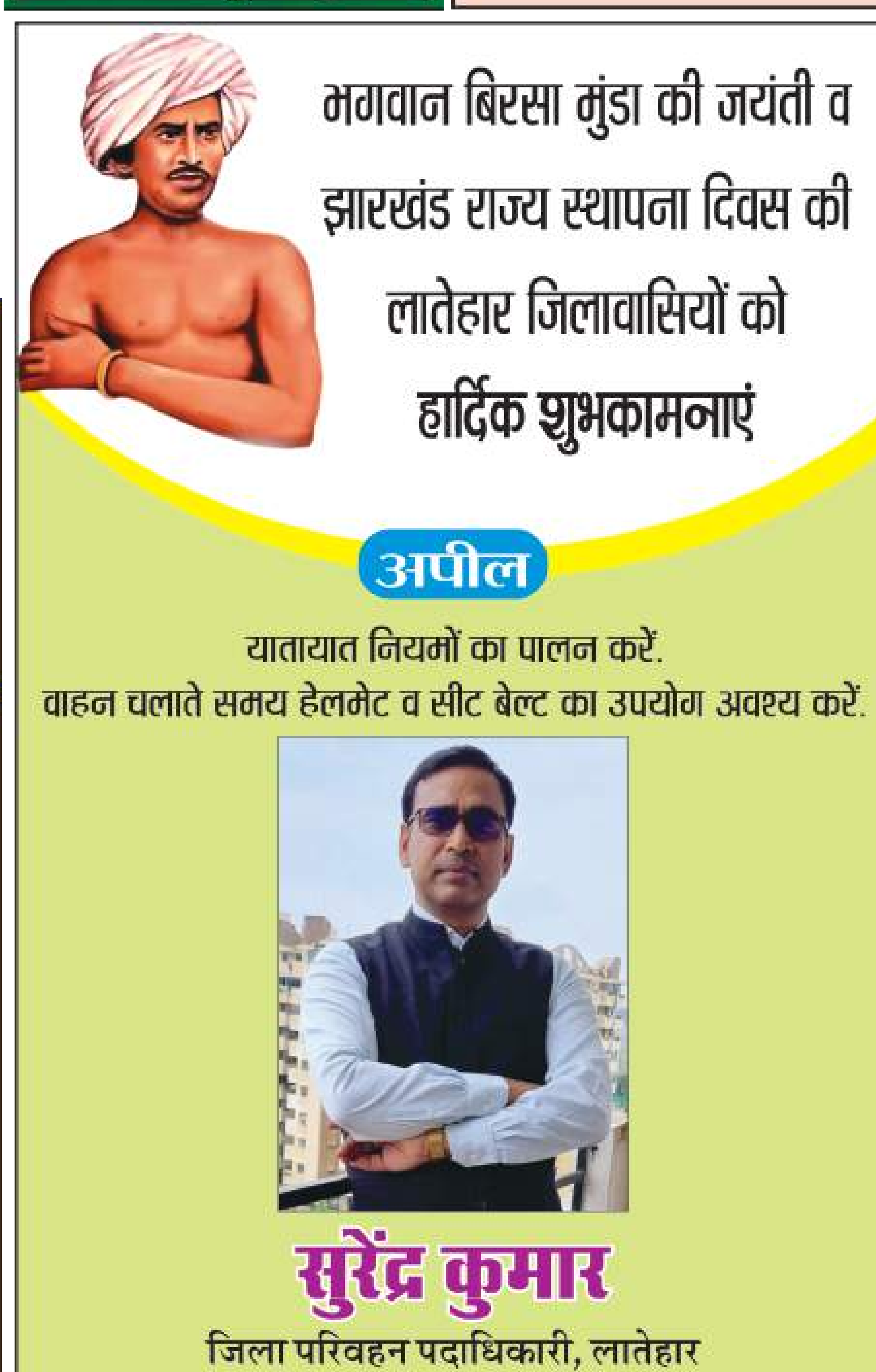

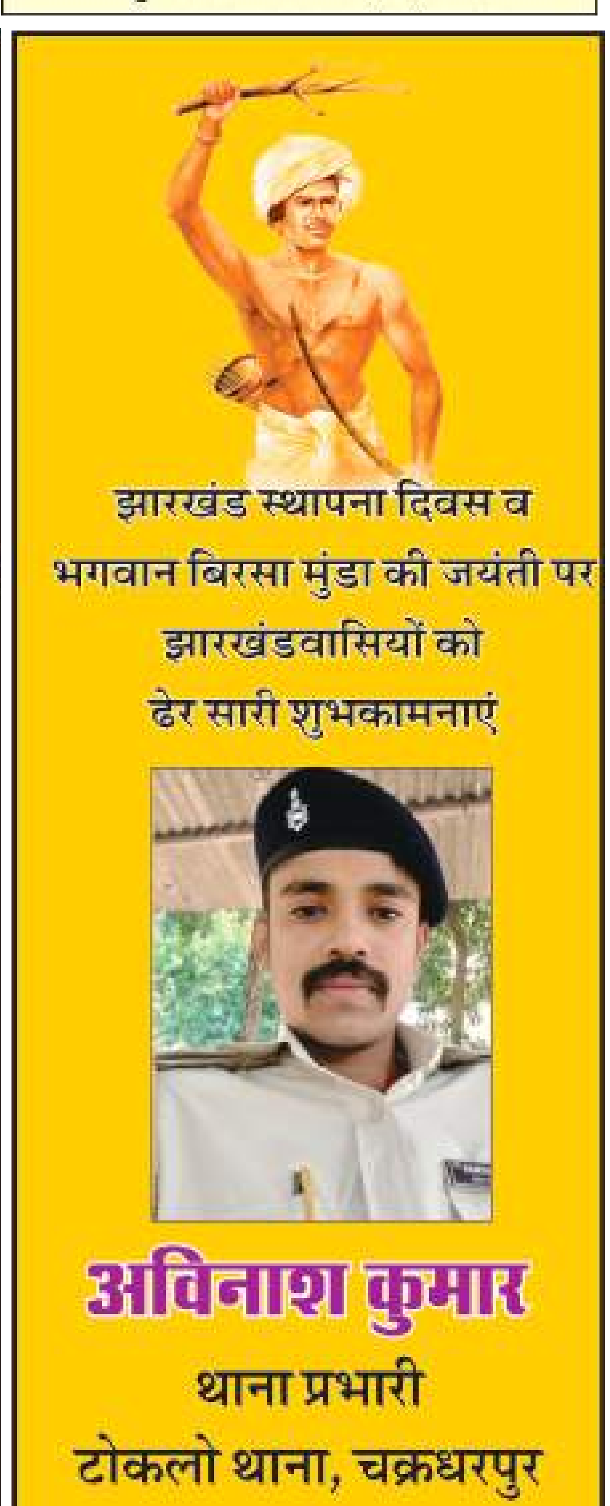

न्यूज अपडेट

कार्यक्रम को लेकर विधायक ने की बैठक

चांडिल। राज्य सरकार की ओर से चलाई जाने वाली 'आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम पंचायत स्तर पर चलाया जाएगा. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को सरकार की लाभकारी योजनाओं का लाभ सुलभ रूप से पहुंचाना है. एक ही स्थान पर सभी विभागों से संबंधित कार्यों का त्वरित निष्पादन और योजनाओं की स्वीकृति मिलने से जनता को लाभ मिलेगा. इसलिए पंचायत स्तर पर लगने वाले शिविरों में सभी विभाग अपना-अपना स्टॉल लगाना सुनिश्चित करे. यह बातें ईचागढ की विधायक सविता महतो ने कही. वे मंगलवार को अनुमंडल मुख्यालय में पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहीं थी.

नगर कांग्रेस कमेटी ने नेहरू को किया याद

सिंदरी। देश के प्रथम प्रधानमंत्री भारत रत्न पंडित जवाहरलाल नेहरू की 134वीं जयंती सिंदरी नगर कांग्रेस कमेटी के द्वारा इंटक कार्यालय में धूमधाम से मंगलवार को मनाई गई. शिक्षक विश्वनाथ प्रसाद सिंह व नरेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि चाचा नेहरू का व्यक्तिगत जीवन बेहद गरिमापूर्ण था. उनकी स्कूली शिक्षा हैरो से हई, जबकि कॉलेज की शिक्षा ट्रीनिटी कॉलेज, कैंब्रिज लंदन से पूरी हुई. सिंदरी नगर अध्यक्ष अजय कुमार ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को संविधान में शामिल करने तथा प्रधानमंत्री के रूप में उसको विकसित करने में नेहरू का महत्वपूर्ण योगदान है.

कांग्रेस ने प्रथम प्रधानमंत्री को दी श्रद्धांजलि

धनबाद। जिले के कांग्रेसियों ने मंगलवार को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की जयंती श्रद्धा के साथ मनाई. पार्टी के जिला कार्यालय में आयोजित मुख्य समारोह में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पंडित नेहरू की तस्वीर पर फूल-माला चढ़ाकर नमन किया.

खोने की सूचना

मैं, मनोज कुमार पुत्र श्री जगदीश सिंह, पता - कोपरेटिव कॉलोनी, पो. कोयला नगर, थाना - सरायढेला, धनबाद, दिनांक 11.11.2023 को फोटो कॉपी कराने के क्रम में अपना फ्लैट का मूल डीड नं. 3134/2545, दिनांक 10.05.2014 को कहीं खो दिया हूं। इसकी सूचना सरायढेला थाना को ऑनलाइन F I R नं. 425016 दिनांक 11.11.23 द्वारा दे दी गई है।

वासुदेव आचार्या को दी गई श्रद्धांजलि

बेरमो। माकपा गोमिया लोकल कमेटी ने स्वांग, स्थित पार्टी कार्यालय में माकपा के पूर्व केंद्रीय कमेटी सदस्य सह पूर्व सांसद कामरेड बासुदेव आचार्या को श्रद्धांजलि अर्पित की. श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित माकपा के राज्य सचिव मंडल सदस्य रामचंद्र ठाकुर, माकपा के बोकारो जिला सचिव भागीरथ शर्मा, राज्य कमेटी सदस्य श्याम सुंदर महतो, जिला सचिव मंडल सदस्य प्रदीप कुमार विश्वास के अलावा कई लोग मुख्य रूप से शामिल रहे.

एएसए ने कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के खिलाफ किया प्रदर्शन

गिरफ्तारी के विरोध में रोड जाम

संवाददाता। जमशेदपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की झारखंड यात्रा के दौरान आत्मदाह की धमकी देने वाले आदिवासी सेंगेल अभियान (एएसए) के चार कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. इधर, गिरफ्तारी के विरोध में मंगलवार की शाम आदिवासी सेंगेल अभियान के कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए और करनडीह में टाटा-हाता मुख्य मार्ग को जाम कर दिया. इस दौरान करीब एक घंटे तक आवागमन बाधित रहा. सड़क जाम होने से काफी संख्या में लोग परेशान रहे. सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और उन्हें समझाने का प्रयास किया. काफी देर तक मान-मनौव्वल (वार्ता) के बाद लोग सड़क से हटे. वार्ता करने के लिए परसुडीह थाना प्रभारी राम कुमार वर्मा और जुगसलाई नगर परिषद् के कार्यपालक पदाधिकारी मौजूद थे.

जन आंदोलन करने के लिए होंगे बाध्य : दिशोम परगना सोनाराम सोरेन ने बताया कि प्रधानमंत्री उलीहातू में घोषणा नहीं करते है तो आदिवासी सेंगेल अभियान जन आंदोलन करने को बाध्य हो जाएगा.

महिला मोर्चा की कोल्हान अध्यक्ष ने दी धमकी

आदिवासी सेंगेल अभियान के चार कार्यकर्ताओं ने घोषणा की थी कि प्रधानमंत्री के झारखंड यात्रा के दौरान आदिवासियों के लिए सरना कोड को मान्यता देने की घोषणा नहीं करते हैं, तो वे भगवान बिरसा मुंडा के गांव उलिहातू में जाकर आत्मदाह कर लेंगे. इसे बाद चंद्र मोहन मार्डी, पृथ्वी मुर्मू, विक्रम हेंब्रम और कान्हूराम टुडू को गिरफ्तार कर लिया गया.

झारखंड को विशेष राज्य का दर्जा दें पीएम : विजय शंकर

संवाददाता। रांची

झारखंड बचाओ मोर्चा के वरिष्ठ नेता सह आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने प्रधानमंत्री से कई मांगे की हैं. उन्होंने कहा की संविधान के के तहत 12 राज्यों को विशेष राज्य का दर्जा दिया गया है, मगर झारखंड राज्य को विशेष दर्जा आज तक नहीं दिया गया. जबकि झारखंड विशेष राज्य का दर्जा पाने की जो अहर्ता रखी गई है उको पूरा करता है. ऐसे में प्रधानमंत्री से हम मांग करते हैं कि वह राज्य स्थापना दिवस एवं भगवान बिरसा के जन्मदिन को ऐतिहासिक बनाने की दिशा में झारखंड को विशेष राज्य का दर्जा देने की घोषणा करें.

'लड़ाई को एक तार्किक अंत तक ले जाएंगे'

आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने यह भी कहा कि विशेष राज्य की लड़ाई को एक तार्किक अंत तक ले जाएंगे. रघुराम राजन समिति की रिपोर्ट में झारखंड को देश का पांचवां सबसे गरीब राज्य बताया गया है. अब विशेष राज्य के दर्जे की मांग पर टालमटोल की राजनीति से ऊपर उठकर, सभी पार्टियों को एकजुट होना चाहिए.

भाजपा को जिताने के लिए कमर कस लें : लक्ष्मण सिंह

संवाददाता। धनवार

मंगलवार को भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक बरजो स्थित भाजपा कार्यालय में पूर्व आईजी सह वरिष्ठ भाजपा नेता लक्ष्मण प्रसाद सिंह के नेतृत्व में हुई. इस दौरान कार्यकर्ताओं को जनसंपर्क कर पार्टी को मजबूत करने को कहा गया. सिंह ने जनसंपर्क कर भाजपा को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की अपील की. उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में भाजपा को भारी जीत दिलाने के लिए कार्यकर्ता कमर कस लें. साथ ही लोगों से संपर्क करें. इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने क्षेत्र की समस्या रखी. इस पर सिंह ने समस्याओं के समाधान का भरोसा भी दिया. मौके पर पवन सिंह, अशोक राय, सुनील अग्रवाल, श्रीकांत राय, उदय सिंह, सोहन यादव, रामेश्वर साहू सहित कई लोग मौजूद थे.

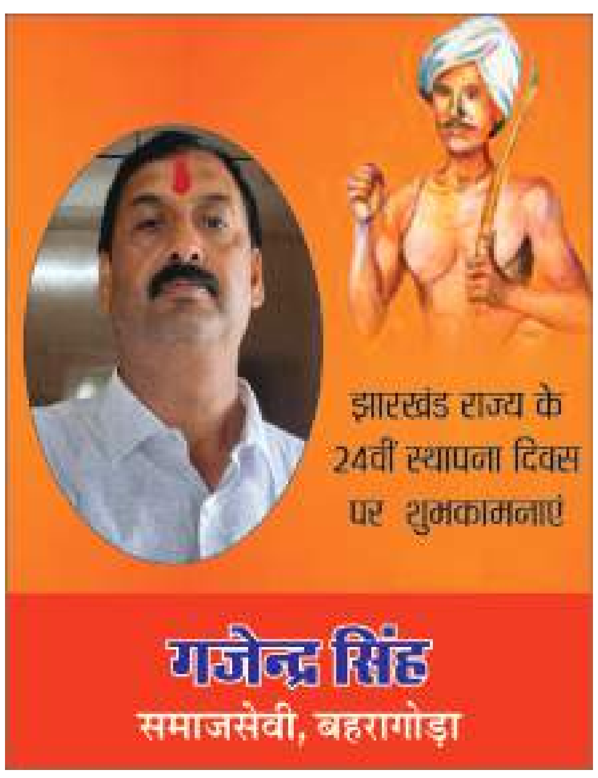

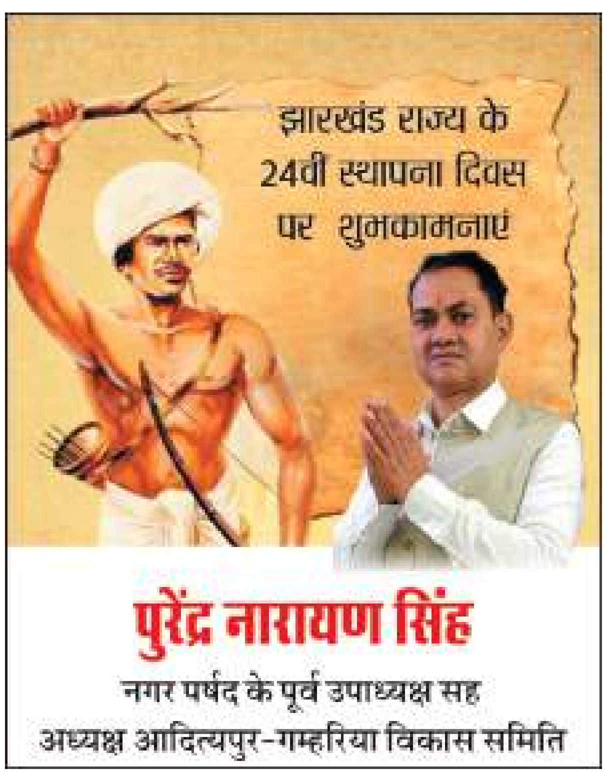

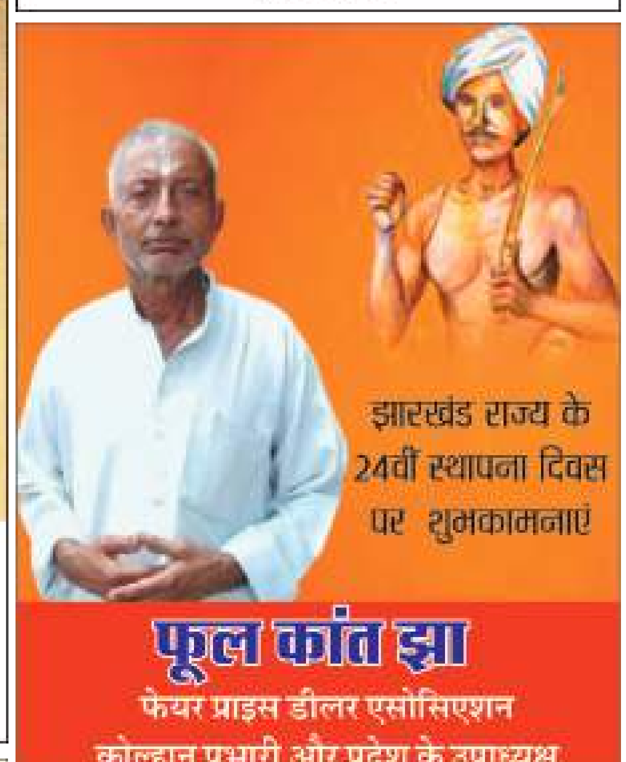

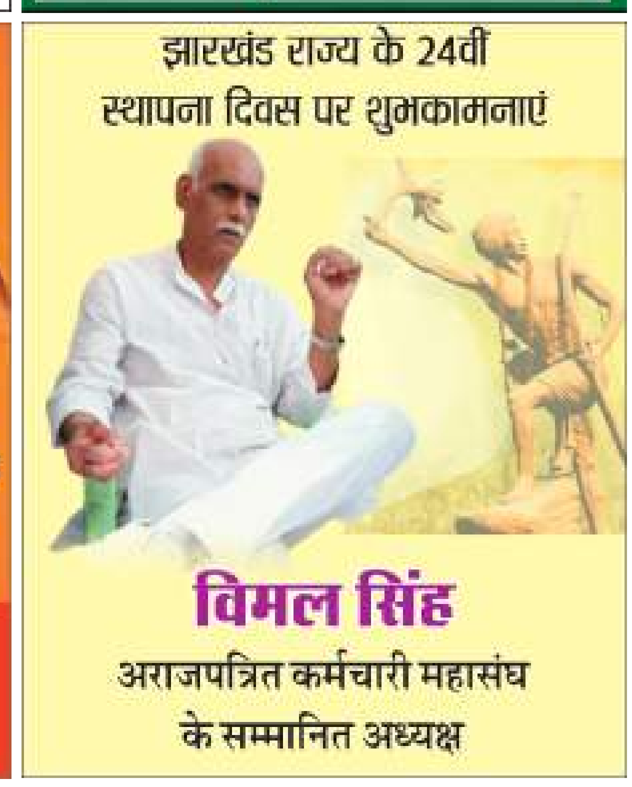

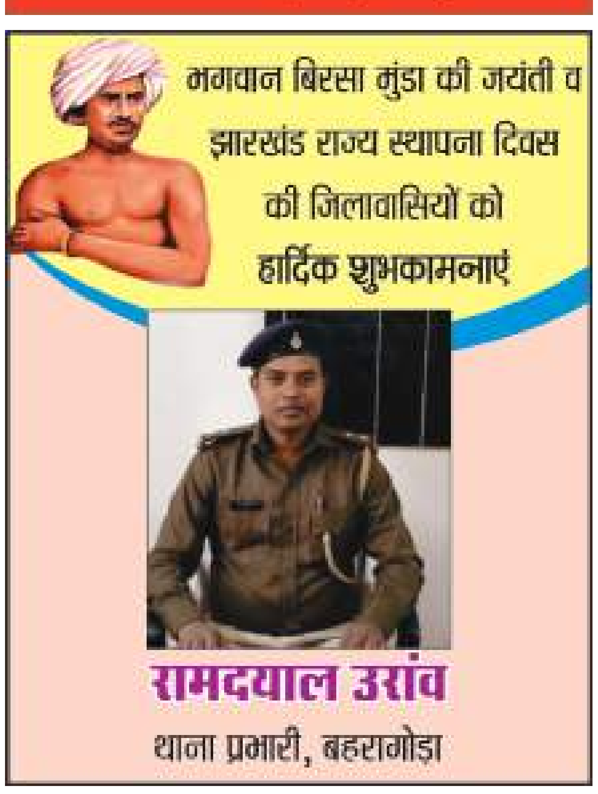

- साल 2000 में बिहार से अलग हो कर झारखंड भारत का 28वां राज्य बना
- संसद द्वारा बिहार पुनर्गठन अधिनियम 2000 पारित किया गया था
- 15 नवंबर को स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती होती है, इसी दिन राज्य का गठन हुआ

झारखंड का जनजातीय समुदाय अपनी एक अलग पहचान चाहता था. लोगों की मांग थी कि झारखंड राज्य का गठन हो. इसे ध्यान में रखते हुए संसद द्वारा बिहार पुनर्गठन अधिनियम, 2000 पारित किया गया. पारित करने के बाद झारखंड को साल 2000 में बिहार से अलग कर भारत का 28वां राज्य बनाया गया. झारखंड राज्य के गठन को चिह्नित करने के लिए हर साल आज ही के दिन 15 नवंबर को झारखंड स्थापना दिवस मनाया जाता है. इसी दिन आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती होती है. इससे यह दिन झारखंड के लिए और खास हो जाता है.आज झारखंड स्थापना दिवस मना रहा है.युवा रोजगार को लेकर तो कारोबारी कारोबार को लेकर सरकार से कुशल नेतृत्व और नीति की उम्मीद करती है. स्थापना दिवस को लेकर प्रदेश के मुखिया से लेकर आमजनों में उत्साह है.लोगों को सरकार से उम्मीद होती है कि ऐसे शुभ अवसर पर ऐसी सौगात मिले जिससे भविष्य बेहतर हो. जाहिर है इसके लिए प्रदेश की हेमंत सोरेन सरकार ने भी कई योजनाएं बनाई हैं, जिसका फायदा आनेवाले दिनों में लोगों को मिलेगा. वैसे बीते सालों में सरकार द्वारा कई योजनाएं बनाई गईं. इसमें कई धरातल पर उतरी और लोग लाभान्वित भी हुए. लेकिन कुछ ऐसे भी रहे, जो पूरे नहीं हो सके.लेकिन सरकार अब भी अपने वादों पर कायम है. कोशिश है कि जल्द से जल्द योजनाओं को पूरा किया जाए और जनता की उम्मीदों पर खरा उतरा जाए. पेश है 23 में प्रदेश में हुए विकास कार्य की रिपोर्ट...

जो कार्य हैं अधूरे वो जल्द होंगे पूरे

चक्रधरपुर के बोड़दा पुल के समीप बन रहा जेल

चक्रधरपुर: चक्रधरपुर को जिला बनाने का इंतजार कर रहे हैं लोग

झारखंड अलग राज्य बने 23 साल हो चुके हैं. जब झारखंड अलग का गठन हुआ था, तभी लोगों में आस जगी थी कि चक्रधरपुर को अलग जिला बनाया जाएगा, लेकिन अब तक यह संभव नहीं हो पाया है. विभिन्न राजनीतिक दल के नेताओं व जनप्रतिनिधियों द्वारा चक्रधरपुर को जिला बनाये जाने की घोषणा की गई है. चक्रधरपुर जिला मुख्यालय बन जाने से पोड़ाहाट अनुमंडल चक्रधरपुर के अलावे बंदगांव, मनोहरपुर, आनंदपुर, सोनुवा, गोईलकेरा, गुदड़ी प्रखंड के लोगों को लाभ पहुंचेगा. जिला संबंधित कामकाज के लिए बंदगांव प्रखंड से लगभग 70 से 80 किमी लंबी दूरी तय कर क्षेत्र के लोगों को चाईबासा जिला मुख्यालय जाना पड़ता है. वहीं चक्रधरपुर के आसनतालिया में पोड़ाहाट एसडीजेएम कोर्ट भवन और आवास चार साल से बन कर तैयार है, लेकिन इसका उद्घाटन अब तक नहीं हो पाया है. वर्ष 2019 में ही एसडीजेएम कोर्ट भवन बन कर तैयार हो गया था, लेकिन उद्घाटन नहीं होने के कारण पोड़ाहाट एसडीजेएम कोर्ट जिला मुख्यालय चाईबासा में चल रहा है. जिस कारण पोड़ाहाट अनुमंडल क्षेत्र के लोगों को लंबी दूरी तय कर चाईबासा जिला मुख्यालय जाना पड़ता है. बताया जाता है कि एसडीजेएम कोर्ट भवन 20 करोड़ तथा आवास 18 करोड़ की लागत से निर्मित हुआ है, चार साल से इसका सही तरीके से देखभाल नहीं होने से खिड़की और दरवाजे टूटने भी टूटने लगे हैं. पंचायत चुनाव के वक्त मतगणना के लिए इसका इस्तेमाल किया गया था. इसके बाद से इसकी देखरेख नहीं की जा रही है. इधर चक्रधरपुर में चाईबासा-चक्रधरपुर मुख्य मार्ग के बोड़दा पुल के समीप 325 कैदियों का उपकारा जेल का निर्माण कार्य भी लगभग पूर्ण हो चुका है. जेल निर्माण कार्य को अंतिम रुप दिया जा रहा है, लेकिन निर्माण के बाद इसके उद्घाटन में भी समय लगा दिया जाएं, इसका डर लोगों का सता रहा है. जेल का निर्माण वर्ष 2010 में प्रारंभ हुआ था. कई बार कार्य को अधूरा में छोड़ दिया गया था. इसके बाद पिछले दो साल से काम में तेजी लायी गई है. जेल निर्माण में इस पर लगभग 25 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं. जेल को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है. इस जेल को 300 पुरुष और 25 महिला कैदियों के लिए बनाया गया है. वहीं जेल के भीतर अस्पताल, लाईब्रेरी के अलावे कैदियों को काम सिखाने के लिए अलग से बैरक का निर्माण हुआ है. साथ ही प्रशासनिक भवन, वीडियो कांफ्रेंसिंग हाल सहित अन्य सुविधाओं से लैस जेल बनाया गया है. लोगों को उम्मीद है कि पोड़ाहाट एसडीजेएम कोर्ट भवन व जेल के उद्घाटन के बाद संभवतः चक्रधरपुर को जिला बनाया जाएं.

किरीबुरु: 23 वर्षों बाद भी सारंडा के गांवों का अपेक्षाकृत विकास नहीं हुआ

बंकर-करमपदा सड़क

झारखंड अलग राज्य का गठन के 23 वर्षों बाद भी सारंडा के गांवों का अपेक्षाकृत विकास नहीं हुआ. सारंडा के गांवों व गरीब जनता के लिये सबसे अच्छा कार्य हुआ भी है तो वह है, प्रायः गरीबों का राशन कार्ड एवं जरुरतमंदों का पेंशन योजना का लाभ मिलना. इसके अलावे सारंडा के दर्जनों गांवों को पीएमजीएसवाई योजना के तहत पंचायत व जिला मुख्यालय से जोड़ना शामिल है. लेकिन यह सारी सड़कें भारी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है. सारंडा के दर्जनों गांवों में बिजली सुविधा उपलब्ध कराया गया है वहीं दर्जनों गांव आज भी बिजली से वंचित है. सारंडा के किरीबुरु पूर्वी एवं पश्चिमी तथा मेघाहातुबुरु उत्तरी एवं दक्षिणी पंचायत का पंचायत भवन आज तक नहीं बन सका है. सेल का लिज क्षेत्र या रिजर्व वन क्षेत्र होने की वजह से ग्राम सभा से पास योजनाएं भी एनओसी नहीं मिलने से धरातल पर नहीं उतरती. सारंडा में सरकारी स्वास्थ्य एवं एम्बुलेंस की सुविधाएं आज तक बहाल नहीं हो सकी है. प्रायः गांव शुद्ध पेयजल सुविधा से वंचित है. ग्रामीण आज भी शौचालय से वंचित हैं. सरकारी स्कूलें शिक्षक-शिक्षिकाओं की भारी कमी का दंश झेल रही है. 10 वन ग्रामों को आज तक राजस्व ग्राम का दर्जा नहीं मिला. दर्जनों इन्क्रोचमेंट गांवों को वनाधिकार का पट्टा नहीं मिला. सारंडा को पर्यटन स्थल के रुप में विकसित करने का कार्य नहीं हुआ. वन आधारित उद्योग नहीं लगा, बंद पडी.खादानें नहीं खुलने से बेरोजगारी चरम पर है. सारंडा में यातायात की सुविधा आज तक उपलब्ध नहीं है. एक भी कॉलेज यहां नहीं है. कुछ स्कूलों का सौन्दर्यीकरण, विकास व पेयजल सुविधा उपलब्ध कराया गया. वन उत्पादों के लिये क्रय-विक्रय केन्द्र आज तक नहीं खोला गया.

हजारीबाग: झारखंड अलग हुआ लेकिन नहीं बदली सूर्यकुंड की सूरत

धार्मिक पर्यटन स्थल सूर्यकुंड धाम

ऐतिहासिक धार्मिक पर्यटन स्थल सूर्यकुंड धाम परिसर में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति के नाम पर लाखों रुपए की निकासी की गई, लेकिन स्वच्छ पेयजल आपूर्ति संकट कि स्थिति आजतक बनी हुई है. इस संदर्भ में पूर्व सूर्यकुंड मेला ठेकेदार व स्थानीय पंडा अजीत कुमार पाण्डेय बताते हैं कि सूर्यकुंड परिसर में पेयजल आपूर्ति के नाम पर सरकार के राशि का दुरुपयोग किया गया है. आज तक धाम परिसर में ठंडे पानी का आपूर्ति नहीं हो पाना सरकार के बाबूओं एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के उदासीन रवैये का परिणाम है. जिसके चलते स्थानीय लोगों एवं भारत के अन्य प्रदेशों से आने वाले पर्यटकों को स्वच्छ पेयजल समस्या से जूझना पडता है. बताते चलें कि प्रखंड क्षेत्र के साथ हजारीबाग जिला क्षेत्र का एकमात्र ऊष्णतम कुंडों में से एक सूर्यकुंड धाम परिसर में पेयजल आपूर्ति करने के लिए स्थानीय विधायक अमित कुमार यादव के सौजन्य से कूप का निर्माण किया गया था, लेकिन ये कूप भी पर्यटकों का प्यास बुझाने में नाकामयाब रहा. आजादी के इतने वर्षों बाद भी पर्यटक पेयजल संकट से जूझ रहे हैं. जो सोचनीय है. इस पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जाना चाहिए.

चांडिल: राज्य गठन के बाद हुए विकास के कई काम, कुछ अब भी अधूरे

अधूरा पड़ा अनुमंडलीय अस्पताल भवन | अनुमंडलीय न्यायालय भवन, चांडिल

बिहार से अलग होकर झारखंड अलग राज्य बने 23 साल हो चुके हैं. राज्य के निवासी 24वां स्थापना दिवस मना रहे हैं. अलग राज्य स्थापना के बाद विकास के कई ऐतिहासिक काम हुए हैं, जिससे आम लोगों को सहुलियत हो रही है. वहीं कुछ काम अब भी अधर में लटके हुए है, जिसका लाभ लोगों को नहीं मिल रहा है. झारखंड प्रदेश में जिला, अनुमंडल, प्रखंड के साथ गांव स्तर पर विकास का काम हुआ है. लोगों को अब अपने काम के लिए दूर नहीं जाना पड़ता है. आवागमन की सुविधा बढ़ी है. अगल राज्य बनने के बाद पुल, पुलिया व सड़क बनाने का काम तेजी से किया गया. गांव-गांव तक सड़कें पहुंची. बरसात के मौसम में ईचागढ़ प्रखंड के करकरी और सुवर्णरेखा नदी के बीच बसे गांव टापु बन जाता था. लोगों को आवागमन ठप पड़ जाता था. अब पुल-पुलिया बनने से सभी मौसम में लोग आराम से आवागमन कर रहे हैं. गांव-गांव तक वाहन पहुंच रहे हैं.

झारखंड अलग राज्य बनने के बाद सरायकेला-खरसावां अलग जिला बना. इसके बाद चांडिल को अनुमंडल का दर्जा मिला. वहीं अनुमंडल क्षेत्र में कुकडू को अलग प्रखंड बनाया गया. अनुमंडल बनने के बाद सिविल कोर्ट भी चांडिल में बना. कार्यालयों के बनने से लोगों को अपने काम कराने में अधिक सहुलियत होने लगी. काम के सिलसिले में लोगों को अब चाईबासा व सरायकेला के चक्कर नहीं लगाने पड़ते हैं. शिक्षा के क्षेत्र में चांडिल में पॉलिटेक्निक कॉलेज और आईटीआई खोले गए. विद्यालयों को अपग्रेड कर मध्य व उच्च विद्यालयों में तब्दील किया गया. कई उच्च विद्यालयों को प्लस टू में बदला गया. इससे लोगों की परेशानी घटी है. लेकिन, ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र अब भी एक ही डिग्री कॉलेज के भरोसे है. वहीं अब भी ग्रामांचलों में कहीं-कहीं मूलभूत सुविधाओं का अभाव दिखाई देता है. जनप्रतिनिधियों को कमी-खामियों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है.

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्था का बुरा हाल है. अलग झारखंड राज्य बनने के बाद चांडिल प्रखंड के गांगुडीह में अनुमंडलीय अस्पताल का निर्माण शुरू किया गया था, जो अब भी अधर में लटका हुआ है. राज्य गठन के बाद सैकड़ों की संख्या में स्वास्थ्य उपकेंद्र बनाए गए, इनमें कईयों पर अब भी ताले लटक रहे हैं. बगैर उपयोग के भवन अब खंडहर बनते जा रहे हैं. चिकित्सक व स्वास्थ्यकर्मियों के कमी के कारण कई भवन तो खुलते भी नहीं हैं. झारखंड अलग राज्य गठन के बाद चांडिल डैम में बन रहे हाइडल प्रोजेक्ट का काम भी अधर में लटक गया है. करोड़ों खर्च करने के बाद भी आठ मेगावाट बिजली उत्पादन के लिए निर्माणाधीन हाईडल प्रोजेक्ट का लाभ लोगों को नहीं मिल पा रहा है. वैसे चांडिल का अनुमंडल कार्यालय भवन का काम भी अबतक पूरा नहीं हो सका है. सुवर्णरेखा बहुद्देशीय परियोजना चांडिल डैम के विस्थापितों की समस्या भी जस की तस बनी हुई है.

बहरागोड़ा: सौंदर्यीकरण के लिए योजनाएं तो लागू की गईं, लेकिन पूर्णतः पूरी नहीं हो पाई

बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के बहुलिया पंचायत अंतर्गत अवस्थित पौराणिक शिव मंदिर चित्रेश्वर में पर्यटन स्थल के आधार पर सरकार के तरफ से कई सारे सौंदर्यीकरण के लिए योजनाएं लागू की गई, लेकिन पूर्णतः पूरी नहीं हो पाई है. मंदिर के प्रांगण में स्थित तालाब का पक्कीकरण तो हुआ लेकिन गंदगी के निपटान के लिए कोई व्यवस्था नहीं किया गया. झारखंड राज्य का 23 साल बीत जाने के बावजूद मदन सोल चौक तथा कालियाडींगा चौक में बड़े-बड़े प्रवेश द्वार तो बनाए गए लेकिन सड़क चौड़ीकरण से लेकर सड़क निर्माण पर अभी तक कोई पहल नहीं हुआ. महिम मदन सोल अवस्थित प्रवेश द्वार से लेकर मंदिर तक लगभग 500 मी की जर्जर सड़क का भी निर्माण नहीं हो पाया. जिससे पश्चिम बंगाल, उड़ीसा तथा झारखंड राज्य से प्रत्येक दिन आने वाले सैकड़ो श्रद्धालुओं को इसी सड़क से होकर गुजरना पड़ रहा है. पहले से अवस्थित जर्जर प्रवेश द्वार का पुनः निर्माण तो किया गया लेकिन उसमें लगे बंबू को अधर में लटका हुआ छोड़ दिया गया. जो कि किसी बड़े दुर्घटना को आमंत्रित कर रहा है. प्रवेश द्वार में लिखे नेम प्लेट अधूरा लिखकर छोड़ दिया गया.

धनबाद: पिछले 23 साल में धनबाद जिले में अधूरे रह गए कई विकास कार्य

झारखंड के 23 साल के सफर में धनबाद जिले में विकास का कार्य अधूरा ही रहा है. शुरुआत के 14 साल में योजनाओं का बंटाधार ही हुआ. एक भी योजना जिले में धरताल पर नजर नहीं आई. सड़क, बिजली, पानी, इंदरा आवास, सामुदायिक भवन, स्वास्थ्य, शिक्षा,कृषि, प्रदूषण और सफाई की स्थिति बदहाल बनी रही. यानी अलग राज्य में अलग कुछ नहीं दिखा, आम आदमी को नेताओं से सिर्फ आश्वासन मिला और कुछ नहीं. लेकिन विगत 9 साल में जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में कई नए शुरुआत हुई है, जिसमें कुछ धरातल पर उतरी है और कुछ बाकी भी रह गई है. सिर्फ शहरी क्षेत्र की बात करें तो कोयलांचल को अपना विश्वविद्यालय मिला है, स्वास्थ्य के क्षेत्र में शाहिद निर्मल महतो अस्पताल के अलावा सदर अस्पताल, अटल क्लीनिक, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, उप स्वास्थ्य केंद्र की सुविधाएं बढ़ी है. झरिया- धनबाद, गोविंदपुर- धनबाद, सीटी सेंटर से बरवअड्डा सड़क का चौड़ीकरण हुआ है. कई वार्डो में पार्क का निर्माण हुआ है. श्मशान, कब्रिस्तान की व्यवस्था बदली है. मुख्य सड़क से लेकर गली मुहल्लो में स्ट्रीट लाइट की संख्या बढ़ी, स्वच्छता कार्य में भी सुधार आया है. लेकिन सड़क जाम, फ्लाईओवर, आरोबी का काम आज भी अधूरा है. उच्च शिक्षा और गंभीर बीमारी के इलाज का प्रबंध अभी तक नहीं हो पाया है. ट्रांसपोर्ट सिस्टम और प्रदूषण के रोकथाम के उपाय भी अभी तक दुरुस्त नहीं हो पाया है. पेयजल संकट भी बरकरार है, शहरी आबादी को अभी भी पाइप लाइन से सिर्फ एक वक्त का पानी मिलता है.

शहर के साथ ही बढ़ी गांव की कनेक्टिविटी

जिले के ग्रामीण क्षेत्र में शहर के साथ कनेक्टिविटी बढ़ी है. गांव की सड़के पहले से काफी अच्छी हो गई है. बिजली भी अब करीब करीब सभी गांव तक पहुंच चुकी है. प्रखंड और पंचायत स्तर पर स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सुधार हुआ है. जेएसएलपी एस के माध्यम ग्रामीण महिलाएं अब आत्मनिर्भर बन रही है, खुद का स्वरोजगार कर घर की आय बढ़ा रही है. लेकिन ग्रामीण इलाकों की सबसे बड़ी समस्या सिंचाई की है, जिसका प्रबंध आज तक नहीं हो पाया है. 2 हजार करोड़ की जलापूर्ति योजना भी अधूरी है. झरिया, बाघमारा, निरसा, टुंडी, पूर्वी टुंडी, बलियापुर, तोपचांची, गोविंदपुर प्रखंड के लोग गर्मी के दिनों में पीने के पानी के लिए भटकने के लिए विवश हैं.

बेरमो: सड़क और पेयजल की समस्या से मिली है राहत

बेरमो अनुमंडल क्षेत्र में सड़क निर्माण की गति बढ़ी है. मुख्य सड़क से ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों का जोड़ने का काम हुआ है. यह बात अलग है कि अभी और भी सुदूरवर्ती गांव हैं, जहां के ग्रामीणों के लिए सड़क और पुल की आवश्यकता है. लेकिन उस दिशा में भी कार्य गति पर है. गोमिया विधानसभा क्षेत्र में एक अरब 31 करोड़ रुपये की लागत से पेयजल आपूर्ति की योजना का काम चल रहा है. कसमार प्रखंड में 116 करोड़, पेटरवार में 18 करोड़ और गोमिया में एक सौ करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत है, जिससे प्रखंड के विभिन्न गांव में पेयजल आपूर्ति किया जाना है. वहीं फुसरो नगर परिषद क्षेत्र में वर्षों से लंबित पेयजल आपूर्ति चालू कर दी गई है. गोमिया प्रखंड के उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र में लगभग 33 करोड़ की लागत से सड़क और पुलिया का निर्माण किया जा रहा है. चतरोचट्टी क्षेत्र के 7 पंचायत को जोड़ने वाली सड़क को भी दुरुस्त कराते हुए इस सड़क को पीडब्ल्यूडी में परिवर्तित किया गया है. कसमार प्रखंड के लोगों को नेमरा के बरलंगा से बंगाल सीमा तक जोड़ने के लिए 176 करोड़ रुपये की राशि से सड़क निर्माण कराया जाना है. यह सड़क कसमार के चौड़ा पिड़गुल होकर बंगाल जाएगी. गोमिया प्रखंड कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आवासीय योजना के तहत 5 करोड़ रुपये की लागत से आवास का निर्माण कराया गया है. वहीं ललपनिया से बड़की पुन्नू तक 20 किलोमीटर की सड़क का निर्माण कार्य चल रहा है. उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र सियारी पंचायत के काशीटांड़ और बिरहोर डेरा गांव को मुख्य सड़क से जोड़ने के लिए बोकारो नदी में पुल का निर्माण कार्य शुरू हो गया है.

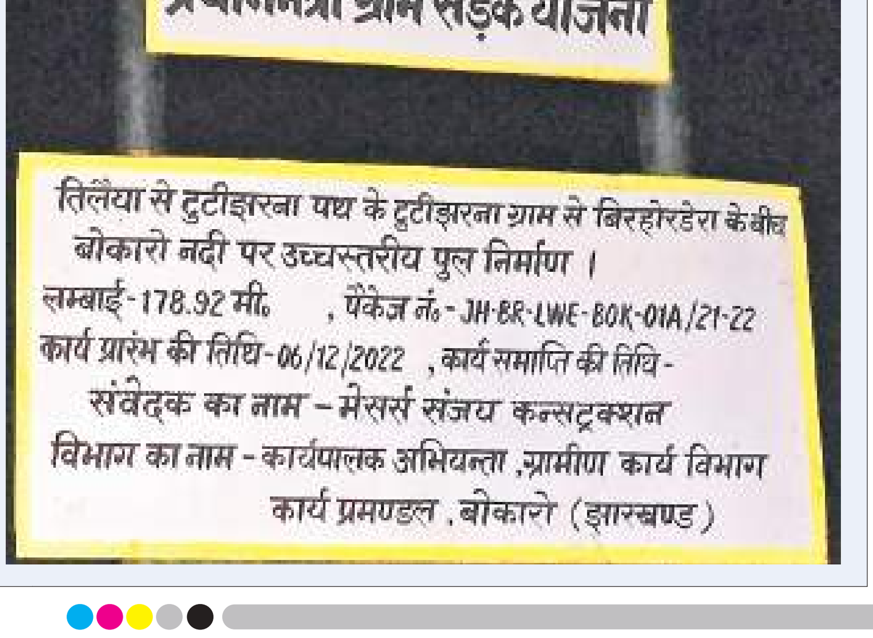

लातेहार: झारखंड बनने के बाद पुल-पुलिया का हुआ निर्माण

झारखंड बनने के बाद लातेहार जिला में पुल पुलिया का काफी विकास हुआ है. झारखंड निर्माण के पहले से ही लातेहार-बालूमाथ मार्ग पर अविस्थत तुबेद नदी पर पुल निर्माण कराने की मांग की जा रही थी. झारखंड निर्माण के बाद भी इस पुल का दो बार शिलान्यास कराया गया, लेकिन पुल का निर्माण नहीं हो पा रहा था. साल 2005-6 में बार तो उग्रवादियों ने पुल निर्माण कार्य में लगे मशीनों को जला दिया था. उसके बाद से इस पुल का निर्माण कार्य बंद था. बाद में साल 2020 में इस पुल का निर्माण कार्य पूरा किया गया. इस पुल का निर्माण हो जाने से लातेहार से बालूमाथ की दूरी 20 किलोमीटर कम होगी. पहले लातेहार से बालूमाथ भाया चंदवा जाने में तकरीबन 50 किलोमीटर है. जबकि तुबेद नदी पुल के बन जाने से लातेहार से बालुमाथ की दूरी मात्र 35 किलोमीटर रह गयी है. इस पुल के बनने से चतरा व हजारीबाग जाना आसान हो गया है. इसी प्रकार शहर के औरंगा नदी में पुल बन जाने से दर्जनों गांव लातेहार जिला मुख्यालय से जुड़ गये हैं. तत्कालीन उपायुक्त कमल किशोर सोन के व्यक्तिगत प्रयास से ही इस पुल का निर्माण कराया गया था. इस पुल बन जाने से जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्र व छात्राओं को काफी सहुलियत हो गयी. पुल का निर्माण होने से पहले इस विद्यालय के छात्र व अभिभावकों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता था. खास कर रात में बीमारी की स्थिति होने पर छात्र व छात्राओं को अस्पताल जाने में काफी परेशानी होती थी. वहीं झारखंड निर्माण होने के बाद लातेहार से नेतरहाट जाने में आसानी हो गयी है. लातेहार- नेतरहाट पथ में चौपत नदी व कोयल नदी में पुल बन जाने से लातेहार से नेतरहाट की दूरी मात्र 80 किलोमीटर रह गयी है. पहले लातेहार से नेतरहाट की दूरी तकरीबन 180 किलोमीटर थी. इन पुलों के बन जाने से नेतरहाट की दूरी लातेहार से 100 किलोमीटर कम हो गयी है.

औरंगा नदी पर बन रहा पुल

आदित्यपुर: बराज को 137 फीट तक लॉक कर पानी स्टोरेज की जाएगी : कुमार अरविंद

झारखंड राज्य गठन के बाद गम्हरिया प्रखंड में खरकई नदी पर सुवर्णरेखा बहुद्देश्यीय परियोजना के अंतर्गत बना गजिया बराज आज क्षेत्र के किसानों के साथ आदित्यपुर शहरी क्षेत्र के लोगों के लिए वरदान साबित हो रहा है. परियोजना के कार्यपालक अभियंता कुमार अरविंद बताते हैं कि गजिया बराज से इस वर्ष किन्हीं कारणों से दायीं केनाल में पानी नहीं छोड़ा जा सका है. लेकिन अगले वर्ष अच्छी वर्षा हुई तो केनाल से पानी छोड़ा जाएगा. जिससे 1000 हेक्टेयर जमीन सालों भर सिंचित होगी. बराज को 137 फीट तक लॉक कर पानी स्टोरेज की जाएगी. इससे 11 किलोमीटर तक केनाल में पानी छोड़ा जाएगा. बता दें कि आदित्यपुर के खरकई नदी पर बना गजिया बराज इस क्षेत्र के किसानों के सिंचाई के साथ शहरी क्षेत्र के लोगों को जलापूर्ति में भी सहयोग करेगा. इस वर्ष गजिया बराज का एफलेक्स बांध अधूरा था इसलिए इस वर्ष पानी नहीं रोका गया. पहली बार टेस्टिंग के तौर पर शून्य से 11 किलोमीटर तक (बासुड़दा गांव तक) बराज के दायीं केनाल में पानी छोड़ कर करीब 1000 हेक्टेयर जमीन सिंचित करने का लक्ष्य है. बता दें कि लिफ्ट सिंचाई के लिए साढ़े तीन एचपी का दो मोटर लगाया गया है इससे पानी लिफ्ट कर केनाल में छोड़ा जाएगा. वहीं बायीं केनाल जो कि पाइप लाइन योजना है इससे सीतारामपुर डैम तक पाइप लाइन के माध्यम से जलापूर्ति के लिए पानी पहुंचाने के साथ आसपास के 5000 हेक्टेयर भूमि को सिंचित किया जाएगा. जबकि आदित्यपुर नगर निगम की करीब 2 लाख की आबादी को 24 घंटे जलापूर्ति का लाभ मिलेगा.

जमशेदपुर: जुगसलाई फाटक पर आरओबी बनने से लोगों को मिली राहत

झारखंड सरकार और रेल प्रबंधन द्वारा जुगसलाई फाटक पर बनाया गया रेलवे ओवरब्रिज

सड़कें, पुल व अस्पताल का हुआ निर्माण

जुगसलाई फाटक पर रेलवे ओवरब्रिज बनने के पहले लगता था काफी जाम, लोग रहते थे परेशान

झारखंड सरकार और रेल प्रबंधन द्वारा जुगसलाई फाटक पर रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का निर्माण कराया गया है. इससे जुगसलाई, बागबेड़ा, राजनगर, हरहरगुट्टु और जिलिंगोड़ा क्षेत्र के करीब दो लाख आबादी को काफी सहूलियत मिली है. इससे पहले यहां फाटक बंद रहने से रोजाना जाम की स्थिति बनी रहती थी. लोग जान पर खेल कर फाटक पार कर आना-जाना करते थे, जिससे दुर्घटनाएं भी होती रहती थी. लोगों ने इस ब्रिज के निर्माण के लिए आंदोलन किया था. लोगों की मांगों को देखते हुए 16 नवंबर 2018 को रेलवे ओवरब्रिज का शिलान्यास हुआ. लगभग 44 करोड़ की लागत से बने इस ब्रिज का उद्घाटन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इसी वर्ष जनवरी में किया था. इसकी कुल लंबाई 843 मीटर है. ब्रिज के दोनों किनारों पर पैदल और साइकिल सवारों को चलने के लिए अलग ट्रैक बनाया गया है. ओवरब्रिज के शुरू होने के साथ दो पहिया और चार पहिया वाहनों के चालकों को काफी सहूलियत हो गई है. साथ ही लोगों को जाम से छुटकारा मिल गया है. लोगों की वर्षों पुरानी मांग पूरी हो जाने से लोग में खुशी का माहौल है.

जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र में कई सड़कों का निर्माण कराया गया है, जबकि कई योजनाओं को स्वीकृति मिली है. मखदुमपुर फाटक के पास वर्षों से कचरे का अंबार लगा रहता था. स्थानीय विधायक मंगल कालिंदी की पहल पर वहां अब शहीद खुदीराम बोस के नाम पर पार्क का निर्माण होने जा रहा है. यहां लोग मॉर्निंग व इवनिंग वॉक कर सकेंगे. आकर्षक गार्डन के साथ लोगों के बैठने के लिए कुर्सियों के अलावे झूले इत्यादि भी लगाए जायेंगे. वहीं, खासमहल से शीतला चौक, शंकरपुर, सरजामदा, राहड़गोड़ा, गदरा होते हुए गोविंदपुर तिलका माझी चौक तक जाने वाली सड़क का निर्माण भी जल्द शुरू होगा. छठ पूजा के बाद इसका शिलन्यास होगा. विधायक के अनुसार उन्होंने अपने क्षेत्र में काफी विकास कार्य किया है. सड़क, कॉलेज, स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कराया है. 228 करोड़ की लागत से पटमदा-बोड़ाम की जनता के लिए वाटर प्लांट का निर्माण किया जा रहा है. इससे 35 हजार लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा. उन्होंने बताया कि उनके कार्यकाल में जितने काम हुए हैं. उतने कार्य विगत 20 वर्षों में नहीं हुए. तीन वर्ष में उन्होंने अपने क्षेत्र के विकास पर विधायक निधि से 13 करोड़ रुपया खर्च किया.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष चंद्रमा नीच का है, विवाद को बढ़ावा नहीं दें. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं. दुष्टजनों से बचकर रहें. दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. अन्न दान करें.

वृषभ बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. भाग्य का साथ रहेगा. प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे. भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है. प्रसन्नता रहेगी.

मिथुन समय सामान्य है. आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है. महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें. वाणी पर नियंत्रण रखें. चिंता तथा तनाव बने रहेंगे. नौकरी में कार्यभार रहेगा. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा.

कर्क मानसिक अशांति होगी. शिक्षा में लापरवाही नुकसान देगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नया कार्य करने का मन बनेगा. निवेश शुभ रहेगा. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी. मित्र मिलेंगे.

सिंह किसी महिला से विवाद हो सकता है. व्यापार-व्यवसाय की कार्यप्रणाली में सुधार होगा. सामाजिक सेवा करने की प्रेरणा मिलेगी. मान-सम्मान मिलेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. चोट व रोग से बाधा की आशंका है.

कन्या पूजा-पाठ में मन लगेगा. कारोबार से लाभ में वृद्धि के योग हैं. कोर्ट व कचहरी इत्यादि में स्थिति अनुकूल रहेगी. किसी विवाद में विजय प्राप्त हो सकती है. व्यापार में नए काम मिल सकते हैं. चिंता रहेगी. दुष्टजनों से बचकर रहें.

तुला मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें. शारीरिक कष्ट से बनते कामों में विघ्न हो सकता है. स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी.

वृश्चिक कोर्ट व कचहरी तथा सरकारी कार्यालयों में रुके कामों में गति आएगी. विवाद का हल हो सकता है. जीवनसाथी को भेंट व उपहार देने का अवसर प्राप्त होगा. प्रसन्नता रहेगी. पारिवारिक सहयोग मिलता रहेगा. आय में वृद्धि होगी.

धनु स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. आय में वृद्धि होगी. पार्टनरों से मतभेद दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी. किसी से विवाद की आशंका है. मानहानि हो सकती है, सावधान रहें.

मकर किसी मनोरंजक यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है. विद्यार्थी वर्ग अपने कार्य सफलतापूर्वक कर पाएंगे. परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी. मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा. आलस का त्याग करें.

कुंभ किसी व्यक्ति से अकारण विवाद हो सकता है. भागदौड़ के चलते स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है. लापरवाही न करें. किसी दुःखद समाचार मिलने की आशंका है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा.

मीन भाग्य का साथ मिलेगा, साथ ही धर्म मे मन लगेगा. शारीरिक कष्ट की आशंका है. प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी. किसी बड़े कार्य को करने की इच्छा प्रबल होगी. कारोबार अच्छा चलेगा.

व्रतियों की सेवा में लगा यंग इंडिया

आदित्यपुर। 23 वर्षों से छठ व्रतियों की सेवा में यंग इंडिया परिवार और जनहित फाउंडेशन लगा हुआ है. संगठन इस वर्ष भी व्रतियों को सुविधा उपलब्ध कराएगी, जिसके लिए छठ घाट की सफाई शुरू कर दी है. बता दें कि नगीनापुरी चित्रकूट छठ घाट को यंग इंडिया परिवार व जनहित फाउंडेशन वर्ष 2000 से हर साल छठ वृतियो के लिए हर तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराती आ रही है. इस बार भी यहां व्रतियों के लिए सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है. इस कार्य में प्रिय रंजन, मंटू मिश्रा, रविन्द्र यादव, मनोज श्रीवास्तव, बटुल, अजय, दीपक, कृषणा, शंकर, राहुल, अनुरंजन, असपर्श, ऋषभ, रितिक, शिवम आदि लगे हुए हैं.

मंदिर निर्माण समिति ने की छठ घाट की सफाई

सिमड़ेगा। जिले के बीरू में छठ महापर्व को लेकर तैयारी शुरू हो गई है. काली मंदिर निर्माण समिति ने छट घाट की साफ-सफाई की. अन्य व्यवस्था को भी दुरुस्त करने में जुट गयी. छठव्रतियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका ध्यान रखा जा रहा है. रास्ता में गड्ढों को भरना, लाइट साउंड, अलाव और अस्थाई चेंजिंग रूप निर्माण पर जोर दिया गया. मौके पर घाट प्रबंधन मंडली के सदस्य घनश्याम सिंह, बसंत मांझी, गंगाधर लोहरा, टिंकू मिश्रा, मनोज सिंह, बजरंग गुप्ता, मुकेश प्रसाद, घनश्याम दास, सुकोमल प्रसाद, तुलसी कुमार साहू और सत्यजीत कुमार मौजूद थे.

मेनरोड में निकाली गयी प्रभातफेरी

रांची। श्री गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में सिख धर्मावलंबियों ने मंगलवार को मेनरोड में प्रभातफेरी निकाली. प्रभातफेरी डॉ. हरजीत सिंह चर्च रोड, रांची टेंट हाउस, दविंदर सिंह, सतपाल सिंह, मंजीत सिंह छाबड़ा, प्रबजोत सिंह, राजेश, रंजीत राजपाल, करतार सिंह गरेज के घर से वापस गुरुद्वारा में समाप्त हुई. स्टेशन रोड वाली गुरु अरविन्दर सिंह, इंदरजीत सिंह खुराना के आवास से होती हुई पीपी कंपाउंड प्रभात फेरी के साथ मिलकर अनन्तपुर निवारणपुर की संगत के घरों से होते हुए गुरुद्वारा साहिब कड़रू की प्रभात फेरी के साथ मिलकर हरिन्दर सिंह, हरजीन्दर सिंह भवरा के घर से होते हुए गुरुद्वारा साहिब कड़रू में संपन्न हुई.

सोहराई के पहले दिन परंपरा के साथ हुई गोट पूजा

संवाददाता। चांडिल

गोट पूजा के साथ संताल समाज का सोहराई परब शुरू हो गया है. परंपरा के अनुसार सोहराई के पहले दिन गोट पूजा की जाती है. इस दिन ग्राम देवता व मारांग बुरू समेत अन्य देवी-देवता के नाम पर नौ या 11 खोड़ बनाया जाता है. वहां एक अंडा रखकर पूजा-अर्चना की जाती है. इसके बाद उस स्थान पर हांडिया, मुर्गा व अन्य प्रसाद चढ़ाया जाता है. उसी रास्ते से होकर ग्रामीणों के गाय-बैल को पार कराया जाता है. जिस व्यक्ति का बैल अंडा को छूता है, उसे भाग्यशाली माना जाता है. उस व्यक्ति को कंधे पर बैठाकर नायके के घर पहुंचाया जाता है. जहां वह पूरे गांव के लिए हंड़िया देता है. इसके बाद उस व्यक्ति का महिलाएं पैर धोकर अभिनंदन करती है.

चांडिल में आयोजित गोट पूजा में ग्रामीणों के साथ पूजा-अर्चना करता नायके.

सामूहिक रूप से किया प्रसाद ग्रहण : सोहराई परब मनाने का सिलसिला कार्तिक अमावस्या के दिन से ही शुरुआत हो जाती है. समाज के लोग सोहराई मनाने की प्रक्रिया गोट पूजा से करते हैं. मंगलवार को चांडिल प्रखंड के नूतनडीह में संथाल समाज के ग्रामीणों ने गोट पूजा की. नायके बाबा मंगल किस्कू ने गोट में खोंड़ बनाकर सबसे पहले मुर्गी का अंडा रखकर पूजा-अर्चना की. मुर्गी की बलि देकर नायके बाबा (पूजारी) ने गोट पूजा संपन्न करायी. इसके बाद ग्रामीण सामूहिक रूप से सोड़े (प्रसाद) ग्रहण किया. मांझी बाबा गुरुचरण किस्कू ने बताया कि सोहराई परब में संथाल समुदाय के लोग पशुधन की पूजा करते हैं. मौके पर सनातन किस्कू, दुलाल किस्कू, बिमल कुमार मांझी, विकाश टुडू, भाषाण हेम्ब्रम समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे.

खास बातें

- संथाल समाज में दीपावली से ही शुरू हुआ सोहराई का सिलसिला
- पशु धन की पूजा सोहराई के पहले दिन की जाती है गोट पूजा

तैयारी : बाजार में उतरी पूजन सामग्री, सूप व दउरा की बिक्री शुरू

छठ पर्व की तैयारियां शुरू

संवाददाता। जमशेदपुर

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा में महज कुछ ही दिन शेष रह गए हैं. लोग दीपावली के बाद अब छठ की तैयारी में जुट गए है. बाजारों में छठ पूजा से संबंधित पूजन सामग्री उतर चुकी हैं और रौनक बढ़ गई है. विभिन्न इलाकों में सूप-दउरा जगह-जगह बिकने शुरू हो गए हैं. चौक-चौराहों पर छठ पूजा के गीत भी बज रहे हैं. छठ पूजन सामग्री खरीदने के लिए लोगों की भीड़ भी उमड़ने लगी है. कई लोग बढ़ी हुई कीमतों से बचने के लिए अभी से खरीदारी में जुट गए हैं. बर्तन की दुकान धनतेरस से ही सजे हुए हैं. हालांकि, ज्यादातर लोग छठ के लिए बर्तनों की खरीदारी धनतेरस पर ही कर लेते हैं. पीतल के सूप, परात, बाल्टी, ग्लास, लोटे, भगोने की मांग छठ पर अधिक होती है. कारोबारियों ने बताया कि संकल्प व्रत नहाय-खाय के दिन से खरीदारी जोर पकड़ेगी. शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर भी इन सामग्री की दुकानें सज चुकी हैं.

निर्माण करने में जुटे कारीगर : सालों भर बांस निर्मित सामग्री बिक्री करने वालों के हाथ इस त्योहार में ही मजबूत होते हैं. यही वजह है, सूप-दउरा निर्माण के लिए वे दिन रात मेहनत करते हैं. कुछ ऐसा ही दृश्य पिछले कुछ दिनों से बर्मामाइंस मेन रोड किनारे का है. जहां पर लोग बांस की सामग्री का निर्माण करने में जुट गए हैं. यही पर्व है, जब ये कारीगर महाजन से कर्ज लेकर भी सम्मानजनक कमाई की उम्मीद में यह व्यवसाय करते हैं. इस बार बांस महंगा होने से सूप और दउरे की कीमत भी काफी बढ़ गई है.

नहाय खाय से होगी पूजा की शुरुआत : चार दिवसीय महापर्व छठ की शुरुआत नहाय खाय के साथ 17 नवंबर से होगी. वहीं, खरना 18 नवंबर को है. इस दिन दिनभर निर्जला उपवास के बाद संध्या के समय छठव्रती खीर-रोटी बनाकर पूजा के बाद प्रसाद ग्रहण करेंगी. छठ पूजा के तीसरे दिन संध्या अर्घ्य होता है. इस दिन छठ पर्व की मुख्य पूजा की जाती है. व्रती अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देते हैं. इस साल संध्या अर्घ्य 19 नवंबर को है. चौथे दिन यानी सप्तमी तिथि को व्रती उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण करते हैं. 20 नवंबर को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा. इस दिन चार दिवसीय महापर्व छठ का समापन होगा.

जमशेदुपर के बाजार में सूप और दउरा का बाजार सजा.

छठ व्रतधारियों के बीच नि:शुल्क फल और सूप का होगा वितरण

जमशेदपुर । बाबा बैद्यनाथ सेवा संघ के द्वारा आस्था का महापर्व छठ के अवसर पर मानगो के डिमना रोड स्थित हीरा होटल के समीप दुर्गा पूजा मैदान में छठ व्रतधारियों के बीच नि :शुल्क फल और सूप का वितरण किया जाएगा . यह जानकारी बाबा बैद्यनाथ सेवा संघ के संस्थापक सदस्य विकास सिंह ने मानगो गुरुद्वारा के प्रांगण में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दी . उन्होंने बताया कि विगत छह वर्षों से संघ के द्वारा छठ व्रतधारियों के बीच नि :शुल्क फल और सूप का वितरण किया जा रहा है . कोविड के समय संघ के द्वारा प्रसाद आपके द्वारा का कार्यक्रम आयोजित कर फल व सूप का वितरण किया गया था . इस वर्ष 18 नवंबर को प्रात : 11 बजे से मानगो डिमना रोड स्थित दुर्गा पूजा मैदान में छठ व्रतधारियों के बीच केला, नारियल, सेव, संतरा, गागल, गन्ना एवं सूप का वितरण किया जाएगा . इसके लिए संघ के कार्यकर्ताओं द्वारा पूरे मानगो क्षेत्र में जरूरतमंद छठ व्रतधारियों के बीच पूर्व में कूपन का वितरण किया जाएगा . फल की मात्रा इतनी रहेगी की आसानी से कोई भी अपना व्रत कर सकेगा . संवाददाता सम्मेलन में मुख्य रूप से विकास सिंह, किशोर बर्मन, सुशीला शर्मा, मधु सिन्हा, संजु सिंह, शिवकुमारी देवी, बबीता शर्मा, पंचा देवी , संदीप शर्मा आदि शामिल थे .

चाकुलिया में छठव्रती सेवा मंच ने किया सफाई अभियान शुरू

चाकुलिया। चाकुलिया के बड़शोल स्थित कूपन नदी छठ घाट का निरीक्षण छठव्रती सेवा मंच द्वारा मंगलवार को किया गया. घाट की सफाई की शुरुआत भी की गई. मंच के सदस्यों ने कहा कि घाट का समतलीकरण और सफाई बेहद महत्वपूर्ण है. आज से मंच के सदस्यों ने मजदूरों के साथ घाट की सफाई का शुभारंभ किया. इस अवसर पर मंच के परमानंद सिंह, सत्येंद्र सिंह, रत्नेश सिंह, नवीन केड़िया, प्रतीक सिंह,बद्दी राउत,सुरेश सिंह समेत अन्य उपस्थित थे. मंच के परमानंद सिंह ने कहा कि चाकुलिया का एक मात्र छठ घाट बड़शोल कूपन नदी घाट है. इस घाट की सफाई, सड़क की मरम्मत और लाइट की व्यवस्था के लिए मंच अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाएगा. शीघ्र ही घाट की साफ सफाई कराई जाएगी.

अमलागोड़ा की काली पूजा में विधायक हुए सम्मानित

चाकुलिया : चाकुलिया प्रखंड की लोधाशोली पंचायत अंतर्गत आमलागोड़ा गांव में काली पूजा के तीसरे दिन विधायक समीर कुमार मोहंती उपस्थित हुए. मौके पर कमेटी द्वारा अंग वस्त्र देकर विधायक को सम्मानित किया गया. विधायक ने मां काली को प्रणाम कर ग्रामवासी के लिए सुख, शांति और समृद्धि की कामना की. मौके पर गौतम दास, प्रखंड उपाध्यक्ष राजा बारिक, ग्राम प्रधान अरुण बारिक,राजू कर्मकार, कोची बेरा,रशिक लाल बारिक, विवेक बारिक,वार्ड मेंबर प्रकाश महाकुड़,पृथ्वीराज बारिक, समरजीत बारिक, नाडू महाकुड़,सुशांत पड़िहारी, विमल महाकुड़, गौर कर्मकार, राकेश बारिक, मातु बारिक, छोटू बारिक, सूरज दलाई, अभय बारिक आदि उपस्थित थे.

अन्नकूट प्रसाद के साथ श्याम मंदिर में दीपावली महोत्सव का समापन

संवाददाता। रांची

हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को अन्नकूट प्रसाद के साथ पांच दिवसीय दीपावली महोत्सव का समापन हो गया. इस अवसर पर विशेष शृंगार एवं सजावट कर मंदिर परिसर को सजाया गया। खाटूधाम की परंपरा के अनुसार दीपावली के दिन श्री श्याम बाबा के मुख्य मंड में भक्तों ने दीप जलाकर अपने परिवार के लिए कुशल मंगल की कामना की. मंदिर प्रांगण में ही श्याम भक्तों के लिए घी के दीपक की व्यवस्था की गई थी । सर्वप्रथम रामगोपाल साबू एवं उनकी धर्मपत्नी विजयश्री साबू पुत्र अश्विनी साबू पुत्रवधू आकांक्षा मित्तल साबू ने बाबा श्याम के मुख्य मंड में चांदी के दीप जलाकर बाबा श्याम की विशेष पूजा अर्चना की. तत्पश्चात अन्य भक्तों ने दीप जलाये.

दीपोत्सव में मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष सुरेश सरावगी, महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, श्रवण ढानढनिया, श्याम सुन्दर शर्मा, गौरव अग्रवाल मोनू, पंकज गाड़ोदिया, अनिल नारनोली, राजीव रंजन मित्तल, अन्नपूर्णा सरावगी, अमित सरावगी, संजय सराफ, ललित पोद्दार, रौनक पोद्दार, अरविंद सोमानी, किशन शर्मा, सोमेश गोयल, आशुतोष खेतान सहित अन्य ने बाबा श्याम के दरबार में हाजिरी लगाई. मंगलवार को अन्नकूट प्रसाद का आयोजन किया गया. इसके साथ ही मंदिर में पूर्व की भांति मंगलवार को 76वां हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का संगीतमय पाठ आयोजित हुआ.

गोवर्धन पूजा पर श्रद्धालुओं की भीड़

चांडिल । कार्तिक माह में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर मनाए जाने वाले गोवर्धन पूजा की चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में धूम मची है. दीपावली के दूसरे दिन मनायी जाने वाली गोवर्धन पूजा को अन्नकूट के नाम से भी जाना जाता है. इस दिन लोग घर के आंगन में या घर के बाहर गाय के गोबर से गोवर्धन पर्वत की आकृति बनाते हैं और पूजा करते हैं. साथ ही भगवान श्रीकृष्ण को विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया जाता है. चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के नीमडीह प्रखंड अंतर्गत लुपुंगडीह गांव में धूमधाम से गिरी गोवर्धन पूजा मनायी गयी. गांव में स्थित मंदिर परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही. ऐसा माना जाता है कि इस दिन जो भी गोवर्धन की इस कथा का पाठ करता है और श्रद्धा पूर्वक गाय के गोबर से बने पर्वत की पूजा करता है, उसकी सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती. भगवान कृष्ण ने ही सर्वप्रथम गोवर्धन पूजा आरंभ करवाई थी. श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत तो अपनी उंगली पर उठाकर इंद्रदेव के क्रोध से ब्रज वासियों और पशु-पक्षियों की रक्षा की थी.

न्यूज अपडेट

काली पूजा कमेटी ने किया महाप्रसाद का वितरण

चाकुलिया। नगर पंचायत के नागानल कॉलोनी में नागा क्लब के तत्वावधान में नागानल कॉलोनी सार्वजनिन काली पूजा कमेटी ने मंगलवार की दोपहर को श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया. रेणु शर्मा ने श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण कर उद्घाटन किया. महाप्रसाद के रूप में श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी और चटनी का वितरण किया गया. सैकड़ों श्रद्धालुओं ने जमीन पर बैठकर महाप्रसाद ग्रहण किया. इस अवसर पर हरि साधन मल्लिक, सिद्धेश्वर सिंह, मौसमी मल्लिक,आकाश गौतम, कमेटी के अध्यक्ष अभिजीत दास, उपाध्यक्ष देवाशीष नाथ, सचिव आशीष कुमार नाथ समेत कमेटी के संदीप चांद, बप्पा चांद, राजा कालिंदी, समीर पोलाइ,कमल सरदार, राहुल सिंह, पिंटू राउत,अजय नाथ, शांतनु देबनाथ, सोनू पोलाइ, भोला नाथ, सोमनाथ दास समेत अनेक लोग उपस्थित थे.

लातेहार में मिलन सह जतरा समारोह का आयोजन

लातेहार। सदर प्रखंड के कुंदरी ग्राम में सोहराई पर्व के बाद मिलन सह जतरा समारोह का आयोजन मंगलवार को किया गया. इस आयोजन में आसपास के क्षेत्रों के 10 पड़हा का जुटान हुआ. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक हरिकृष्णा सिंह, भाजपा नेता राजधनी यादव व रामलाल चेतदास तथा आरागुंडी पंचायत के मुखिया रवि भगत थे. कार्यक्रम में विभिन्न अखड़ा द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. संबोधित करते हुए पूर्व विधायक ने कहा कि आदिवासियों की संस्कृति व विरासत गौरवशाली रही है. हमें अपनी संस्कृति को बचाये रखना है. राजधनी प्रसाद यादव ने कहा कि हमें अपनी विरासत व संस्कृति गौरव होना चाहिए. हमारे पूर्वजों ने इसे सहेज कर रखा है. हमें भी इसे सहेज कर रखना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ी को हम संदेश दे सकें. कार्यक्रम में जिप सदस्य विनोद उरांव, रामदेव सिंह, मुकेश पांडेय, वंशी यादव, उप मुखिया पुजा देवी, रमेश उरांव, रवींद्र उरांव व जगतू भगत समेंत हेरहंज, बारियातू, लातेहार व बालूमाथ राजा पड़हा अपने समूहों के साथ शिरकत किया. इससे पहले अतिथियों ने पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया.

चंदवा के कई गांवों में सोहराई जतरा मेला

चंदवा। समस्त प्रखंड क्षेत्र आदिवासी बहुल क्षेत्र है. वैसे में दीपावली के पश्चात सोहराय पर्व मनाया जाता है. इस अवसर पर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव जगिराहा,जोबिया, अम्बाटांड़ तथा चकला में जतरा आयोजन समितियों द्वारा जतरा मेला का आयोजन हुआ. जतरा आदिवासियों के लिए बहुत महत्व रखता है, इससे लोगों के बीच प्रेम और भाईचारा को बढ़ावा मिलता है. जतरा कार्यक्रम में आदिवासी युवक युवतियां पारंपरिक पोशाक में विभिन्न गांव टोला से एक विशेष जगह जतरा टांड़ में जमा हो नाचते गाते हैं और भाईचारगी का मिशाल पेश करते हैं.

पेज 1 का शेष...

चुनाव में जीत जिसकी हो, पर लुभावने वादे से मतदाताओं के होंगे पौ बारह

जनता को लोभ-लाभ के साथ जात-धर्म, कुनबा क्षेत्र, संप्रदाय, समूह के भी खाने में बंद करने से वोट याचक नहीं चूक रहे हैं. मतदाता गंभीर हैं, मौन हैं. सबका स्वागत करते हैं, नारे लगाते हैं और कभी-कभी झंडा भी थाम लेते हैं, पर मतदान केंद्र पर मोहर लगाने की अलग ही सोच होती है.

अब जरा एक नजर घोषणाओं पर डालें तो लगेगा किसान, गरीब, महिला, बेरोजगार, पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जनजाति/जाति के लिए कुछ उठा नहीं रखा है इन राजनीतिक दलों ने. किसानों के लिए कर्ज माफी, मजबूत एमएसपी, 12000 सालाना, बिजली समर्थित, बहुत हद तक माफ, महिलाओं के लिए लखपति कार्यक्रम, न्यूनतम मूल्य पर बहुत कुछ, सभी को 1500, मध्याह्न भोजन के साथ जलपान भी, हर जिला में मेडिकल कॉलेज, भ्रष्टाचार उन्मूलन, 5 वर्षों तक मुफ्त राशन तो दूसरी ओर हर महिला को 1500 मासिक, फ्री बिजली, पुरानी पेंशन स्कीम, छात्रों को 500 - 1500 मासिक, गोबर खरीद, युवा स्वाभिमान में 15 00 से 3 000 रुपये तो सामाजिक सुरक्षा पेंशन में 1200 महीना, बेटियों पर विशेष मेहरबान हैं ये पार्टियां. कोई ढाई लाख तो कोई उससे अधिक इसके साथ-साथ अन्य अनेक अनगिनत घोषणाएं एक से बढ़कर एक लोकलुभावन. अब बिना पक्का घर कोई नहीं रहेगा देश में. जनजातीय सशक्तिकरण के लिए अप्रत्याशित उपबंध तो और भी बहुत कुछ.

सुनकर बहुत अच्छा लग रहा है. काश! देश में इस प्रकार का संवितरण, विकास और योजनागत निवेश को बल मिलता? इसके लायक संसाधन की बहुलता होती और सभी को समान अवसर और समुन्नति का सौभाग्य प्राप्त होता ? पर कुछ लोग इन घोषणाओं से अनावश्यक चिंतित हैं, उन्हें पता है राज्यों के पास इतने वर्धित बजट उपबंध के लिए संसाधन हैं क्या ? जो राज्य सरकार नाक तक कर्ज में डूबी हैं उनके यहां कोई ''कारू का खजाना'' मिल गया है क्या? पता नहीं इन राजनीतिक दलों ने चुनाव के बाद किस-किस प्रकार के कर भार की मंशा बना ली है या उपबंध अभी से कर लिया है! प्रत्येक राज्य में इन घोषणाओं के आलोक में हजारों-हजार करोड़ होने वाले खर्च के लिए यदि उपबंध हो जाए तो इन घोषणाओं को मूर्त रूप मिल सकता है, अन्यथा ''तेरे वादे पर मर गए हम'' वाली बात ही साबित होगी. आखिर चुनाव के लिए नियामक संस्थाएं इसे किस अर्थ में देख रही हैं, इस पर भी कुछ लोग उंगली उठा रहे हैं! पता नहीं लोग कबतक ठगे जाते रहेंगे? सभी को पता है संसाधन सृजित होता है, बाढ़ में बहकर नहीं आता!

पर्व-प्रसंग छठ महापर्व के अवसर पर आकर्षक ढंग से मंदिर का शृंगार

झारखंड का गौरव है जलीय सूर्य मंदिर

प्रमोद गुप्ता । जमुआ(गिरिडीह)

जगन्नाथडीह, मिर्जागंज गिरिडीह ही नहीं, पूरे झारखंड का गौरव है. इस मंदिर की कलाकृतियां बेहद सुंदर हैं. इसे देखने के लिए झारखंड ही नहीं, दूसरे राज्यों से भी लोग यहां आते हैं. बताया जाता है कि अलग झारखंड बनने के बाद गिरिडीह जिले के जमुआ प्रखंड क्षेत्र के जगन्नाथडीह मिर्जागंज स्थित बुढ़वा आहार में जलीय सूर्य मंदिर का उद्घाटन वर्ष 2003 में हुआ था. सूर्य मंदिर समिति के अध्यक्ष सदानंद साव, सचिव उमेश साव ने बताया कि छठ महापर्व को लेक इस बार सूर्य मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया-संवारा जा रहा है. वहीं छठ व्रतियों के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गयी है. भीड़ को नियंत्रण करने और विधि-व्यवस्था बनाये रखने के लिए जमुआ प्रखंड प्रशासन और जमुआ पुलिस सहयोग करेगी. सूर्य मंदिर समिति के सदस्यों को भी जगह-जगह लगाया जाएगा, ताकि कोई अप्रिय वारदात नहीं हो.

यहां होती है सैकड़ों शादियां : सूर्य मंदिर से लोगों की आस्था और विश्वास जुड़ा है. इस वजह से यहां सैकड़ों जोड़े की शादियां होती है. यहां राज्य सरकार के द्वारा विवाह भवन भी बनाया गया है, जहां जिले ही नहीं राज्य के अन्य जगहों से आकर लोग शादी के बंधन में बंधते हैं.

बात-बात में हुआ सूर्य मंदिर का निर्माण

छठ महापर्व में कुछ स्थानीय युवकों ने तालाब में सूर्य मंदिर बनाने की कल्पना की. प्रतिष्ठित ग्रामीणों ने पहल कर वर्ष 1993 को मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी. जो अब वास्तुकला की अनूठी मिशाल बन चुका है.

मंदिर में बनायी गयी हैं अद्भुत कलाकृतियां

मंदिर के मुख्य द्वार पर भगवान भास्कर सात घोड़ों के रथ पर सवार हैं. वहीं मंदिर के क्षितिज में छह बाह्य पंखुड़ियां आकर्षण का केंद्र बिंदु है. जानकारी के मुताबिक गर्भ गृह में 7 स्टिपनर हैं. जिसमें 6 भुजाओं में और एक कमल नाल मंदिर के तालाब में खिले पुष्प के आकार में है. गर्भगृह में भगवान सूर्य मंदिर के अलावे छह प्रतिमाएं हैं जो पंखुड़ियों पर विराजमान हैं, जिसकी ऊंचाई लगभग 43 फुट है.

ब्रीफ खबरें

चिकित्सक से रंगदारी मांगने वाला गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण । नेपाली सिम से रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर हिरासत में भेज दिया है. गिरफ्तार युवक नितेश तिवारी है जो छौड़ादानो के कोदरकट का रहने वाला है. इस संबंध में एसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने बताया है कि 12 नवंबर 2022 को उसने फोन करके ग्रामीण चिकित्सक मुकेश कुमार से 25 लख रुपए रंगदारी मांगी थी, नहीं देने पर उन्हें या उनके परिवार के किसी सदस्य की हत्या करने की धमकी दी थी. घटना को लेकर टेक्निकल सेल ने लगातार काम करते हुए फोन करने वाले को गिरफ्तार कर लिया है.

एके-47 बरामदगी मामले में एक गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण । जिले के पीपराकोठी थाना क्षेत्र में इसी वर्ष जनवरी माह में बरामद एक-47 के मामले में पुलिस ने विकल सिंह उर्फ छोटू सिंह को गिरफ्तार किया है. जिले के टॉप टेन अपराधियों में इसका नाम था. इसकी जानकारी देते एसपी कान्तेश कुमार मिश्र ने बताया कि शातिर कुणाल सिंह के गिरोह का यह सक्रिय सदस्य था, जिसे कई मामलों में तलाश की जा रही थी. लूट व रंगदारी के अलावा उसके विरुद्ध हत्या का भी मामला दर्ज है. उसके विरुद्ध कल्याणपुर में लूट, कोटवा में वर्ष 2017 में रंगदारी, इसी साल चकिया में लूट का मामला दर्ज कराया गया था.

ट्रेन पर पथराव, कई यात्री घायल, 4 धराए

समस्तीपुर । डिब्रूगढ़ से नई दिल्ली जा रही राजधानी एक्सप्रेस पर समस्तीपुर में कुछ उपद्रवियों ने पत्थराव किया है. इस पत्थरबाजी में कई यात्री घायल हुए हैं. यह घटना सोमवार देर शाम की बतायी जा रही है. पथराव होने की वजह से ट्रेन करीब 29 मिनट स्टेशन पर खड़ी रही. इस मामले आरपीएफ की टीम चार लोगों को हिरासत में लिया है. सभी का रेलवे अस्पताल में मेडिकल कराया गया है और इसके बाद पुलिस चारों से पूछताछ कर रही है. घटना के संबंध में रेलवे अधिकारियों ने कुछ भी बोलने से कतरा रहे हैं.

मुख्यमंत्री ने पटना के सभी छठ घाटों का किया निरीक्षण

संवाददाता । पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को पटना के सभी छठ घाटों का निरीक्षण किया. नीतीश ने स्टीमर पर सवार होकर खुद सभी घाटों पर जा-जाकर जिला प्रशासन द्वारा छठ पर्व को लेकर की जा रही तैयारियों का जायजा लिया. सीएम के साथ विभिन्न विभागों के सभी बड़े अधिकारी मौजूद रहे. इस दौरान दीघा घाट से लेकर गायघाट तक गंगा घाटों को उन्होंने देखा गया. सीएम ने अधिकारियों को कई निर्देश भी दिए. सभी घाटों पर बैरिकेडिंग की जा रही है. वॉच टावर के साथ साथ लाइट की भी व्यवस्था की जा रही है. नियंत्रण कक्ष, शौचालय, पेयजल की व्यवस्था और मेडिकल कैंप के लिए स्थल निर्धारित किया गया है. छठ व्रतियों को रात में घाट पर ही रुकने की व्यवस्था की जा रहे हैं.

रात में घाट पर रुकने वाले छठ व्रतियों के लिए बड़े घाटों पर शेड का निर्माण कराया जा रहा है. इधर, मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पंडित जवाहर लाल नेहरु की जयंती के मौके पर उपस्थित हुए. वहीं मीडिया ने जब सवाल किया तो सीएम ने हाथ जोड़कर आगे निकल गए.

आओ जानें

बिहार में पुरुषों की साक्षरता दर ज्यादा

- बिहार की साक्षरता % कितना है – 63.82%
- बिहार की पुरुष साक्षरता % कितना है –73.39%
- बिहार की महिला साक्षरता % कितना है –53.33%
- साक्षरता दर के मामले में राज्य का स्थान –28 वां स्थान
- सबसे अधिक साक्षरता वाला जिला कौनसा है –रोहतास
- सबसे कम साक्षरता वाला जिला कौनसा है – पूर्णिया
- सबसे अधिक पुरुष साक्षरता वाला जिला – रोहतास
- सबसे अधिक महिला साक्षरता वाला जिला – रोहतास
- सबसे कम पुरुष साक्षरता वाला जिला – पूर्णिया
- सबसे कम महिला साक्षरता वाला जिला – सहरसा

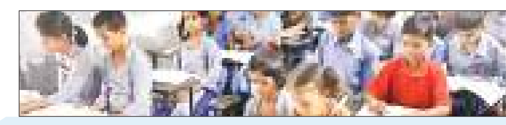

जमुई के महुलिया टांड़ गांव के पास दिया घटना को अंजाम

बालू माफिया की गाड़ी ने दारोगा को रौंदा, एक पुलिसकर्मी घायल

संवाददाता । जमुई

फाइल फोटो

बिहार में बालू माफियाओं की मनमानी बढ़ती ही जा रही है. अवैध खनन के लिए वह किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं. जमुई के गरही थाना क्षेत्र अंतर्गत महुलिया टांड़ गांव के पास तेज रफ्तार बालू लदे ट्रैक्टर ने बाइक सवार गरही थाने के अपर थानाध्यक्ष (दारोगा) प्रभात रंजन व एक जवान को कुचल दिया. इसमें दारोगा की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक जवान की हालत गंभीर है.

इधर, हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर छोड़कर मौके से फरार हो गया. हादसे के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया. ट्रैक्टर चालक की गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित स्थानों पर छापेमारी कर रही. इधर, घटना में घायल हुए एक होमगार्ड जवान का इलाज शहर के प्राइवेट हॉस्पिटल में चल रहा है. मृत दारोगा की पहचान वैशाली जिले के महनार निवासी प्रभात रंजन के रूप में हुई. वहीं घटना की सूचना मिलने पर एसपी डॉक्टर शौर्य सुमन, मुख्यालय एसडीपीओ अभिषेक कुमार सिंह समेत पुलिस की कई वरीय पदाधिकारी सदर अस्पताल पहुंचे. बताया जाता है कि दारोगा प्रभात रंजन जमुई के गरही थाने में अपर थानाध्यक्ष के पद पर कार्यरत थे. मंगलवार की सुबह गुप्त सूचना मिली कि मोहली टांड़ नदी से अवैध बालू तस्करों द्वारा बालू का उठाव किया जा रहा है.

सूचना के बाद होमगार्ड जवान राजेश कुमार के साथ बाइक से छापेमारी के लिए मोहली टांड़ पहुंचे तो देखा कि अवैध बालू लोड ट्रैक्टर आ रहा था. अपर थानाध्यक्ष ने ट्रैक्टर चालक को रोकने की कोशिश की तो ट्रैक्टर सवार ने अपर थानाध्यक्ष को कुचल दिया. इसमें दोनों घायल हो गया. जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया. जांच कर रहे चिकित्सक ने थानाध्यक्ष प्रभात रंजन को मृत घोषित कर दिया. जबकि घायल होमगार्ड जवान राजेश कुमार की हालत गंभीर होने पर उसे शहर की निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई हैं.

पूजा के दौरान हर्ष फायरिंग, तीन घायल

संवाददाता । आरा

आरा में नवादा थाना क्षेत्र के रस्सी बगान मोहल्ले में सोमवार की शाम गायडाढ़ पूजा के दौरान ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी गई. इस फायरिंग की घटना में तीन बच्चे गोली लगने से गंभीर रूप से जख्मी हो गए. इनमें दो के हाथ में गोली लगी है जो आर-पार हो गयी है, जबकि एक के प्राइवेट पार्ट के पास गोली लगी है. तीनों जख्मी बच्चों का इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है. घटना की सूचना मिलने पर नवादा थानाध्यक्ष शंभू भगत पुलिस बल के साथ आरा सदर अस्पताल पहुंचे और थानाध्यक्ष ने घायलों से मिल घटना के संबंध में जानकारी ली. मिली जानकारी के अनुसार घायलों में नवादा थाना क्षेत्र के जवाहर टोला मोहल्ला निवासी सुनील पासवान का 12 वर्षीय पुत्र गोलू कुमार, राजन साव का 8 वर्षीय पुत्र अंकित कुमार और धीरज कुमार का 11 वर्षीय पुत्र मोनू कुमार शामिल है. फायरिंग की इस वारदात से सनसनी और भगदड़ मच गई. अंकित कुमार के बाएं हाथ में गोली लगी है, जो आर-पार होकर बाएं हिस्से में सीने को छूती हुई निकल गई है. गोलू कुमार को दाहिने हाथ में गोली लगी है जो आर-पार हो गई है. वहीं मोनू कुमार को गोली उसके प्राइवेट पार्ट्स के ऊपर लगी है जो अंदर फंसी हुई है.

फायरिंग करने वाले की हुई पहचान : जख्मी अंकित कुमार ने बताया कि सोमवार की शाम तीनों रस्सी बागान मोहल्ले में गायडाढ़ देख रहे थे. उसी दौरान किसी द्वारा अंधाधुंध फायरिंग की जाने लगी. इसमें तीनों को गोली लग गई, जिससे तीनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए. इसके बाद उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया. वहीं भोजपुर एसपी एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि फायरिंग करने वाले की पहचान कर ली गई है. गिरफ्तारी को लेकर टीम गठित कर दी गई है. छापेमारी की जा रही है आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

रील्स बनाना पड़ा महंगा, बंदूक से गोली चलने से युवक की मौत

पटना । आजकल युवाओं में इंस्टाग्राम पर रील्स बनाने के चक्कर में जान के साथ-साथ दूसरों की जान भी दांव पर लगा रहे हैं. पटना के धनरुआ थाना क्षेत्र स्थित कुकुरवारा गांव से ऐसा ही मामला सामने आया है. यहां रील्स बनाने के दौरान 17 साल के युवक की मौत हो गयी. युवक की पहचान विकास के रूप में हुई है. इस घटना के बाद पूरे इलाके में मातम का माहौल है. विकास के पिता ने थाना में शिकायत की है और उसके दोनों दोस्तों को नामजद अभियुक्त बनाया है. विकास के पिता का आरोप है कि विक्की और सुधीर ने साजिश के तहत उसके बेटे की हत्या की है. परिजनों ने दोनों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पटना-गया मुख्य मार्ग को करीब डेढ़ घंटे तक जाम रखा. जानकारी के अनुसार, कुकुरवारा गांव निवासी विकास अपने दोस्त विक्की और सुधीर के साथ पंचायत भवन के छत पर चढ़कर देसी कट्टा लेकर रील्स बना रहा था.

चलती बस में लगी आग बाल-बाल बचे यात्री

रोहतास । रोहतास में चलती बस में आग लग गई. यात्रियों के कूदकर अपनी जान बचाई. सासाराम के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पुरानी जीटी रोड पर वेदा गांव के पास चलती बस में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लगने से अफरा-तफरी मच गई. बस चालक की तत्परता और स्थानीय लोगों के सहयोग से आग पर काबू पा लिया गया. इस घटना में बस अंदर से जलकर पूरी तरह राख हो गया. जानकारी के अनुसार राजस्थान के नंबर की बस हिवम ट्रेवल्स राजस्थान से कोचस के लिए चली थी.

कारोबार

आईआरईडीए का आईपीओ 21 को

नयी दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी लिमिटेड (आईआरईडीए) ने 2,150 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 30-32 रुपये प्रति शेयर तय किया है. सार्वजनिक घोषणा के अनुसार, आईपीओ 21 नवंबर को खुलेगा और 23 नवंबर को बंद होगा. एंकर निवेशक 20 नवंबर को बोली लगा पाएंगे. भारतीय जीवन बीमा निगम के पिछले साल मई में आईपीओ लाने के बाद यह किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम का पहला सार्वजनिक निर्गम होगा.

एचसीएलटेक ने 'कंट्री मैनेजर' किया नियुक्त

नयी दिल्ली । आईटी सेवा कंपनी एचसीएल टेक्नोलॉजीज ने सोनिया एलैंड को अपने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड परिचालन के लिए कार्यकारी उपाध्यक्ष एवं 'कंट्री मैनेजर' नियुक्ति किया है. वह एक अप्रैल 2024 से कार्यभार संभालेंगी. कंपनी के अनुसार एलैंड, माइकल का स्थान लेंगी. माइकल 10 वर्षों के कार्यकाल के बाद अब परामर्शदाता की भूमिका निभाएंगे. अपने 10 साल के कार्यकाल में हॉर्टन ने एचसीएलटेक को ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में एक डिजिटल प्रौद्योगिकी सेवा भागीदार के रूप में स्थापित करने में मदद की.

थोक मुद्रास्फीति अक्टूबर में 0.52% नीचे

नयी दिल्ली । थोक मुद्रास्फीति अक्टूबर में शून्य से 0.52 प्रतिशत नीचे रही है. थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल से लगातार शून्य से नीचे बनी है. सितंबर में यह शून्य से 0.26 प्रतिशत नीचे थी. अक्टूबर 2022 में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 8.67 प्रतिशत थी. अक्टूबर में खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति घटकर 2.53 प्रतिशत पर आ गई. सितंबर में यह 3.35 प्रतिशत थी. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को कहा, अक्टूबर 2023 में मुद्रास्फीति की शून्य से नीचे रही. विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति अक्टूबर में शून्य से 1.13 प्रतिशत नीचे रही.

अप्रैल-जून तिमाही में एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ग्रोथ रेट 7.8 प्रतिशत थी

देश की जीडीपी 6.2-6.3% की दर से बढ़ने की उम्मीद

भाषा । नई दिल्ली

इस समय भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी इकॉनमी है. साल 2028 तक भारत की जीडीपी जापान को पीछे छोड़ देगी. मार्च 2024 में खत्म होने वाले वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी 6.2-6.3 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है. इससे भारतीय अर्थव्यवस्था इस वित्त वर्ष में भी सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था होगी. अप्रैल-जून तिमाही में एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ग्रोथ रेट 7.8 प्रतिशत रही थी. वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, साल 2028 में भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर पहुंच जाएगा. भारत से आगे सिर्फ चीन और अमेरिका ही होंगे. भारत तेजी से तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है. अभी आने वाले समय में इसमें और तेजी आने की संभावना है.

आईएमएफ के मुताबिक, साल 2028 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाल देश बन जाएगा. इस दौरान अमेरिका की अर्थव्यवस्था 32.3 ट्रिलियन डॉलर के साथ पहले नंबर पर होगी. चीन की अर्थव्यवस्था 27.4 ट्रिलियन डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर होगी. वहीं भारत 5.5 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा. वर्ष 2021 और 2022 में दो वर्षों की तीव्र आर्थिक वृद्धि के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था ने 2023 वित्त वर्ष में भी निरंतर मजबूत वृद्धि दिखाना जारी रखा है. मौजूदा समय में अमेरिका 25,500 अरब अमेरिकी डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है. इसके बाद चीन 18000 अरब अमेरिकी डॉलर के साथ दूसरी और जापान 4200 अरब डॉलर के साथ तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है. वहीं भारतीय जीडीपी का आकार 2022 तक ब्रिटेन और फ्रांस की जीडीपी से भी बड़ा हो चुका था. बीते दिनों आए आईएमएफ और गोल्डमैन सैश के अनुमानों के मुताबिक साल 2075 तक भारत इकॉनमी के मामले में अमेरिका से भी आगे होगा. भारत 2075 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी होगी.

देश में स्टार्टअप कल्चर विकसित हुआ है : भारत की अर्थव्यवस्था तेज होने के पीछे मोदी सरकार की नीति मानी जा रही है. मोदी सरकार स्वरोजगार पर लंबे समय से जोर दे रही है. इसी का फल है कि देश में स्टार्टअप कल्चर डेवलप हुआ है. पिछले 9 साल में देश में लाखों युवा उद्यमी तैयार हुए हैं. इसके चलते कई क्षेत्र में रोजगार के मौके भी खूब पैदा हुए हैं. इसी कड़ी में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र एक उभरते हुए उद्योग के रूप में सामने आया है. पिछले नौ वर्षों में इसने 50,000 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित किया है. यह कोई छोटी रकम नहीं है. इससे पला चलता है कि देश में फूड प्रोसेसिंग बिजनेस कितना तेजी से बढ़ रहा है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी इस पर कह चुके हैं कि भारत का खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र एक उभरते हुए उद्योग के रूप में सामने आया है. ऐसे में अगर आप अपना बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो इस सेक्टर में हाथ आजमा कर मोटी कमाई कर सकते हैं. हाल ही में मोदी ने राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में 'वर्ल्ड फूड इंडिया' के दूसरे संस्करण में कहा कि खाद्य का निर्यात 150 प्रतिशत बढ़ा है.

बढ़ेगा भारत

- भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी इकॉनमी है
- साल 2028 तक भारत जापान को पीछे छोड़ देगी

कल्याण ज्वेलर्स का दूसरी तिमाही में लाभ 134.87 करोड़ हुआ

मुंबई । आभूषण विक्रेता कंपनी कल्याण ज्वेलर्स का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में शुद्ध लाभ 27.33 प्रतिशत बढ़कर 134.87 करोड़ रुपये रहा. कंपनी का पिछले साल दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 105.92 करोड़ रुपये रहा था. कल्याण ज्वेलर्स ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय 27.11 प्रतिशत बढ़कर 4,414.53 करोड़ रुपये रही. पिछले साल समान अवधि में यह 3,472.91 करोड़ रुपये रही थी. वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में कंपनी की पश्चिम एशिया से परिचालन आय 629 करोड़ रही, जो पिछले वर्ष समान अवधि में 601 करोड़ रुपये थी.

कंपनी के ई-वाणिज्य मंच कैनडेयर का दूसरी तिमाही में राजस्व 16.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 31 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष समान अवधि में 37 करोड़ रुपये रहा था. कल्याण ज्वैलर्स इंडिया के कार्यकारी निदेशक रमेश कल्याणरमन ने कहा, यह अभी तक शानदार वर्ष रहा है. चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में राजस्व वृद्धि 29 प्रतिशत रही.

ओबेरॉय समूह

अध्यक्ष पीआरएस ओबेरॉय का 94 साल की उम्र में निधन

एजेंसी । नई दिल्ली

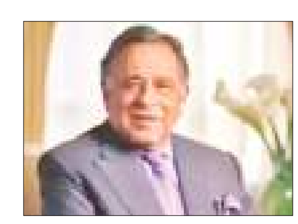

ओबेरॉय समूह के मानद चेयरमैन पृथ्वी राज सिंह ओबेरॉय का मंगलवार को सुबह निधन हो गया. उन्होंने 94 साल की उम्र में आखिरी सांस ली. उन्हें देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था. ओबेरॉय समूह के एक प्रवक्ता ने पृथ्वी राज सिंह ओबेरॉय के निधन की पुष्टि की है. वह भारत में होटल व्यवसाय का चेहरा बदलने के लिए जाने जाते थे. वह ओबेरॉय समूह की प्रमुख कंपनी ईआईएच लिमिटेड के कार्यकारी अध्यक्ष और ओबेरॉय होटल्स प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष थे. उन्होंने होटल व्यवसाय को नई दिशा देने के साथ ही विभिन्न लग्जरी होटलों की स्थापना की थी. पीआरएस ओबेरॉय का जन्म 1929 में नई दिल्ली में हुआ था. ओबेरॉय समूह के संस्थापक अध्यक्ष राय बहादुर मोहन सिंह ओबेराय ने 1934 में एक अंग्रेज से क्लार्कस दिल्ली में और थी क्लार्कस शिमला में दो प्रापर्टी खरीदी थी. इसके बाद उन्होंने अपने दो बेटों तिलक राज सिंह ओबरॉय और पृथ्वी राज सिंह ओबरॉय की सहायता से भारत में और विदेशों में होटल कारोबार किया.

टाटा टेक्नोलॉजीज का आईपीओ 22 को खुलेगा

एजेंसी । नयी दिल्ली

इंजीनियरिंग और उत्पाद विकास संबंधी डिजिटल सेवाएं देने वाली कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 22 नवंबर को बोली के लिए खुलेगा. टाटा मोटर्स की इकाई ने 13 नवंबर, 2023 को कंपनी पंजीयक, महाराष्ट्र के पास इस बारे में रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस(आरएचपी) दाखिल किया था. टाटा मोटर्स ने सोमवार को शेयर बाजार को यह जानकारी दी. कंपनी ने बताया कि आईपीओ में टाटा टेक्नोलॉजीज की चुकता इक्विटी शेयर पूंजी के 15 प्रतिशत हिस्से के लिए 6,08,50,278 शेयरों की पेशकश की जाएगी. आईपीओ के तहत टाटा मोटर्स 11.4 प्रतिशत, निजी इक्विटी फर्म अल्फा टीसी होल्डिंग्स 2.4 प्रतिशत और टाटा कैपिटल ग्रोथ फंड-1 1.2 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेंगी. टाटा मोटर्स ने कहा कि आईपीओ 22 नवंबर को खुलेगा और 24 नवंबर, 2023 को बंद होगा.

कच्चा तेल 83 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है. पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड का मूल्य उछलकर 83 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है. हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है. मंगलवार को दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है.

दौरा | पीयूष गोयल ने कैलिफोर्निया में टेस्ला की विनिर्माण सुविधा का किया दौरा, बोले-

कंपनी भारत से अपने वाहन घटकों के आयात को दोगुना करेगी

एजेंसी । नयी दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कैलिफोर्निया के फ्रेमोंट में अमेरिका की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला की विनिर्माण इकाई का दौरा किया. उन्होंने कहा कि कंपनी भारत से अपने वाहन घटकों के आयात को दोगुना करेगी. मंत्री अमेरिकी की चार दिवसीय यात्रा पर हैं. दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक कार निर्माता टेस्ला इंक के प्रमुख एलन मस्क ने जून में न्यूयॉर्क में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी.

मुलाकात के बाद मस्क ने कहा था कि 2024 में उनकी भारत आने की योजना है. गोयल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, कैलिफोर्निया के फ्रेमोंट में टेस्ला की अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधा का दौरा किया. प्रतिभाशाली भारतीय इंजीनियर तथा वित्त पेशेवरों को वरिष्ठ पदों पर काम करते हुए और मोटर वाहन की दुनिया में बदलाव के लिए टेस्ला के योगदान को देखकर बेहद खुशी हुई. उन्होंने कहा, टेस्ला इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) आपूर्ति श्रृंखला में भारत के वाहन उपकरण आपूर्तिकर्ताओं के बढ़ते योगदान को देखकर भी गर्व है. यह भारत से अपने घटकों के आयात को दोगुना करने की राह पर है. एलन मस्क की कमी खली उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं. यह दौरा भारत के देश में संयंत्र स्थापित करने के लिए टेस्ला को सीमा शुल्क में रियायत देने पर विचार करने की खबरों के बीच हुआ है. मंच पर मंत्री की बात का जवाब देते हुए मस्क ने कहा, आपका टेस्ला आना सम्मान की बात है. आज कैलिफोर्निया की यात्रा नहीं कर पाने के लिए मुझे खेद है, लेकिन मैं भविष्य में आपसे मिलने को उत्सुक हूं. सोशल मीडिया मंच 'एक्स' का स्वामित्व भी एलन मस्क के पास है. मस्क ने अगस्त 2021 में कहा था कि टेस्ला अगर देश में वाहनों को आयत करने में सफल रहा तो तो वह भारत में एक विनिर्माण इकाई स्थापित कर सकते हैं.

अस्मिता के प्रतीक

आदिवासी संस्कृति और अस्मिता के साथ ही जल,जंगल और जमीन पर आम लोगों के अधिकार की भावना से प्रेरित बिरसा उलगुलान विश्व की ऐसी धरोहर है, जो लोगों को अधिकारों, न्याय और समानता के लिए संघर्ष की चेतना प्रदान करती है. झारखंड के लिए यह गौरव की बात है कि उसके जंगलों, पठारों और घाटियों ने उस महानतम नायक को ब्रिटिश साम्राज्यवाद और सामंतवाद के खिलाफ उलगुलान का संदेश देते सुना और उसकी स्मृतियों को अब तक जीवंत बनाए हुए है. बिरसा मुंडा को याद करने का अब भी यही मतलब है कि झारखंडियों को न्याय मिले और उनकी जीवनशैली और विरासत को विकसित किया जाए. आज की दुनिया तकनीक संचालित है और ऐसे दौर में सहज और सहकार की भावनाओं से आतप्रोत आदिवासी देशज परंपराओं और समाजों के समक्ष अनेक चुनौतियां खड़ी हैं. आजादी के समय संविधान निर्माताओं ने इस बात का ध्यान रखा था कि आदिवासियों की जीवनशैली की सांस्कृतिक विशिष्टताओं का हर हालत में संरक्षण और संवर्द्धन की जरूरत है. इसीलिए छठी और पांचवीं अनुसूची के माध्यम से आदिवासी बहुल इलाकों के लिए विशेष व्यवस्था प्रदान करने की संवैधानिक गारंटी दी गयी, लेकिन इन गारंटियों को पूरी तरह अमल में उतारने की राह में अनेक बाधाएं बनी रहीं. इसलिए जरूरी है कि उन बाधाओं को दूर करने की दिशा में ठोस और निर्णायक कदम उठाए जाएं. इस दिशा में एक ठोस कदम 1996 में उठाया गया, जब संविधान संशोधन कर पेसा एक्ट बनाया गया, लेकिन झारखंड उन राज्यों में एक है, जहां पेसा एक्ट लागू तो है, लेकिन उसकी नियमावली अब तक नहीं बनी है. 27 साल गुजर जाने के बाद भी यदि आदिवासियों के स्वशासन की मूल भावना को संबोधित करने वाले पेसा एक्ट को कारगर तरीके से जमीन पर नहीं उतारा गया है तो गंभीरता से सोचने की जरूरत है. इस दिशा में बगैर देरी किए ठोस कदम का एलान जरूरी है. आदिवासी और व्यापक स्तर पर पूरे झारखंडी जनसमाजों के विकास को केवल योजनाओं के पैमाने पर ही नहीं मापा जाना चाहिए. जैसा कि संविधान सभा में ही कहा गया था कि विकास को आर्थिक योजनाओं की लागत मात्र से ही नहीं मापा जाना चाहिए, बल्कि यह भी ध्यान रखना चाहिए कि उन समाजों की विरासतों को बिना नुकसान पहुंचाए लोगों की जिंदगियों में विकास हुआ है या नहीं. बिरसा जयंती केवल एक प्रतीक भर नहीं है. यह एक जीवंत धड़कन है जो हालात को बदलने की राह प्रशस्त करता है. झारखंड की स्थापना के भी 23 साल पूरे हो गए हैं. अब बालिग झारखंड को सहकार, सहयोग और सद्भाव के साथ आगे ले जाने की दिशा में कूच करना चाहिए.

> बिरसा जयंती केवल एक प्रतीक भर नहीं है. यह एक जीवंत धड़कन है, जो हालात को बदलने की राह प्रशस्त करता है. अब बालिग झारखंड को सहकार, सहयोग और सद्भाव के साथ आगे ले जाने की दिशा में कूच करना चाहिए.

सुभाषित

यथा काष्ठं च काष्ठं च समेयातां महोदधौ ।
सहबद्ध च व्यपेयातां तद्वद् भूतसमागमः ॥

जैसे लकडी के दो टुकडे विशाल सागर में मिलते हैं तथा एक ही लहर से अलग हो जाते हैं उसी तरह दो व्यक्ति कुछ क्षणों के लिए सहवास में आते हैं फिर कालचक्र की गति से अलग हो जाते हैं. यही संयोग और वियोग का शाश्वत सत्य है. यह कभी भी और किसी के साथ संभव है.

बिरसा उलगुलान के मर्म को समझें

आज की वैश्विक दुनिया इस तरह के किसी भी विचार, संस्कृति और चेतना को प्रचलित अर्थतंत्र के लिए खतरा मानती है. इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन के संकटों और विषम होती परिस्थितियों ने आदिवासी जीवनशैली को एक बार फिर वैश्विक बहस का हिस्सा बना दिया है. बिरसा मुंडा और उनके राजनीतिक दर्शन की प्रसंगिकता यही है कि वह एक संतुलित, स्थायी और मानवीय प्रगति की राह बनाने का सूत्र प्रदान करता है.

• देश-काल

प्रवीण कुमार

उलिहातू राजनेताओं के लिए राजनीतिक पर्यटन के रूप में स्थापित हो चुका है, लेकिन इलाके की बदहाली आज भी पूर्व की तरह कायम है. कुपोषण, पलायन जैसे मुद्दे मुंडा अंचल की पहचान बन गए है. ऐसे में बिरसा मुंडा की जयंती का राजनैतिक मर्म दरअसल है क्या? क्या आज के राजनेता इस मर्म को आत्मसात कर सकते हैं. बिरसा मुंडा की स्मृति आदिवासी और वृहत्तर रूप में झारखंडी चेतना और राजनीतिक दर्शन का वह हिस्सा है, जिसे आज का हर राजनीतिक समूह अपने हितों के अनुकूल बना कर पेश करने का प्रयास करता है. इस तरह के प्रयासों के अपने खतरे भी हैं. खतरा तो यह है कि उलगुलान ने जिस राजनैतिक सांस्कृतिक फलसफे को सृजित किया और उससे जो स्वशासन, सांस्कृतिक अस्मिता और उन्नति के तरीके के देशज और विशिष्ट शैली की चेतना उभरती है, उसे खत्म कर आज की ग्लोबल विषमता पैदा करने वाली अर्थसंरचना के आखिरी पायदान का हिस्सा बना देना है. इसका एक बड़ा कारण तो वह प्राकृतिक संपदा है, जो आदिवासी बहुल इलाके की धरोहर हैं और दूसरा सहयोग, सहकार और लोकतंत्र की वह विरासत भी है, जिसका बुनियादी आधार समानता है. समानता का यह तत्व आदिवासी समाज को नए तरीके से गढ़ने और प्रकृति, मनुष्य और संपदा के सहकार और सहअस्तित्व का पाठ पढ़ाता है. आज की वैश्विक दुनिया इस तरह के किसी भी विचार, संस्कृति और चेतना को प्रचलित अर्थतंत्र के लिए खतरा मानती है. इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन के संकटों और विषम होती परिस्थितियों ने आदिवासी जीवनशैली को एक बार फिर वैश्विक बहस का हिस्सा बना दिया है. बिरसा मुंडा और उनके राजनीतिक दर्शन की प्रसंगिकता यही है कि वह एक संतुलित, स्थायी और मानवीय प्रगति की राह बनाने का सूत्र प्रदान करता है. दुनिया भर के आदिवासियों के लिए बिरसा उलगुलान का यही महत्व है. बिरसा मुंडा आज के जमाने में वैश्विक पहचान हासिल कर चुके हैं. खास कर अफ्रीकी देशो में वहां के आदिवासियों ने भारत के जिन आदिवासी आंदोलनों से सीख हासिल की है, उसमें बिरसा मुंडा का महत्व सर्वोपरि है. झारखंड के लोगों को अपनी इस विरासत के तमाम सकारात्मकता का ध्यान रखते हुए एक वैकल्पिक समाज संरचना के तत्वों को प्रस्तुत करने की जरूरत है. संताल हूल ने स्वतंत्रता और समानता का परचम लहराया था और बिरसा उलगुलान ने इसे आगे बढ़ाते हुए इसमें सांस्कृतिक चेतना का नया तत्व जोड़ा. मूल सवाल इस सांस्कृतिक चेतना की समझ की व्याख्या करना है. बिरसा मुंडा और उनके मुख्य सहयोगी भरमी मुंडा के बीच हुए रांची जेल में हुए संवादों को डा. कुमार सुरेश सिंह ऐसा राजनैतिक विचार बताते हैं, जिसमें धरोहर को भविष्य के अनुकूल बनाते विकसित करने का आह्वान मौजूद है. अंग्रेजी साम्राज्यवाद और स्थानीय सामंती तत्वों के खिलाफ आदिवासी समानता, स्वतंत्रता और लोकतंत्र के देशज मूल्यों की स्थापना के लिए थी. बिरसा मुंडा आदिवासियों के दिलों की धड़कन की तरह उनकी स्मृतियों और जिंदगी की बेहतरी के संघर्ष के प्रेरक, मार्गदर्शक और दार्शनिक की तरह मौजूद हैं. बिरसा मुंडा झारखंड ही नहीं, दुनिया भर के आदिवासियों की अस्मिता, प्राकृतिक संसाधनों पर आदिवासी हक और एक वैकल्पिक विश्व के विमर्श के केंद्र में हैं. अफ्रीकी लेखक चिनुवा अचिबे ने उत्पीड़कों को अपना इतिहास खुद लिखने की राह प्रशस्त किया और इसकी गूंज पूरी दुनिया में सुनायी पड़ने लगी. बिरसा मुंडा का इतिहास और संघर्ष उसी धारा में एक सशक्त नयी राह है. बिरसा मुंडा झारखंड के सुदूर गांवों में पूरी शिद्दत, जज्बे और संकल्प के साथ याद किए जाते हैं. बिरसा मुंडा के शोधकर्ता और उनकी जीवनी लेखक डॉ. कुमार सुरेश सिंह ने गांवों में बिरसा को याद किए जाने का एक जीवंत विवरण लिखा है. खूंटी में एसडीओ के रूप में पदस्थापित डॉ. सिंह एक गांव में रात में ठहरे हुए थे. उन्होंने लिखा है : मैं 30 दिसंबर 1960 को खूंटी से 28 किलोमीटर दूर, उबड़—खाबड़ पहाड़ियों की सर्पीली पंक्तियों के उस पार, बीरबांकी गांव में ठहरा हुआ था. रात के प्रारंभ का समय था. कुछ मुंडा उत्सवाग्नि के चारों ओर सामूहिक नृत्य करते हुए एक गीत गा रहे थे, जो बिरसा द्वारा 1900 के अंत में छेड़े गए मुंडाओं के एक महान उलगुलान के बारे में था : भाइयो, बहनो और बच्चो/भागो एक आंधी आ रही है/हमारी पृथ्वी आंधी से ढंक गयी/हमारे आकाश में कुहासा छा गया/हमारा देश बहता जा रहा है/अब हमें रास्ता दिखायी नहीं पड़ेगा/हमारा देश अंधकारमय हो गया है. यह उस क्रांतिकारी गीत की कुछ पंक्तियां हैं, जो बताती है कि मुंडाओं के गांव में बिरसा मुंडा किस तरह याद किए जाते हैं. 1960 में सुने गए इस गीत को आज भी किसी भी गांव में कभी भी अखाड़ों में सुना जा सकता है. ऐसे हजारों गीत हैं, जिन्हें गांव के लोगों ने सामूहिक तरीके से तैयार किया है और अपनी यादों में संजो रखा है. इससे जाहिर होता है कि बिरसा मुंडा आदिवासी गांवों में चाहे शादी-ब्याह हो या कोई पर्व-त्योहार, गीतों के माध्यम से उठ खड़े होते हैं और जल, जंगल, जमीन के अधिकार के आंदोलन की चेतना से लोगों को लैस कर देते हैं. यह सिलसिला न केवल खूंटी बल्कि दूरदराज पोड़ाहाट और सारंडा के जंगलों के बीच रातों के सन्नाटे को चिरते हुए अपने बेचैन सुरों में ध्वनित होने लगता है. इन इलाकों में पिछले साढ़े तीन दशकों से बहुत कुछ बदला है. अब हिंसा के शोर भी हैं और दहशत भी. बावजूद इसके आदिवासियों की यह उम्मीद अपराजेय है कि एक दिन बिरसा उलगुलान की असमाप्त कथा अंजाम तक पहुंचेगी. गांवों में आदिवासी चेतना का एक बोध है और उस बोध को जिन सांस्कृतिक विशेषताओं से गढ़ा गया है, उसमें बिरसा मुंडा की सबसे बड़ी भूमिका है. मुंडाओं के लिए बिरसा मुंडा बार-बार संघर्षो में जीवित होते हैं.

• बोधि-वृक्ष | ओशो

अंतः करण में वीणा

गौतम बुद्ध ने कहा, मेरे पास आओ तो आत्मश्रद्धा से भरकर आना. लड़खड़ाते पैर लेकर मेरे पास मत आना, क्योंकि लंबी यात्रा है, ऐसा न हो कहीं कि तुम मुझे अपनी बैसाखी समझो. मैं किसी की बैसाखी नहीं हूं. हां, मेरे चलने को देखो, मेरे चलने की कला को समझो. कैसे पैर बिना डगमगाए पड़ते हैं, यह देखो और समझो और कला सीखो. लेकिन पैर अपने ही हैं और यात्रा उन्हीं से होनी है—अप्प दीपो भव. अपने दीए खुद ही बनना होगा. रोशनी जलाने की कला किसी से भी सीख लो, लेकिन रोशनी तो अपनी ही जलानी होगी. आसरा मत ऊपर का देख सहारा मत नीचे का मांग यही क्या कम तुझको वरदान कि तेरे अंतस्तल में रहा राग से बांधे चल आकाश राग से बांधे चल पाताल धंसा चल अंधकार को भेद राग से साधे अपनी चाल भीतर है तुम्हारा संगीत. न तो आकाश का सहारा मांगो, न तो ऊपर का, न नीचे का. सहारा ही मत मांगो. सहारा मांगना अपमानजनक है. सहारे की बात ही तुम्हारे डुबाने का कारण बनी है. बहुत सहारे मांगे, कहां पहुंचे? भीतर के संगीत को पकड़ने की जरूरत है. जो तुम्हें चाहिए, तुम्हें मिला हुआ है; जरा पहचान बनानी है. जो चाहिए, हो सकता है अस्तव्यस्त हो. थोड़ी व्यवस्था जमानी है. जो चाहिए, हो सकता है अराजक हो और तुम्हारी समझ में ही न आता हो कि यहां क्या करें. थोड़ी समझ वहीं बढ़ानी है. वीणा तुम्हारे भीतर है. तार अलग पड़े होंगे, वीणा अलग पड़ी होगी, खंड—खंड में होगी. खंडों को जोड़ना है. यह भी हो सकता है—बहुत बार ऐसा मैं देखता हूं? बहुत लोगों के भीतर—वीणा खंड—खंड में भी नहीं है, वीणा बिलकुल तैयार है, उनकी अंगुलियों की प्रतीक्षा कर रही है, लेकिन उनकी अंगुलियां बाहर खोज रही हैं, बाहर टटोल रही हैं. और जितना जीवन में अंधकार बढ़ता जाता है, जितना जीवन में व्यर्थ का शोरगुल बढ़ता जाता है, उतनी बेचैनी से वे बाहर दौड़कर खोज में लग जाते हैं कि कहीं कोई संगीत, कहीं कोई सुराग, कहीं कुछ मिल जाए सहारा. और भीतर वीणा सड़ रही है तुम्हारी अंगुलियों की प्रतीक्षा में'. बुद्ध ने बड़ी अनुकंपा की कि तुम्हारे हाथ तुम्हारी तरफ मोड़ दिए. बुद्ध ने कहा, ले जाओ भीतर हाथ अपने, मुझे मत टटोलो. मेरी वीणा मैंने भीतर पाई है, तुम भी अपनी वीणा इसी तरह अपने भीतर पाओगे.

बिरसा के संदेशों को अपनाने की जरूरत

• बिरसा स्मृति

सनिका मुंडा

बिरसा आंदोलन के मूल में कई कारक थे. आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कारक. वह आंदोलन भूमि से लेकर सांस्कृतिक शोषण सम्बंधी तमाम समस्याओं के खिलाफ जनसंघर्ष था और साथ ही उन समस्याओं के राजनीतिक समाधान का प्रयास भी. वह आदिवासी और खासकर मुंडा समाज की आंतरिक बुराइयों और कमजोरियों को दूर करने का सामूहिक अभिक्रम भी था. बिरसा ने मुंडा समाज को पुनर्गठित करने का जो प्रयास किया, वह अंग्रेज हुकूमत के लिए विकराल चुनौती बना. बिरसा के नेतृत्व में आदिवासी समाज ने अंग्रेजी हुकूमत की चूलें हिला दीं. इस क्रम में बिरसा ने मुंडा आदिवासी और पूरे आदिवासी समाज की उन सांस्कृतिक समस्याओं के समाधान की दिशा में पहल किया, जो आदिवासी संस्कृति पर बढ़ते 'दबाव' की वजह से पैदा हुई और हो रही थीं. बिरसा आंदोलन का मर्म, उसकी विशालता और विशिष्टता को समझने के लिए झारखंड क्षेत्र की उन वास्तविकताओं को जानना जरूरी होगा, जो अंग्रेजों के आगमन के पूर्व समस्या थीं, लेकिन बाद में संकट बन गयीं. 1789 से 1885 तक हुए अन्य आंदोलनों के कारणों के विश्लेषण से बिरसा आंदोलन की पृष्ठभूमि स्पष्ट रूप से पहचानी जा सकती है. अंग्रेजी शासन के पूर्व ही झारखंड क्षेत्र में सामंती व्यवस्था जड़ जमाने लगी थीं. उसके कारण आदिवासियों की परम्परागत भूमि व्यवस्था और उससे सम्बद्ध प्रशासन की स्वायत्त प्रणालियां टूटने-फूटने लगीं. उसकी जगह नयी व्यवस्था कायम होने लगी. उस व्यवस्था ने आदिवासी जीवन में आर्थिक शोषण और सामाजिक अशांति के बीज बो दिये. ब्रिटिश शासकों ने उस व्यवस्था पर कब्जा जमा कर उसे ही 'कानून का राज' बना दिया. उसने आदिवासियों के पारम्परिक संगठनों और संस्थाओं को ध्वस्त किया. साथ ही उसने आदिवासी समाज में लोभ-लाभ के ऐसे तंत्र का निर्माण किया, जो आम आदिवासियों में आत्महीनता पैदा करे और कुछ वर्गों को पतन के लिए प्रेरित करे. परम्परागत भूमि व्यवस्था के तोड़े जाने और धार्मिक आधार पर सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन किये जाने की अंग्रेजों की कोशिशों के खिलाफ 1789 से 1831-32 के बीच झारखंड के छोटानागपुर क्षेत्र में कई आंदोलन हुए. 1831-32 का कोल विद्रोह उन आंदोलनों का चरमोत्कर्ष था. वह सही मायने में अंग्रेजों के खिलाफ प्रथम आदिवासी संघर्ष था. उसके पूर्व 1789 से 1820 के बीच मुंडा समूह के बीच विद्रोह की भावना सुलग रही थी. उसकी मुख्य वजह थी खूंटकट्टी व्यवस्था का विघटन. 1764 में बक्सर के युद्ध में पराजय के बाद मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय ने बंगाल का शासन तंत्र ईस्ट इंडिया कम्पनी को सौंप दिया. पंचपरगना के मैदानी क्षेत्रों में खूंटकट्टी व्यवस्था पर अंग्रेज शासन के प्रहार के कारण मुंडा आदिवासी समूह के लोगों को भाग कर दक्षिणी खूंटी और पूर्वी तमाड़ की पहाड़ियों के बीच बसना पड़ा था. कोल विद्रोह के रूप में मुंडा जनजाति के असंतोष की आग फूटी. उसे उरांव एवं अन्य जनजातियों का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ. विद्रोह की वह आग सिंहभूम से लेकर पलामू तक फैली. खरवारों ने भी उस विद्रोह का समर्थन किया. कोल विद्रोह के दौरान छोटानागपुर के तमाड़, बुंडू, सिल्ली और पंचपरगना के तमाम कोलों ने हथियार उठा लिये. कोल विद्रोह मुख्यतः बिचौलियों के खिलाफ संघर्ष के रूप में प्रगट हुआ. उस विद्रोह को समझौता के जरिये दबा दिये जाने और भूमिज विद्रोह को सेना की मदद से कुचल दिये जाने के बाद बिचौलिये फिर लौटे. इस बार बिचौलियों के वर्ग ने ब्रिटिश हुकूमत के संरक्षण में नये तेवर के साथ पूरे आदिवासी क्षेत्र में कहर बरपाया. तब से 'सरदार आंदोलन' की नींव पड़ी. अगस्त 1895 में वन सम्बंधी बकाये की माफी का आंदोलन चला. उसका नेतृत्व बिरसा के हाथ में आया. बिरसा मुंडा और उनका उलगुलान दरअसल अब तक तक जारी है, क्योंकि आदिवासियों के जल, जंगल और जमान के सवाल अब तक हल नहीं हो पाए हैं. रांची कारागार में बिरसा मुंडा को मार दिया गया, लेकिन आदिवासियों ने उनके संदेश को कभी भी विस्मृत नहीं किया. आजादी के बाद आदिवासी समाज की कुछ वास्तविक शिकायतें बनी रही हैं. अब भी वक्त है कि जल्द से जल्द आदिवासी विकास की देशज शैली को विकसित किया जाए. आदिवासी समाज न केवल प्रकृति का संरक्षक है, बल्कि उसका संवर्द्धन भी करता है.

> बिरसा के नेतृत्व में आदिवासी समाज ने अंग्रेजी हुकूमत की चूलें हिला दीं. इस क्रम में बिरसा ने मुंडा आदिवासी और पूरे आदिवासी समाज की उन सांस्कृतिक समस्याओं के समाधान की दिशा में पहल की, जो आदिवासी संस्कृति पर बढ़ते 'दबाव' की वजह से पैदा हुई और हो रही थीं. बिरसा विशिष्टता को समझने के लिए झारखंड क्षेत्र की उन वास्तविकताओं को जानना जरूरी होगा.

मुमकिन है वैकल्पिक विकास नजरिया

•बिरसा स्मृति

हर्षनील कबीर

झारखंड राज्य गठन के 23 सालों बाद भी झारखंड के जनगण को एक ऐसी विकास नीति की जरूरत है, जो उनके सांस्कृतिक मूल्यों और जीवन शैली के अनुकूल हो. यह एक ऐसा सवाल है, जिसका जवाब राज्य के राजनीतिक दलों के पास शायद ही हो. आमतौर पर आदिवासी समाजों के आंदोलनों के माध्यम से यह मुद्दा बारबार दस्तक तो देता है, लेकिन उस पर पूर्ण विमर्श और परिणाम तक पहुंचने से कतराने की प्रवृत्ति आम है.विकास की प्रचलित अवधारणा ने दुनिया में सबसे ज्यादा तनाव, अशांति, असमानता और पर्यावरणीय संकट खड़ा किया है. पूंजीवाद के रहते क्या इस विमर्श को रूपांतरित किया जा सकता है ? औद्योगिक क्रांति के बाद से विकसित हुए उत्पादन से साधन, उन पर नियंत्रण और प्रकृति को निचोड़ लेने की प्रवृत्ति निरंतर बढ़ती ही गयी है. तमाम तरह के क्लाइमेट चेंज के ग्लोबल सम्मेलनों के बाद भी हालात बदलने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं. विकसित, विकासशील और पिछड़े घोषित कर दिए गए देशों के बीच की प्रतिस्पर्धा, जीवन मूल्य और आकांक्षाएं उत्पादन के तरीकों, साधनों और नियंत्रण को एक जैसा ही बना चुकी हैं. यह एक ऐसा संकट है, जिसे व्यापक स्तर पर चुनौती देने वाला विमर्श, आंदोलन और विकास की अवधारणा अमूर्त है. आदिवासी समाजों के बीच कभी इन सवालों पर गंभीर चुनौती मिलती रही है, लेकिन उसका वर्तमान संदर्भ निराशाजनक है. आदिवासी समाजों में संसाधनों को ले कर अभी भी प्रतिरोध के स्वर प्रबल हैं. भारत सहित दुनिया भर के आदिवासी समाज प्रकृति और अपने जीवनबोध को लेकर सजग और संघर्षशील है. बावजूद इसके आदिवासी युवा समाज अपने ही पूर्वजों की विरासत और तर्कों से सहमत नजर नहीं आते हैं. हाल में किए गए एक अध्ययन से जाहिर होता है कि आदिवासी युवा और उसका पढ़ा-लिखा समाज इस सवाल पर अलग तरह से सोच रहा है. आदिवासी समाज को आमतौर पर एक एथनिक एकता से जोड़ा जाता है. वह अब भी ऐसा ही है, लेकिन कुछ बुनियादी बदलाव इस समाज के भीतर तेजी से उभर रहे हैं. इसमें तेजी से उभरते वर्ग-संरचना को नकारा नहीं जा सकता. इस हकीकत को ध्यान में रखने की जरूरत है. वर्तमान सामाजिक आर्थिक संरचना को अपने प्रतिरोधों से लगातार चुनौती देता यह समाज खुद भी एक वर्गीय संरचना में बदल रहा है और इससे इसकी एथनिक एकता भी प्रभावित हो रही है. इस नजरिए से विकास की जिस देशज अवधारणा की बात अब तक की जा रही है, उस पर पुनर्विचार अनिवार्य है. खास कर इस दौर में जबकि भारत एक बड़े राजनैतिक उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है और भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश संजीदा संकट का रूप धारण कर चुकी है. लैटिन अमेरिका के देश बोलेविया में एक इंडिजनस राष्टपति इवो मारोलेस ने कुछ नए प्रयोग किए थे. वे खुद अयमारा आदिवासी हैं. उन्होंने आदिवासी हितों के अनुकूल अनेक कानून बनाए हैं. मदर अर्थ जैसा उनका कानून दुनिया भर में चर्चा का विषय है. वेनेजुएला की तरह उन्होंने भी अनेक कंपनियों का राष्ट्रीयकरण किया है. इससे जनतंत्र का एक नया चेहरा उभरा है. बावजूद इसके उत्पादन से साधन और संबंध में कोई बुनियादी बदलाव लाने में वे भी कारगर साबित नहीं हुए हैं. अनुभव बताता है कि इसने जिस तरह के विकास और असुरक्षा का माहौल बनाया है, उससे पृथ्वी ही संकट में पड़ गयी है. पर्यावरण के बदलाव संकेत करते हैं कि विकास का पूरा माडल और संरचना बदला जाना जरूरी है. आदिवासी समाजों की विरासत और इसके जीवनबोध से बहुत कुछ सीखा जा सकता है. आदिवासी प्रतिरोध केवल संसाधनों की लूट के खिलाफ उलगुलान नहीं हैं, बल्कि वे दुनिया की राजनीतिक-आर्थिक संरचना के खिलाफ है. इसे ठोस रूप से सामने लाने के लिए आदिवासी समाजों के अनुभवों के बीच से संवाद की जरूरत है. अपने बदलते सामाजिक परिप्रेक्ष्य के बावजूद आदिवासी प्रतिरोध उम्मीद की किरण हैं. इन प्रतिरोधों का स्वर वर्तमान विकास के मॉडल को चुनौती देता है, लेकिन वह विकास की किसी पुरातन गतिरुद्धता का पक्ष भी नहीं है. यह अंतरविरोधों भरी बात लग सकती है, लेकिन इस तथ्य को रेखांकित किए जाने की जरूरत है कि आदिवासी समाज एक गतिशील सांस्कृतिक संरचना की सहज प्रक्रिया है, जो वर्तमान सांस्कृतिक संरचना के समानांतर खड़ा है.

> तमाम तरह के क्लाइमेट चेंज के ग्लोबल सम्मेलनों के बाद भी हालात बदलने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं. विकसित, विकासशील और पिछड़े घोषित कर दिए गए देशों के बीच की प्रतिस्पर्धा, जीवन मूल्य और आकांक्षाएं उत्पादन के तरीकों, साधनों और नियंत्रण को एक जैसा ही बना चुकी हैं.

मीडिया में अन्यत्र

छोटे कारोबारों की दस्तक

भारत में क्या घटित हो रहा है यह समझना कभी भी आसान नहीं रहा है क्योंकि यहां हमेशा विरोधाभासी कथानक मौजूद रहते हैं. एक कहानी यह है कि भारतीय कारोबार तेजी से ऐसी स्थिति में पहुंच रहे हैं जहां कुछ प्रभावशाली कारोबारी अधिकांश क्षेत्रों पर दबदबा कायम कर रहे हैं और एक तरह का आर्थिक केंद्रीकरण हो रहा है.स्टील हो या सीमेंट, विमानन या वाहन, दूरसंचार या बैंकिंग, संगठित खुदरा कारोबार या मीडिया, बंदरगाह या हवाई अड्डे, इन सभी में छोटे कारोबारियों को या तो खरीद लिया जा रहा है (खुदरा क्षेत्र में मेट्रो और फ्यूचर, हवाई अड्डों मंर जीवीके, बंदरगाहों में कृष्णापत्तनम के साथ यही हुआ), या फिर वे बंद हो जाते हैं (विमानन में किंगफिशर, जेट एयर और गो एयर), या एकदम हाशिये पर चले जाते हैं (कई सरकारी बैंक, दूरसंचार क्षेत्र में वीआई) या बाजार से बाहर हो जाते हैं जैसे कि फोर्ड और जीएम.इसके अलावा पोर्टफोलियो प्रबंधन कंपनी मार्सेलस के डेटा विश्लेषण के मुताबिक भारतीय कॉर्पोरेट जगत के 46 फीसदी मुनाफे में केवल 20 कंपनियां हिस्सेदार हैं. एक दशक से दूसरे दशक के बीच शीर्ष 20 कंपनियों में कोई खास परिवर्तन नहीं आया.यदि कंपनियां इससे बाहर भी हुईं तो ज्यादातर मामलों में सरकारी कंपनियां थीं. अगर केवल शीर्ष निजी कंपनियों को ही गिना जाए तो करीब 15 कंपनियां सबसे अधिक मुनाफे वाली रही हैं और परिभाषा के मुताबिक बीते दो दशक यानी 2002 से 2022 के बीच उनका दबदबा लगातार बढ़ा है.शीर्ष 20 कंपनियों में केवल सूचीबद्ध कंपनियां शामिल हैं जबकि कई अन्य महत्त्वपूर्ण कारोबार जिनमें अधिकांश विदेशी स्वामित्व वाले हैं वे गैरसूचीबद्ध रहे हैं- ह्युंडै और कोका-कोला, सैमसंग और बॉश आदि ऐसी ही कंपनियां रहीं, हालांकि इनमें से कई अब बाजार में अच्छी पहुंच बना चुकी हैं. इसका एक आसान स्पष्टीकरण यह होगा कि 2012-22 के दशक में अर्थव्यवस्था बहुत धीमी गति से विकसित हुईः ऐसे में शेयरधारकों का प्रतिफल प्रभावित हुआ. धीमी वृद्धि के साथ छोटे कारोबारियों के लिए माहौल और कठिन हो गया.

(बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

जरूरत/चाहत/ख्वाहिश

जरूरत है जरूरत है जरूरत है, एक श्रीमती की, कलावती की, सेवा करे जो पति की, जरूरत है जरूरत है जरूरत है. यह गाना तो आपने अवश्य ही सुना होगा. इसलिए कि यह गाना 1962 ई. में बनी फिल्म मनमौजी का है, जिसे किशोर कुमार ने बहुत ही मजेदार ढंग से गाया है. किशोर कुमार की नशीली आवाज और अनोखे अंदाज के कारण यह गाना अपने समय में तो सुपर हिट था ही, अभी भी उसका जादू तनिक भी कम नहीं हुआ है. मैंने पहली बार सुना फिर सिलसिला बन गया और फिर जरूरत.. संभव है यह अतिशयोक्ति लगे, लेकिन मेरे दिल की बात है. जब जरूरत शब्द पर विचार किया तो इससे मिलते-जुलते भाव वाले दो शब्द और मिले चाहत और ख्वाहिश. हालांकि इन तीनों शब्दों में बहुत अंतर है. हिंदी शब्दकोशों के अनुसार ख्वाहिश फारसी मूल का संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका मतलब होता है अभिलाषा, कामना, इच्छा, लालसा, तलब, आकांक्षा, चाहत, महत्वाकांक्षा. जरूरत अरबी भाषा मूल का संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका मतलब है आवश्यकता, चाह, आकांक्षा, सबब, कारण, प्रयोजन, हाजत, तंगी. चाहत हिंदी मूल का संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका अर्थ है किसी को अनुराग पूर्वक चाहने की अवस्था या भाव, चाह, प्रेम, अनुराग, आसक्ति, आकांक्षा, इच्छा.अभिरुचि, इश्क, प्रीति, लगाव. इन तीनों शब्दों के अर्थ में आकांक्षा शब्द है. यानी आकांक्षा जरूरत में भी है, चाहत में भी और ख्वाहिश में भी. इस समानता के बावजूद तीनों शब्दों में काफी अंतर है. भूख के लिए रोटी जरूरत है और पिज्जा चाहत. चाहत जब इससे आगे बढ़ कर प्रबल रूप में सामने आती है तो वह ख्वाहिश बन जाती है. सोने के लिए बिस्तर जरूरत है और एयर कंडीशनर चाहत. चाहत जब एयर कंडीशनर से भी आगे बढ़ जाती है तो वह ख्वाहिश है. कहावत है-जरूरत एक फकीर की भी पूरी हो जाती है, लेकिन ख्वाहिश एक बादशाह की भी पूरी नहीं हो पाती.

मोबाइल है तो जिंदगी का आनंद दूना

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

उन दिनों मोबाइल नया नया प्रचलन में आया था. कुछ ही लोगों के पास था. जिनके पास था वे उसे दिखाने के लिए अपने कमरे से निकल कर वरांडे में बात करते थे. सुबह के समय सैर करते वक्त तो मोबाइल से बात करना एक रिवाज सा बन गया था. यह रिवाज आज भी कायम है. टहलते वक्त अक्सर आपको ऐसा लग सकता है कि आपके पीछे कोई दो लोग बात कर रहे है. आप जिज्ञासावश पीछे मुड़कर देखते हैं तो बजाय दो के, एक ही व्यक्ति, अपने मोबाइल पर बात करते हुए पाते हैं. मोबाइल की फितरत ही ऐसी है कि वह आपको अकेला नहीं रहने देता. मोबाइल से आप किसी को भी कभी भी बुला सकते हैं. साक्षात प्रकट हुए बिना ही व्यक्ति आपसे बात करने लगेगा. वह आपको अकेले नहीं रहने देगा. आपके एकांत और एकाकीपन को पूर्ण-ग्रहण लगाता है मोबाइल. क्या आपको यह नहीं लगता की "मोबाइल" एक मिसनोमर है. शब्दार्थ के अनुसार मोबाइल वह है, जो अचल न होकर चल हो, गतिशील हो, चंचल और परिवर्तनशील हो, लेकिन हमारा यह मोबाइल न तो स्वयं चल सकता है और न ही इसमें अपने आप कोई परिवर्तन हो सकता है. फिर भी कहलाता 'मोबाइल' है! मोबाइल यानी जो अचल न हो. चल-फिर सके. जो 'मूव' कर सके. चलता फिरता रहे. भला नाम में क्या धरा है. 'यथा नाम तथा गुण' वाली कहावत तो शायद ही कभी चरितार्थ होती हो! तो फिर मोबाइल से ही हम असंभव अपेक्षाएं क्यों पालें? पहले कहा जाता था 'समय बिताने के लिए शुरू करो कुछ काम – शुरू करो अन्ताक्षरी लेकर हरिं का नाम'. आज हम सभी को जब समय बिताना होता है या जब हम फुरसत में होते हैं, मोबाइल लेकर बैठ जाते हैं तथा सोशल मीडिया पर कमेन्ट करने लग जाते हैं. चाहे घर हो या आफिस हम मोबाइल से नज़र नहीं हटाते. उससे चिपके ही रहते हैं, भले ही गर्दन ही क्यों न दुखने लगे. एक रिपोर्ट के अनुसार मोबाइल इस्तेमाल करने वाले प्रतिदिन दो से चार घंटे मोबाइल पर ही रहते हैं. यह भी एक तरह की लत है, बीमारी है. इसे 'मोबाइल-सिंड्रोम' कहा जा सकता है. इसमें कई तरह की समस्याएं होने की आशंका रहती है. आजकल कितने ही लोग इस रोग से ग्रसित हैं. इसका असर कंधे और मांसपेशियों पर तो पड़ता ही है, हमारे मूड और व्यवहार पर भी पड़ता है. चेहरे पर झुर्रियां आना और चेहरे की चमक गायब हो जाना, सर दर्द, स्मरण शक्ति का कम होना तथा पीठ का दर्द तो आम बात है ही, मोबाइल के अधिक और लगातार इस्तेमाल से हम 'डिप्रेशन' के भी शिकार हो सकते हैं.

her Story

रानी सुमिता
साहित्यकार

झारखंड-बिहार ऐसे राज्य हैं जहां पितृसत्तात्मक सामाजिक ढांचे के बावजूद बेटियां परिवार की आत्मा मानी जाती हैं. इन प्रदेशों में समाज का प्रत्येक वर्ग पुत्रियों के प्रति अनन्य अनुराग, वात्सल्य और प्रेम रखता है. विडंबना यह है कि बिहार में प्रारंभ से ही पिता की समर्थता और सार्थकता उनके दहेज के लिए संचयित रुपयों की मात्रा के अनुसार की जाती रही है जिसके कारण बेटी के प्रति अथाह मोह और उन्हें समर्थ बनाने के बावजूद पिता के माथे पर चिंता की लकीरें भी गहराती रही हैं यहां. परन्तु अब एक बदलाव भरा समय है और विवाह अब दहेज के कठोर दामन से कुछ हद तक मुक्त होने की कोशिश करता हुआ दिखता है. मुझे लगता है कि अब बिहार में लोग ज्यादा मुक्त होकर बेटियों की सफलता का आनंद उठा पा रहे हैं. वैसे यह बिहार का अपना नैसर्गिक स्वभाव है जहां बेटों की मांएं भी बेटी के न होने पर घर में पूर्णता नहीं महसूस करतीं. सचमुच बेटियों की रूनझुन के बिना घर की देहरी सूनी है और उनके नखरों और ठुनकन के बिना आंगन झंकारहीन! उनके अपनेपन से भींजता है पिता का मन, उनके सहारे से भरोसेमंद रहती है मां. बचपन में बेटी की चोटी में रिबन बांधती मां, उसमें अपने मन के सारे छूटे-बचे सपनों को पूरा करने की मन्नतें बांधती है.

बेटी मांगबो जरूर

प्रकृति के प्रति कृतज्ञता

अगर बात करूं हमारे प्रकृति के महापर्व छठ की जिसका पुरातन काल से अपना महत्व रहा है. हमारे बिहार-झारखंड, उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में यह पर्व बहुत पवित्रता और अन्तर्मन से मनाया जाता है. इसे प्रकृति की सबसे सार्थक और संपन्न पूजा कहा जाता है. प्रकृति के प्रति प्रथमतः करबद्ध कृतज्ञता और धन्यवाद ज्ञापन के बाद मन्नत जैसी मानवीय इच्छाओं के ताने बाने से बंधा है पौराणिक महापर्व छठ!

द्रौपदी व सीता ने भी किया था छठ

लंका विजय के पश्चात् सीता और राम ने घंटों जल में खड़े रह कर सूर्यदेव को अर्घ्य दिया था. यह लंका महाविजय के लिए ईश्वरीय सहयोग के प्रति कृतज्ञता थी. आज कलियुग में भी उस पावन पर्व को करते हुए हम साधारण लोग भी प्रथमतः ऐसी अलौकिक प्रकृति के बीच हमें संजो कर रखने के लिए हमारे एकमात्र प्रत्यक्ष देवता सूर्य देव का आभार प्रकट करते हैं. महाभारत काल में द्रौपदी ने अपने परिवार की कुशलता और सुख समृद्धि के लिए छठ व्रत रखा था जबकि राजा कर्ण द्वारा किए गए छठ व्रत का उद्देश्य सामाजिक कल्याण था. संतान प्राप्ति के लिए राजा प्रियवद ने देवी षष्ठी यानी छठी मां का व्रत किया था.

पुरोहित का प्रवेश नहीं

पुरातन काल से चले आ रहे इस महापर्व में आराधना के उद्देश्य व्यापक रहे हैं. इस महापर्व में आम लोग खुद आराधक हैं अपने आराध्य के. बीच में किसी पुरोहित का प्रवेश नहीं. पवित्रता और आस्था एक दूसरे के पूरक हैं. जहां पवित्रता है, ईश्वर वहीं तो विराजमान हैं. पवित्र तन और मन के साथ सूरज की आराधना और सूर्य की बहन छठी माय की उपासना यानी इससे सरल सीधा संपर्क प्रकृति से संभव नहीं.

सरलता का प्रतीक

सूरजदेव हमेशा से शक्ति के प्रतीक रहें हैं, उन्हें अर्ध्य देकर उपासना करना उनकी शक्ति को अपने अंदर समाहित करने की कामना है. सूरज देव की मानस बहन छठी मैया को प्राकृतिक चीजों से पूजना, जैसे सूप और सभी मौसमी फल यानी प्रकृति की यह पूजा प्रकृति की पुत्री "धरती" से उत्पन्न और सरलता से प्राप्त वस्तुओं से होती है क्योंकि सरलता ही हमारी पूंजी है, हमारी पहचान भी.

समानता का संदेश

इस महापर्व को करने का उत्साह ऐसा कि स्त्री-पुरुष का कोई भेद नहीं. कई घर में पुरुष ही छठ करते हैं. जैसे मेरे परिवार में पिता छठ करते थे और अब मेरे बड़े भाई इस पर्व को करते हैं. कैसा अद्भुत समा होता है कि महिलाएं और पुरुष सभी समान भाव से छठ पूजा में सफाई करने से लेकर खरना के चावल बीनने, गेहूं धोने, प्रसाद ठेकुआ बनाने में जुटते हैं. फिर छठी मैया से मन्नत मांगने में कैसा विभेद!

वैसे भी गार्गी, ओपाला,मैत्रेयी जैसी विदुषी बेटियों की साक्षी रही हमारी धरती जानती है कि बेटियां केवल गर्भ नाल से नहीं जुड़ी होती बल्कि आत्मा से उनका जुड़ाव होता है. इसलिए आत्मजा कहलाती हैं बेटियां. इसलिए तो छठ में छठी मैया से गुहार लगाते जबान नहीं थकती कि बेटी मांगबो जरूर ...

बेटियों के लिए मन्नत

यह व्रत अपनी अत्यंत मोहक गीतों द्वारा छठी मैया से कर बद्ध प्रार्थना करता है और उनके आगमन पर पलक पांवड़े बिछाता है, वही छठ मां से हठी बालक की तरह अपनी उम्मीदों को, अपनी मन्नतों को पूर्ण करने का मनुहार करता है. यहां यह विशेष रूप से ध्यान देने की बात है कि बिहार के इस महापर्व में बेटी के लिए भी करबद्ध मन्नत की जाती है जिसे सुन मन भीग भीग जाता है...

रूनकी झुनकी बेटी मांगी ले
पढ़ल पंडितवा दमाद
हे छठी मैया दर्शन दींही न आपन

बेटे-बेटी में समानता

एक सक्रिय बेटी की कामना बिहार की मिट्टी करती है. हर घर में गाया जाने वाला यह लोक गीत बहुत शिद्दत से बेटी की यदि मांग करता दिखता है तो यह उनके सहज समाज की पहचान है. यह ऐसे समाज की स्वाभाविक मांग है जहां तमाम उतार चढ़ाव के बावजूद बेटी और बेटे को एक ही नजर से देखा जाता है और दोनों का परिवार में सहर्ष स्वागत करता है.

हे छठी मैया

पांच गो बेटा मांगबो, एगो बेटी मांगबो जरूर

ऐसे लोकगीत झारखंड-बिहार में बेटी के प्रति बसने वाले स्वाभाविक प्रेम की खुली चिठ्ठी है. ऐसा इसलिए कि संतान को हम महत्वपूर्ण मानते हैं और विचार करते हैं कि हे छठी मां हमें सशक्त और उर्जा से भरी संतान देना जो भविष्य में एक उत्तम नागरिक बन सके.

बेटियां खुद गढ़ेंगी किस्मत

हमारे झारखंड-बिहार में जब पिता की आर्थिक स्थिति कच्ची रहती थी तब बेटियों के जन्म पर, अक्सर यह कहा जाता रहा है कि हर बेटी अपना किस्मत खुद लेकर आती है, इसलिए हर जन्मी बेटी का बिहार में सदा स्वागत किया जाता रहा है. वहीं अब तो यह कहा जाता है कि सभी बेटी अपना किस्मत खुद गढ़ेगी. यानी एक सकारात्मक सोच लेकर चलते समाज में बेटियां अपनी किस्मत बदलने की दिशा में तेजी से अग्रसर हैं.

कुछ मीठा हो जाए

रानी प्रसाद
पाक कला विशेषज्ञ

कुकरी एक्सपर्ट रानी प्रसाद आज बता रही हैं घर में मिठाई बनाने के कुछ आसान लेकिन बेहद टेस्टी रेसिपी...

कलाकंद

ये चाहिए

दूध : डेढ़ किलो छेना फाड़ने के लिए
दूध : आधा किलो रबड़ी बनाने के लिए
चीनी : चार चम्मच
गुलाब जल : एक चम्मच
केसर के धागे : थोड़े से

ऐसे बनाएं

सर्वप्रथम एक पैन में डेढ़ किलो दूध डालकर खौला लें. तत्पश्चात उसमें नींबू का रस या विनेगर डालें और छेना फाड़ लें. इस छेना को सूती कपड़े में छान कर पानी निचोड़ लें और इसे एक गिलास पानी से धो लें ताकि नींबू का या विनेगर का खट्टापन इसमें ना रहे. अब इसे कपड़े में निचोड़ कर छेना को सूखा बना ले. अब एक पैन में आधा किलो दूध खौलने के लिए रखें और दूध को राबड़ी के समान गाढ़ा कर लें. तत्पश्चात इसमें चार चम्मच चीनी डालें और छेना भी डालें और लगातार चलाएं जब तक इसका पानी बिल्कुल सूख न जाए. अब इस मिश्रण को एक थाली में शुद्ध घी लगाकर जमा दें. कलाकंद तैयार है.

नोट : *कलाकंद जमाने के पहले इसमें गुलाब जल मिला लें और इनपर केसर के धागे स्प्रेड कर दें. ये मिठाई मात्र आधे घंटे में तैयार हो जाती है. लेकिन इसे जमाने के बाद फ्रिज में जरूर रखें और तब पीसेज में काटें.*

पान संदेश

ये चाहिए

पनीर : एक कप
मिल्क पाउडर : एक कप
नारियल का बुरादा : आधा कप
पान एसेंस : दो ड्राप
खाने वाला हरा रंग : एक ड्राप

भरावन की सामग्री

गुलकंद : दो चम्मच
टूटी फ्रूटी : दो चम्मच
ड्राई फ्रूट्स : दो चम्मच

ऐसे बनाएं

सर्वप्रथम पनीर को मिक्सी में चला दें. अब इसमें मिल्क पाउडर भी डालकर चला दें. उसके बाद इसे मिक्सर से बाहर निकाल कर इसमें नारियल का बुरादा, एक बूंद कलर और दो बूंद पान एसेंस मिला दें. अब इस पेस्ट के गोल-गोल पेड़ा जैसा बनाएं और बीच में गड्ढ़ा बना दें. तत्पश्चात से इस पेड़े को नारियल के बुरादे से कोट कर दें. इस पेड़े में गड्ढ़ा बनाए और इसमें ड्राई फ्रूट्स गुलकंद और टूटी फ्रूटी को मिलकर भर दें. यह बहुत ही स्वादिष्ट पान संदेश है.

नोट : *यह शुगर फ्री मिठाई है और खाने में लाज़बाब है.*

बालों में जब लगाएं मेहंदी

कमलजीत कौर
ब्यूटी एक्सपर्ट

बालों में मेहंदी लगाने की परंपरा पुरानी है. इससे बालों के शाइन, रंगत और वॉल्युम में इजाफा होता है. लेकिन मेहंदी लगाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है. आइए, हम इसपर करें चर्चा...

मेहंदी लगाने से पहले जरूर करें पैच टेस्ट

बालों में मेहंदी लगाना हमेशा उसके लिए हितकर ही हो, यह जरूरी नहीं. इससे आपको स्किन रिएक्शन भी हो सकता है जिसकी वजह से बाल झड़ने लगते हैं साथ ही बालों में एलर्जी हो जाती है. इसलिए जरूरी है कि आप कोई भी मेहंदी को लगाएं तो एक्सपर्ट की सलाह लें या कम से कम पैच टेस्ट जरूर करें.

ड्राई बालों में न करें मेहंदी अप्लाई

अगर आपके बाल बहुत ड्राई हैं तो पहले बालों में तेल लगाएं फिर मेहंदी लगाएं. इससे आपके बाल ड्राई नहीं होंगे और रंग भी बेहतर होगा. कई लोग मेहंदी में बटर मिला कर भी लगाते हैं जिससे भले रंगत अधिक न हो लेकिन बालों में चमक बढ़िया आती है.

इससे बेहतर रंगत आएगी

रंगत के लिए मेहंदी लगाना चाहती हैं तो कॉफी पाउडर, बीटरूट का रस आदि इसमें मिलाएं. इससे बालों में बेहतर रंगत आएगी.

इन बातों का रखें ध्यान

बालों में लगी मेहंदी को कभी भी ड्रायर की मदद से न सूखाएं. महीने में एक बार से अधिक मेहंदी नहीं लगाएं. मेहंदी लगाकर कभी भी अधिक देर नहीं छोड़ें. चालीस मिनट या बहुत हुआ तो एक घंटा, इससे अधिक देर मेहंदी नहीं लगाएं. संभव हो तो मेहंदी के ताजे पत्ते पीस कर लगाएं. मेहंदी लगाना बालों के लिए बेशक फायदेमंद है लेकिन इन दिनों शुद्ध मेहंदी कम मिलती है, इसलिए कई बार बाल झड़ने व दूसरी शिकायतें सामने आती है.

लिख नहीं पाता बेटू

डॉ स्वर्णाली बोस
क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट

जब बात पढ़ने की आती है तो बेटू में कोई कमी नहीं दिखती. लेकिन उससे लिखाते समय पैरेंट्स और टीचर परेशान हो जाते पर वह लिख नहीं पाता. या तो शब्दों को उल्टा लिख देता या बिखरे बिखरे शब्द लिखता है. अगर आपको भी अपने लाडले से बस यही शिकायत है तो मनोवैज्ञानिक से मिलें. उसे डिसग्राफिया की शिकायत हो सकती है.

पहचानिए

बिखरे हुए शब्द लिखना, पेंसिल को सही तरीके से नहीं पकड़ना, शरीर को झुका कर बैठना, पेपर को बहुत पास से पढ़ना, लिखने से बचने के लिए बहाने मारना या रोना, अधिक कांट छांट करना, एक जैसे अक्षर जिनकी दिशाएं विपरीत हों, जैसे बी और डी में कंफ्यूजन करना या उल्टे लिख देना.

मदद कीजिए

टीचर और पैरेंट्स उस पर झुझलाने की बजाय मदद करें. लिखने के लिए जम्बो पेंसिल इस्तेमाल में दें. लाइन खिंची हो, वैसे ही पेपर में लिखने को दें. ऐसे बच्चों को क्लास असाइनमेंट या होमवर्क के लिए थोड़ा अधिक समय देना चाहिए. डिटेक्शन करने में समस्या हो तो बच्चे के लिए किसी बड़े को डिटेक्ट करने की अनुमति दे जिसे वह बाद में कॉपी कर लेगा. हाथ से लिखने की बजाय उसे कंप्यूटर पर लिखने की सुविधा देनी चाहिए.

सुकून की सांस, आंखों की तरावट

एक बार फिर वायु प्रदूषण से लोग परेशान हैं. बेशक देश की राजधानी की तुलना में हम झारखंड में कहीं अधिक सुकून और राहत से है, लेकिन ये समस्याएं ऐसी हैं जिनसे मुंह नहीं मोड़ा जा सकता है. हमें इसके बारे में बहुत ही गंभीरता से सोचना होगा और जब तक एक स्थिर और सटीक समाधान नहीं मिल जाता, जब तक अपने स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए हमें ही सही क़दम उठाने की ज़रूरत है. आज हमें एक बेहद ही आसान और सटीक तरीक़े पर चर्चा करेंगे जिससे हम कम से कम अपने घर की हवा शुद्ध रख सकेंगे. इसके लिए आपको इन पौधों को अपने घर में जगह देनी होगी...

पीस लिली

खूबसूरत फूलों व कम देखभाल वाला यह पौधा नमी वाली मिट्टी में बहुत ही बढ़िया तरीक़े से पनपता है. इसे डायरेक्ट सन लाइट की ज़रूरत नहीं होती है. यह घर में फैली नमी को सोखता है और फफूंद बढ़ने से रोकता है.

ज़ेड प्लांट

ज़ेड प्लांट इनडोर ह्यूमिडिटी को बढ़ाता है. धूल और पराग जैसी एलर्जी पैदा करनेवाले कणों से मुक़ाबला करता है. यह रात में ऑक्सीजन छोड़ता है, इसलिए यह एक बेस्ट बेडसाइड प्लांट माना जाता है.

एरिका पाम

एरिकापाम हवा से हानिकारक कणों को अवशोषित करके हवा को किटाणुमुक्त बनाने में मददगार है. आंखों में खुजलाहट, त्वचा का सूखापन व गले की ख़राश जैसी समस्याएं दूर होती हैं.

मनी प्लांट

मनी प्लांट कार्बन मोनोऑक्साइड जैसे हानिकारक प्रदूषकों को अवशोषित करके हवा को शुद्ध करता है. एक्वेरियम के शौकीन हैं तो इसमें भी इसे उगाएं. यह मछलियों को नाइट्रेट्स से भी बचाता है.

स्नेक प्लांट

स्नेक प्लांट हवा को शुद्ध करता है, एलर्जी को रोकता है और टोल्यूनि, ज़ाइलीन, बेंजीन और फ़ॉर्मलाडेहाइड जैसे कैंसर पैदा करनेवाले एजेंटों को दूर रखने में मददगार होता है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करना चाहेंगी दोनों टीमें

विश्व कप : विजय रथ पर सवार भारतीय टीम के सामने के न्यूजीलैंड की चुनौती

सेमीफाइनल-1 आज

2019 विश्व कप सेमीफाइनल में मिली हार का बदला लेना चाहेगा भारत

भाषा । मुंबई

लीग चरण में लगातार नौ मैच जीत चुकी भारतीय टीम आत्मविश्वास से ओतप्रोत है लेकिन अब नॉकआउट चरण में पिछला प्रदर्शन मायने नहीं रखता और बुधवार को विश्व कप के पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा. मैनचेस्टर में 2019 विश्व कप में इसी टीम से मिली हार अभी भी भारतीय टीम के जेहन में ताजा होगी. न्यूजीलैंड ने 2021 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भी भारत को हराया था. इस बार भारतीय टीम का प्रदर्शन इतना जबर्दस्त रहा है कि खिताब का इंतजार खत्म होने की उम्मीद बंधी है. रोहित शर्मा की टीम को बखूबी पता है कि वानखेड़े स्टेडियम पर कोई भी चूक करोड़ों प्रशंसकों के दिल तोड़ देगी. इसी वानखेड़े स्टेडियम पर 2011 में भारत ने 28 साल बाद वनडे विश्व कप जीता था. अपेक्षाओं के भारी दबाव पर भारत को खरा उतरना होगा. कप्तान रोहित और कोच राहुल द्रविड़ को पता है कि अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाने पर क्या होता है. उन्हें हालांकि अपने खिलाड़ियों में से नाकामी का भय निकालकर उन्हें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिये प्रेरित करना होगा. भारतीय क्रिकेटप्रेमी दुआ करेंगे कि रोहित टॉस जीते और सही फैसला ले. इस मैदान पर लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम फ्लडलाइट में जल्दी विकेट गंवाती आई है क्योंकि नयी गेंद को जबर्दस्त स्विंग मिलता है. भारत और न्यूजीलैंड के गेंदबाज नयी गेंद से खतरनाक साबित हो सकते हैं. ऐसे में भारत के सलामी बल्लेबाजों रोहित और शुभमन गिल पर बहुत कुछ निर्भर करेगा. रोहित अभी तक टूर्नामेंट में 503 रन बना चुके हैं और इस लय को जारी रखना चाहेंगे. गिल ने सात मैचों में 270 रन ही बनाये हैं और वह एक खास पारी खेलना चाहेंगे.

मैच दोपहर दो बजे से वानखेड़े स्टेडियम में होगा

टीमें

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, लोकेश राहुल, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, रविचंद्रन अश्विन, इशान किशन ,सूर्यकुमार यादव, प्रसिद्ध कृष्णा.

न्यूजीलैंड : टॉम लाथम (कप्तान), डेवोन कॉनवे, विल यंग, मार्क चैपमैन, डेरिल मिशेल, जेम्स नीशाम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिशेल सेंटनर, ईश सोढी, टिम साउथी, ट्रेंट बोल्ट, लॉकी फर्ग्युसन और मैट हेनरी

विश्व कप में भारत-न्यूजीलैंड का इतिहास

तारीख	विजेता	जीत का अंतर	वेन्यू
22-अक्टूबर 2023	भारत	4 विकेट	धर्मशाला
9-जुलाई 2019	न्यूजीलैंड	18 रन	मैनचेस्टर
13-जून 2019	टाई	—-	ट्रेंट ब्रिज
14-मार्च-2003	भारत	7 विकेट	सूबेदार
12-जून-1999	न्यूजीलैंड	5 विकेट	नॉटिंघम
12-मार्च-1992	न्यूजीलैंड	4 विकेट	डुनेडिन
31-अक्टूबर 1987	भारत	9 विकेट	नागपुर
14-अक्टूबर 1987	भारत	16 रन	बेंगलुरु
13-जून 1979	न्यूजीलैंड	8 विकेट	लीड्स
14-जून 1975	न्यूजीलैंड	4 विकेट	मैनचेस्टर

इस विश्व कप में वानखेड़े के रिकॉर्ड

कुल मैच- 4

- पहले बल्लेबाजी करते हुए जीत - 3
- पहले गेंदबाजी करते हुए जीत - 1
- पहली पारी में औसत स्कोर - 357
- दूसरी पारी में औसत स्कोर - 188

सेमीफाइनल में जीत प्रतिशत

भारत - 42.86 %
- जीत- 3
- हार- 4

न्यूजीलैंड - 25 %
- जीत-2
- हार- 6

सेमीफाइनल के दो ब्लैक टिकटों के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

मुंबई। भारत और न्यूजीलैंड के बीच विश्व कप सेमीफाइनल के टिकटों की कालाबाजारी के एक मामले की जांच कर रही मुंबई पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है जिसके पास एक लाख 20 हजार रूपये के दो मानार्थ टिकट पाये गए हैं. जेजे मार्ग पुलिस थाने के पुलिसकर्मियों ने दो टिकट बरामद किये हैं जो 1 . 2 लाख रूपये के मानार्थ टिकट थे और वीआईपी या विशेष अतिथि के लिये थे. इससे पहले पुलिस ने एक इवेंट आयोजक आकाश कोठारी को विश्व कप सेमीफाइनल के टिकटों की कथित कालाबाजारी के लिये गिरफ्तार किया.

सेमीफाइनल मैच देखने आएंगे डेविड बैकहम

इंग्लैंड के दिग्गज फुटबॉलर डेविड बैकहम बुधवार को यहां भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले विश्व कप के पहले सेमीफाइनल के दौरान उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में शामिल होंगे. यूनिसेफ के सद्भावना दूत के रूप में पहले से देश में मौजूद बैकहम के मैच के दिन मुंबई आने और वानखेड़े स्टेडियम में मैच देखने की उम्मीद है. वह 2005 में सद्भावना दूत के रूप में यूनिसेफ से जुड़े थे. एक सूत्र के अनुसार बैकहम इस समय गुजरात में हैं क्योंकि वह बाल अधिकारों और लैंगिक समानता की वकालत करने में योगदान देने के लिए देश का दौरा कर रहे हैं जो विश्व बाल दिवस 2023 की 'वैश्विक थीम' भी है. इस महीने की शुरुआत में दो नवंबर को वानखेड़े स्टेडियम में विश्व कप मेजबान भारत और श्रीलंका के बीच लीग चरण के मैच में आईसीसी की पहल 'वन डे 4 चिल्ड्रन' का जश्न मनाया गया और '#बीएचैंपियन' अभियान का प्रचार किया गया.

'अंडरडॉग' के ठप्पे से परेशानी नहीं : विलियमसन

मुंबई। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने मंगलवार को स्वीकार किया कि भारत के खिलाफ विश्व कप सेमीफाइनल में 'अंडरडॉग' के ठप्पे से उन्हें कोई ऐतराज नहीं है. उन्होंने हार्दिक पंड्या की गैर मौजूदगी में भी बेहतरीन प्रदर्शन के लिये भारतीय टीम की तारीफ की. भारत को बुधवार को होने वाले पहले सेमीफाइनल में जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है. दोनों टीमों के बीच 2019 में हुए विश्व कप सेमीफाइनल में बाजी न्यूजीलैंड ने मारी थी. भारत ने लीग चरण में सभी नौ मैच जीते हैं. विलियमसन ने कहा कि आप लोग अंडरडॉग लिखते हैं और यह ज्यादा बदला नहीं है. मुझे इससे कोई परेशानी नहीं है. भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है. न्यूजीलैंड के कप्तान ने कहा कि सेमीफाइनल में दोनों टीमों के लिये बराबर मौका है. उन्होंने कहा कि भारतीय टीम सर्वश्रेष्ठ टीमों में से है और हमें भी पता है कि अपना दिन होने पर हम किसी को भी हरा सकते हैं.

भाग्य बहादुरों का साथ देता है : रोहित शर्मा

भारत ने पिछले कुछ हफ्तों में विश्व कप के लीग चरण में सभी बाधाओं को पार करते हुए अपना विजय अभियान जारी रखा लेकिन कप्तान रोहित शर्मा चाहते हैं कि न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार को होने वाले सेमीफाइनल में भाग्य भी उनकी टीम का साथ दे. रोहित ने कहा कि समय आ गया है कि भाग्य आपका साथ दे और भाग्य बहादुरों का साथ देता है. रोहित ने कहा कि सिर्फ सेमीफाइनल मुकाबले में उतरने के कारण मेजबान टीम को अपनी मानसिकता और रवैये को लेकर कोई बड़ा बदलाव करने की जरूरत नहीं है. मौजूदा विश्व कप में भारत सबसे अधिक दबदबा बनाने वाली टीम रहा है जिसने अपने सभी नौ लीग मैच जीते और अंक तालिका में शीर्ष पर रहा. कप्तान ने कहा कि भारतीय क्रिकेटरों के रूप में दबाव हमेशा उनकी यात्रा का हिस्सा रहा है और सेमीफाइनल के लिए मैदान पर उतरते हुए भी कुछ इससे अलग नहीं होगा.

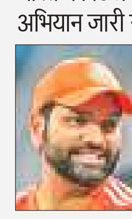

आगे कौन

सबसे अधिक रन
594

विराट कोहली, भारत

सबसे अधिक विकेट
22

एडम जम्पा, ऑस्ट्रेलिया

सिक्सर किंग रोहित शर्मा : 24

बाउंड्री

6	4
592	2109

सात्विक-चिराग की जोड़ी जापान मास्टर्स के पहले दौर में हारी

कुमामोतो (जापान)

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी को मंगलवार को यहां जापान मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के पहले दौर के मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा. भारत की शीर्ष वरीय जोड़ी को ल्यू चिंग याओ और यैंग पो हेन की चीनी ताइपे की दुनिया की 21वें नंबर की जोड़ी के खिलाफ 63 मिनट चले मुकाबले में 21-16 18-21 16-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी. सात्विक और चिराग की दुनिया की पांचवें नंबर की जोड़ी ने पिछले साल फ्रेंच ओपन के फाइनल में ल्यू और यैंग की जोड़ी को हराया था लेकिन मंगलवार को चीनी ताइपे की जोड़ी ने जोरदार वापसी करते हुए पहला गेम गंवाने के बाद जीत दर्ज की. भारतीय जोड़ी ने पहले गेम में 0-3 से पिछड़ने के बाद 11-7 की बढ़त बनाई. ल्यू और यैंग ने वापसी करते हुए 13-13 के स्कोर पर बराबरी हासिल की लेकिन सात्विक और चिराग ने इसके बाद बढ़त बरकरार रखी और फिर लगातार चार अंक के साथ पहला गेम जीत लिया. दूसरा गेम काफी करीबी रहा जिसमें काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला. चीनी ताइपे की जोड़ी ब्रेक तक 11-9 की बढ़त बनाने में सफल रही लेकिन सात्विक और चिराग ने 14-14 पर स्कोर बराबर कर दिया. ल्यू और यैंग ने हालांकि धैर्य बरकरार रखते हुए दूसरा गेम जीतकर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया.

कुश्ती के ओलंपिक क्वालीफायर में नहीं होंगे स्वर्ण पदक के मुकाबले

भाषा । नई दिल्ली

पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा स्थान देने वाले कुश्ती के महाद्वीपीय क्वालीफायर में स्वर्ण या कांस्य पदक के मुकाबले नहीं होंगे और दो सेमीफाइनल के विजेताओं को 2024 खेलों में जगह दी जाएगी. कुश्ती की वैश्विक संचालन संस्थान यूनाईटेड वर्ल्ड रेस्लिंग ने अगले साल होने वाले क्वालीफायर के नए प्रारूप को स्वीकृति दे दी है. महाद्वीपीय क्वालीफायर के अलावा विश्व क्वालीफायर में भी स्वर्ण पदक का मुकाबला नहीं होगा और मिलेगा जबकि कांस्य पदक मुकाबलों के विजेता सभी तीन शैलियों के छह-छह भार वर्ग में तीसरे कोटा के लिए भिड़ेंगे. फरवरी से एक मार्च तक होने वाले अमेरिकी महाद्वीप के क्वालीफायर के साथ क्वालीफिकेशन प्रक्रिया शुरू होगी.

आईओए पैनल ने डब्ल्यूएफआई को चेताया

देश में कुश्ती का संचालन कर रही तदर्थ समिति ने भंग चल रहे भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) पर एक राज्य संघ से संपर्क करके भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) चार्टर का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है. ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक सहित देश के कुछ पहलवानों ने डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था. इसके बाद डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया गया था और आईओए ने इस खेल के संचालन के लिए तदर्थ समिति गठित की थी.

वॉलीबॉल चैंपियनशिप के लिए टीम का चयन आज से

जमशेदपुर। झारखंड इंटर जिला वॉलीबॉल चैंपियनशिप के लिए टीम का चयन बुधवार और गुरुवार को जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में किया जाएगा. झारखंड वॉलीबॉल संघ के तत्वावधान में गढ़वा जिला वॉलीबॉल संघ द्वारा 22- 26 नवंबर 2023 तक 16वीं यूथ झारखण्ड राज्य अंतर जिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा. बुधवार को बालक वर्ग का और गुरुवार को बालिका वर्ग का चयन किया जाएगा. पूर्वी सिंहभूम वॉलीबॉल एसोसिएशन के सचिव राजीव कुमार मिश्रा द्वारा नोटिस जारी किया गया है. जारी नोटिस के अनुसार 1 जनवरी 2004 के बाद जन्मे खिलाड़ी ही इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते है.

क्रिकेट विश्व कप में शीर्ष पर है भारत, लेकिन एक आंकड़ा ऐसा जिससे भारतीय फैंस में डर

राउंड रॉबिन में टॉप पर रहने वाली टीम नहीं जीत सकी है खिताब

शुभम किशोर । रांची

भारत ने इस विश्व कप में अपराजेय रहते हुए अपने सभी 9 मुकाबले जीते हैं और अंक तालिका पर शीर्ष पर है. इस बार विश्व कप राउंड रॉबिन फार्मेट में खेला गया जा रहा है और अब कर दो बार वनडे विश्व कप राउंड रॉबिन फॉर्मेट में खेला गया और इस बार यह तीसरी बार हो रहा है. सबसे पहले ये फॉर्मेट 1992 में खेला गया था और दूसरी बार 2019 में इसी फॉर्मेट में विश्व कप हुआ था. लेकिन राउंड रॉबिन फॉर्मेट में खेले गए मुकाबलों में प्वाइंट्स टेबल में नंबर वन पर रहने वाली टीम खिताब नहीं जीत सकी है. ये आंकड़ा भारतीय फैंस को डरा रहा है. 1992 में जब पहली बार विश्व राउंड रॉबिन फॉर्मेट खेला गया था तब न्यूजीलैंड प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष पर थी. लेकिन कीवी टीम को सेमीफाइनल में पाकिस्तान के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी थी. 2019 के टूर्नामेंट में जब दूसरी बार राउंड रॉबिन फॉर्मेट आया था, तब टीम इंडिया प्वाइंट्स टेबल में पहले नंबर पर थी, लेकिन भारत को सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से हार का सामना करना पड़ा था. अब 2023 में भी टीम इंडिया एक बार फिर प्वाइंट्स में पहले नंबर पर हैं और टूर्नामेंट राउंड रॉबिन फॉर्मेट में खेला जा रहा है.

विश्व कप में अपराजेय रहने वाली दो टीमों ने जीता है खिताब

विश्व कप इतिहास में ऐसी दो टीमें हैं, जिन्होंने पूरे टूर्नामेंट में अपराजेय रहने के बाद विश्व खिताब अपने नाम किया है. वेस्टइंडीज ने 1975 और 1979 में ऐसा किया था, जबकि 2003 और 2007 में ऐसा करने वाली टीम ऑस्ट्रेलिया की रही है.

रांची में होने वाली प्रतियोगिता का शिड्यूल जारी

संवाददाता । रांची

67वीं राष्ट्रीय स्कूल खेल 2023 के तहत स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) 29 खेलों का आयोजन कर रहा है. 29 में से छह खेलों (फुटबॉल, खो खो, कबड्डी, वूशु, स्केटिंग और साइक्लिंग) की मेजबानी झारखंड को मिली है. रांची में आयोजित इस प्रतियोगिता का शेड्यूल भी जारी कर दिया गया है. प्रतियोगिता का आयोजन 19 दिसंबर से 12 फरवरी तक किया जाना है. राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरेन ए सोरेंग ने शिक्षा परियोजना परिषद में प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी. बता दें कि झारखंड स्कूली शिक्षा विभाग और शिक्षा परियोजना परिषद के तत्वावधान में झारंखड में प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी. इसमें विभिन्न खेल संघों की मदद ली जायेगी.

67वां राष्ट्रीय स्कूली खेल

शेड्यूल

19 से 22 दिसंबर 2023	फुटबॉल
26 से 29 दिसंबर 2023	खो- खो
04 से 07 जनवरी 2024	कबड्डी
17 से 21 जनवरी 2024	वूशु
01 से 04 फरवरी 2024	स्केटिंग
08 से 12 फरवरी 2024	साइक्लिंग

युवक की मौत पर अस्पताल में हंगामा

संवाददाता। देवघर

परिजन नाराज

- घायल युवक की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई
- परिजनों ने डॉ0 के चैंबर में घुस कर कुर्सी-टेबल को उलट दिया

सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान सदर अस्पताल में मौत हो गई. इसके बाद नाराज परिजनों ने सदर अस्पताल में जमकर हंगामा किया. मृतक के परिजनों ने डॉक्टर के चैंबर में घुस कर कुर्सी-टेबल को उलट दिया. हंगामा की सूचना मिलने के बाद नगर थाना पुलिस की पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराया.

दरअसल देवघर-देवीपुर बाईपास मार्ग पर तिलजोरी के पास सड़क हादसे में घायल बाइक सवार युवक को पीसीआर वैन से सदर अस्पताल पहुंचाया गया. जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी. मौत की खबर सुनते ही मृतक के परिजनों के साथ पहुंचे लोगों ने हंगामा करना शुरू कर दिया. मृतक की पहचान बबलू राउत के रूप में हुई है. वह कुंडा थाना इलाके के बैद्यनाथपुर का रहने वाला था. मृतक बैद्यनाथपुर में एक मिठाई दुकान पर काम करता था. उसके दो मासूम बच्चे हैं. हालांकि पुलिस-प्रशासन के समझाने के बाद परिजन शव के पोस्टमार्टम के लिये तैयार हो गये.

दूसरी ओर हवा में पिस्तौल लहराते वीडियो वायरल मामले में देवघर पुलिस ने दो आरोपियो को गिऱफ्तार किया. पुलिस ने उनके पास से एक पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस बरामद किया. पकड़े गये युवकों में अभिषेक सिंह बंधा थाना रिखिया का रहने वाला है. जबकि दूसरा अंकित गुप्ता बिलासी नगर थाना इलाके का रहने वाला है. वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस प्रशासन की ओर एक टीम का गठन किया गया था. टीम ने छापेमारी कर दोनों को पकड़ा. पूछताछ के बाद इनकी निशानदेही पर आशीष मिश्रा गिरोह के सदस्य कुणाल के घऱ पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद किया गया.

एएसआई के साथ युवक ने की मारपीट, गिरफ्तार

हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद महिला एवं बाल सरंक्षण थाना में तैनात एएसआई चंद्रदीप प्रसाद को एक युवक ने मारपीट कर घायल कर दिया. इस संबंध में एएसआई चंद्रदीप प्रसाद ने गांव रेहला, थाना-रेहला निवासी चंदन गुप्ता के खिलाफ हुसैनाबाद थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी. दर्ज प्राथमिकी में कहा गया कि महिला थाना प्रभारी ने मोबाइल पर बताया गया कि जपला शहर निवासी पूजा कुमारी, पति- चंदन गुप्ता के आवेदन की जांच कर लें. मैने आवेदक पूजा कुमारी से आवेदन के आधार पर पूछताछ करने लगा. इसी बीच पूजा के पति चंदन गुप्ता ने उसे मोबाइल पर सम्पर्क किया.

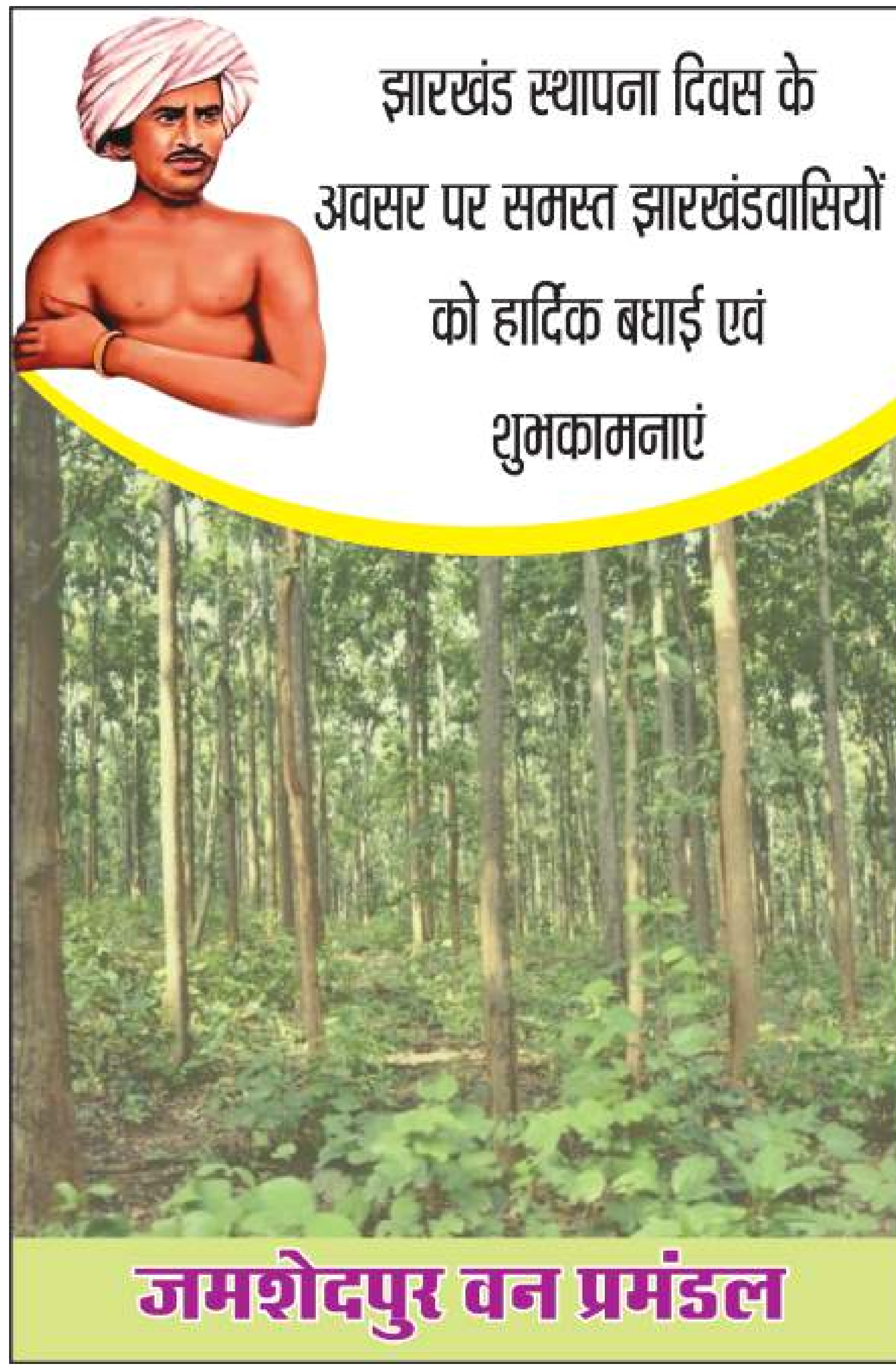

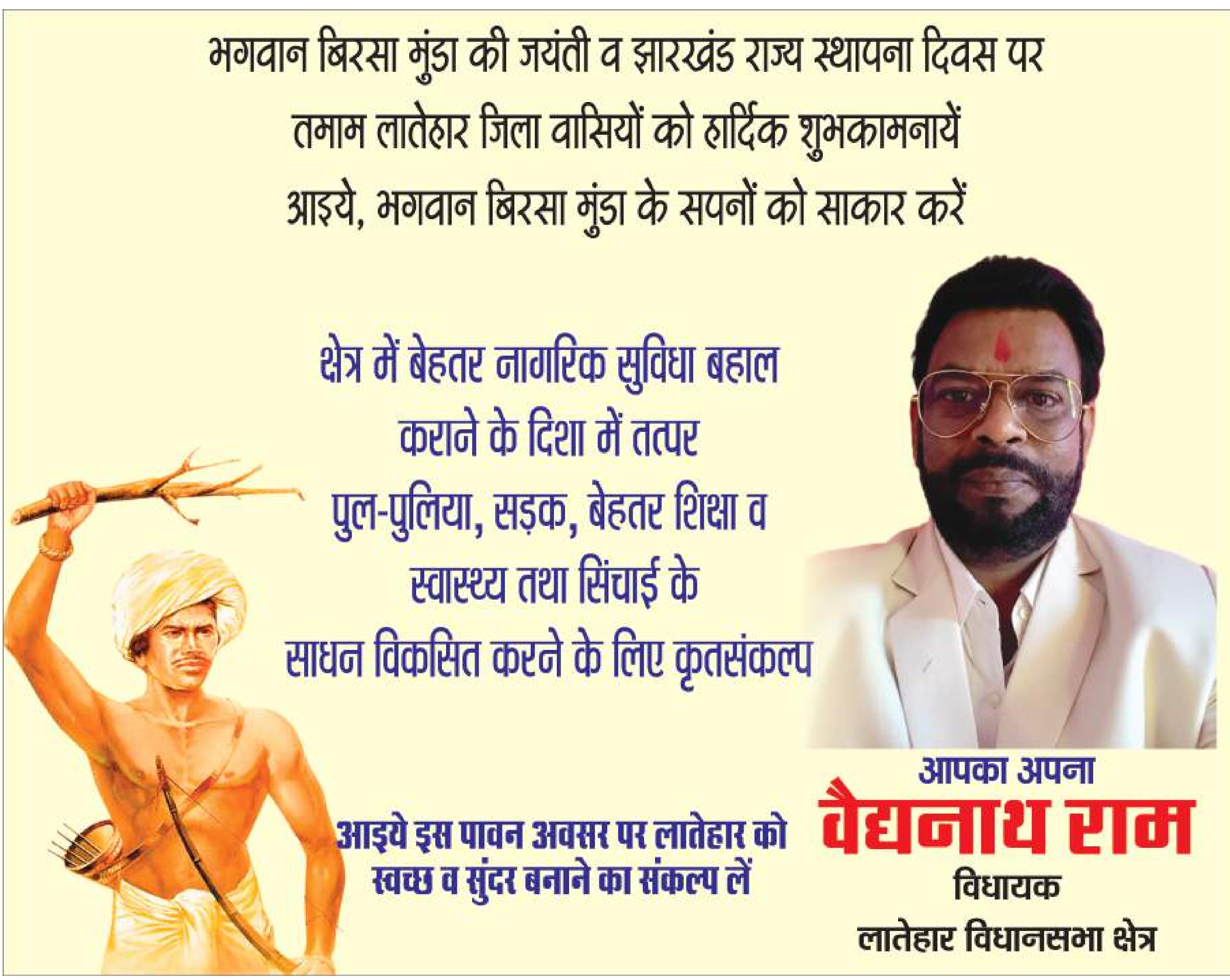

बच्चों की सुरक्षा हमारा कर्तव्य है: राष्ट्रपति

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि बच्चे देश का भविष्य होते हैं और उनकी सुरक्षा करना सभी का कर्तव्य है. बाल दिवस के मौके पर यहां राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र (आरबीसीसी) में राष्ट्रपति ने विभिन्न स्कूलों और संगठनों से आए बच्चों से मुलाकात की. राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी एक बयान में मुर्मू के हवाले से कहा गया है कि हमारा हमेशा से मानना रहा है कि बच्चे देश का भविष्य होते हैं. उनकी सुरक्षा और उचित पालन-पोषण हम सबका कर्तव्य है. उन्होंने कहा कि आज के बच्चों के पास तकनीक, ढेर सारी जानकारी और ज्ञान है, वे देश-विदेश में अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं.

बिहार का रहने वाला है दोषी अश्फाक आलम

बच्ची से रेप के दोषी को होगी फांसी

भाषा । कोच्चि

केरल की एक अदालत ने अलुवा में बच्ची से दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले में दोषी व्यक्ति को मंगलवार को मौत की सजा सुनाई. लोक अभिययेजक जी मोहनराज ने बताया कि विशेष पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अदालत के न्यायाधीश के. सोमन ने बिहार निवासी पांच वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के दोषी प्रवासी मजदूर अश्वाक आलम को मौत की सजा देने का

फैसला किया. फैसले के बाद केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि बाल दिवस पर मामले में दी गई सजा को बच्चों के खिलाफ हिंसा करने वालों के लिए कड़ी चेतावनी के रूप में देखा जाना चाहिए.

मामले के एक चश्मदीद गवाह ने दोषी को सजा दिए जाने पर खुशी व्यक्त की और लोगों को मिठाइयां बांटीं. उन्होंने कहा कि मासूम बच्ची की आत्मा को अब शांति मिलेगी. आज पॉक्सो अधिनियम को लागू हुए 11 वर्ष भी हो गए हैं. यह अधिनियम 14 नवंबर 2012 को लागू किया गया था. जिस समय दोषी आलम को सजा सुनाई गई, उस वक्त बच्ची के माता-पिता अदालत में ही मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

नरसंहार में 70 लोगों की मौत: प्राधिकारी

औगाडौगू (बुर्किना फासो)। उत्तरी बुर्किना फासो के एक गांव में इस महीने की शुरुआत में अज्ञात हमलावरों ने करीब 70 लोगों की हत्या कर दी, जिनमें अधिकतर महिलाएं एवं बच्चे शामिल हैं. प्रशासन ने सोमवार को यह जानकारी दी. उसने बताया कि इस नरसंहार की जांच की जा रही है. अभियोजक साइमन बी ग्नानौ ने बताया कि यह हमला बौलसा शहर से करीब 60 किलोमीटर दूर जाओंगो गांव में हुआ. उन्होंने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि इस नरसंहार के पीछे किसका हाथ है.

अल-कादिर भ्रष्टाचार मामले में भी इमरान गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के शीर्ष भ्रष्टाचार रोधी निकाय ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अल-कादिर ट्रस्ट मामले और तोशाखाना उपहार मामले में भी गिरफ्तार किया है. मीडिया की खबरों में मंगलवार को यह जानकारी दी गई. इमरान खान गोपनीय दस्तावेज लीक मामले में पहले से ही अदियाला जेल में बंद हैं. डॉन अखबार के अनुसार, जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश मोहम्मद बशीर द्वारा गिरफ्तारी वारंट की पुष्टि किए जाने और अदियाला जेल अधीक्षक को वारंट तामील कराने का निर्देश दिए जाने के बाद एनएबी ने सोमवार को खान को गिरफ्तार कर लिया.

कार और ट्रक में टक्कर छह लोगों की मौत

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश में दिल्ली-हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामपुर तिराहे पर मंगलवार सुबह एक कार और ट्रक के बीच टक्कर होने से छह लोगों की मौत हो गई. एक पुलिस अधिकारी ने ने बताया कि दुर्घटना तब हुई, जब ये लोग एक कार से हरिद्वार जा रहे थे. पुलिस के मुताबिक, मृत व्यक्तियों की पहचान दिल्ली के कुणाल (23), शिवम त्यागी (22), पारस शर्मा (18), धीरज (22), विशाल (20) और मेरठ के अमन (22) के रूप में हुई है.

लालू के सहयोगी पर नौकरी के बदले भूखंड लेने का आरोप

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरोप लगाया है कि रेलवे में नौकरी के बदले जमीन घोटाले में हाल में गिरफ्तार किये गए अमित कात्याल नाम के व्यक्ति ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख एवं पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री लालू प्रसाद की ओर से उम्मीदवारों से कई भूखंड हासिल किये थे. केंद्रीय एजेंसी ने 11 नवंबर को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत कात्याल को पहले हिरासत में लिया और बाद में गिरफ्तार कर लिया था. दिल्ली की एक अदालत ने बाद में उन्हें 16 नवंबर तक एजेंसी की हिरासत में भेज दिया.

मप्र में 150 सीट जीतेंगे : राहुल

भाषा। भोपाल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को भाजपा पर विधायकों को खरीदकर 2020 में मध्य प्रदेश में उनकी पार्टी की सरकार गिराने का आरोप लगाया. उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस 17 नवंबर को राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव में लगभग 150 सीट जीतेगी. राहुल गांधी राज्य की राजधानी से लगभग 55 किलोमीटर दूर विदिशा में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पक्ष में तूफान आने वाला है. पार्टी 145 से 150 सीट जीतेगी.

हमास संसद पर इजरायल का कब्जा, लहराया झंडा

भाषा। तेल अवीव

गाजा पट्टी से बड़ी खबर आ रही है. खबर यह है कि इजरायल ने गाजा के ज्यादातर हिस्सों पर कब्जा कर लिया है. यहां हमास की संसद पर भी इजरायली सेना का कब्जा हो गयी है. इजरायली सेना द्वारा एक फोटो शेयर की गयी है. इस तस्वीर में इजरायली सैनिक हमास की संसद में अपना झंडा लहराते दिख रहे हैं. इजरायली सेना के जवान हमास की संसद में स्पीकर की कुर्सी पर बैठे नजर आ रहे हैं.

युद्ध के कारण उत्तरी गाजा हो रहा खाली : संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के कार्यालय ने मंगलवार को कहा कि पांच नवंबर के बाद से करीब दो लाख और लोग उत्तरी गाजा से विस्थापित हुए हैं क्योंकि इजरायली सेना अस्पतालों के आसपास फलस्तीनी आतंकवादियों से लड़ रही है, जहां मरीज, नवजात शिशु और चिकित्सक बिना बिजली और जरूरी चीजों की किल्लत के बीच फंसे हुए हैं. मानवीय मामलों के समन्वय से संबंधित संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने कहा कि उत्तर में केवल एक अस्पताल मरीजों को भर्ती करने में समर्थ है, अन्य सभी अस्पताल अब काम करने में सक्षम नहीं हैं और इनमें से ज्यादातर आश्रय गृह के रूप में संचालित हो रहे हैं जहां पर युद्ध के कारण विस्थापित लोग शरण ले रहे हैं.

गाजा का सबसे बड़ा अस्पताल 'शिफा' भी इजराइली सेना से घिरा है जहां 36 बच्चों की जान जोखिम में है क्योंकि वहां 'इनक्यूबेटर' के लिए बिजली उपलब्ध नहीं है. हमास की ओर से अचानक हमले के बाद शुरू हुआ युद्ध अब छठे सप्ताह में प्रवेश कर गया है.

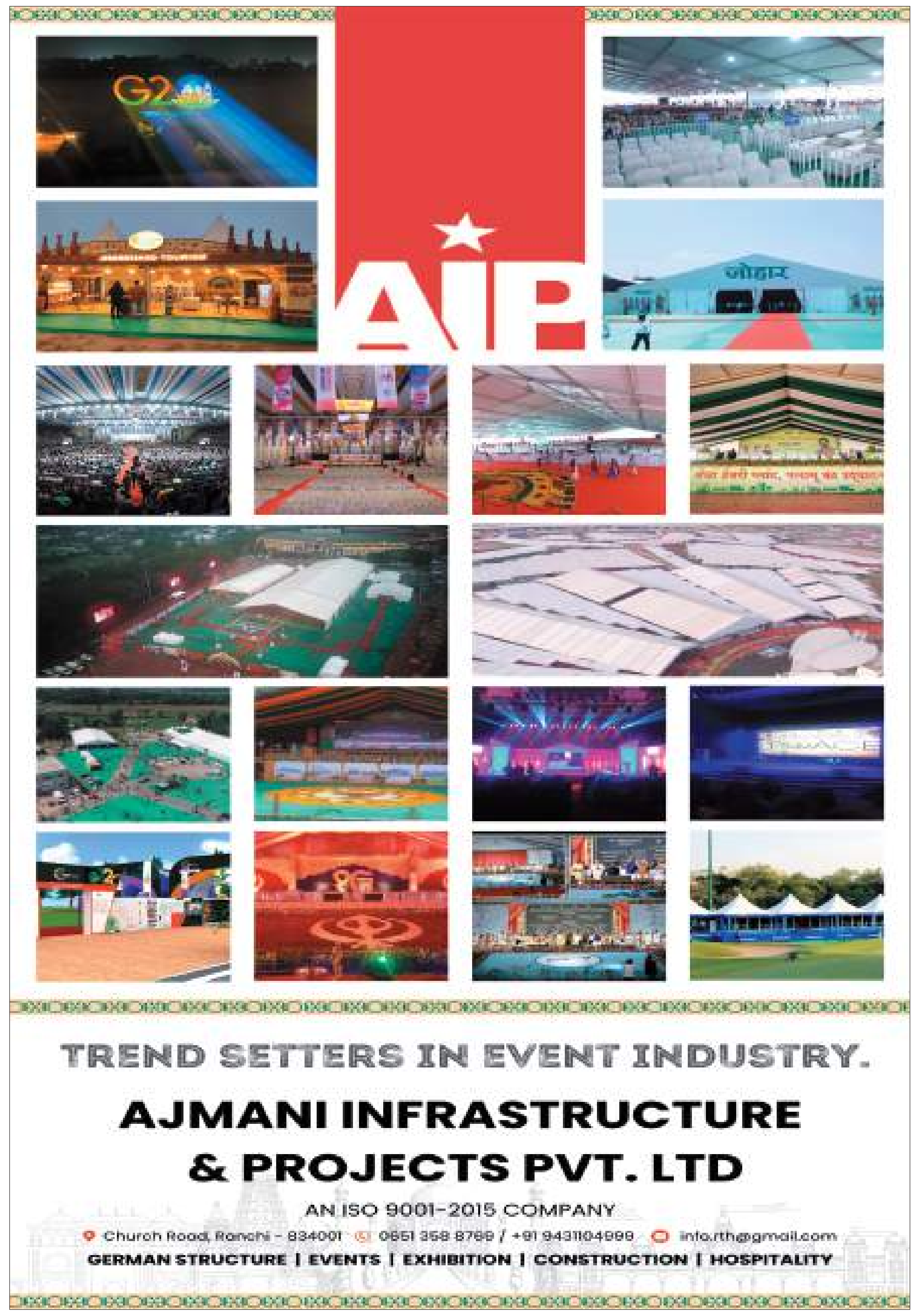

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)